नई दिल्ली । सोमवार, 04 मई, 2026
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष तृतीया, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :118 / मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली संस्करण
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwakesari_news
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल 'लक्ष्य की कमी महसूस हुई, फ्रांस का पलड़ा पूरी...
@ विचार कब तक मारे जाते रहेंगे कलम के सिपाही...?
@ व्यापार देश की शीर्ष 10 में से चार कंपनियों का मार्केटकैप...

ईरान ने अमेरिका को सौंपा 14-प्वाइंट का शांति प्लान, ट्रंप का रुख सख्त

परमाणु और होर्मुज पर अटकी डील

एजेंसी ■ वाशिंगटन

अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे तनाव को खत्म करने के लिए ईरान ने 14 सूत्रीय नया शांति प्रस्ताव दिया है। यह प्रस्ताव ऐसे समय आया है जब युद्धविराम तो लागू है, लेकिन दोनों देशों के बीच भरोसे की कमी अभी भी सबसे बड़ी बाधा बनी हुई है। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह इस प्रस्ताव का अध्ययन कर रहे हैं, लेकिन यह साफ नहीं है कि वह इसे स्वीकार करेंगे या नहीं। यह प्रस्ताव पाकिस्तान के जरिए अमेरिका तक पहुंचाया गया, जिसने पहले भी दोनों देशों के बीच युद्धविराम कराने में मध्यस्थ की भूमिका निभाई थी।

क्या है ईरान का 14-प्वाइंट प्रस्ताव ?

ईरान का कहना है कि वह केवल युद्धविराम नहीं बल्कि पूरी तरह से युद्ध खत्म करना चाहता है। इसके लिए उसने 30 दिनों के भीतर सभी मुद्दों का समाधान करने की बात रखी है। इस प्रस्ताव में कुछ प्रमुख मांगें शामिल हैं-

- अमेरिका और उसके सहयोगियों से भविष्य में हमला न करने की गारंटी
- ईरान के आसपास से अमेरिकी सेना की वापसी
- ईरान की जमी हुई अरबों डॉलर की संपत्ति को वापस करना
- ईरान पर से सभी आर्थिक प्रतिबंध हटाना
- युद्ध से हुए नुकसान की भरपाई (रेपरेशन)
- लेबनान सहित पूरे क्षेत्र में संघर्ष खत्म करना
- होर्मुज जलडमरूमध्य के लिए नया नियंत्रण तंत्र
- इसके अलावा, ईरान ने अपने परमाणु कार्यक्रम को जारी रखने का अधिकार भी मांगा है।

कहां अटकी है बातचीत ?

सबसे बड़ा विवाद परमाणु कार्यक्रम को लेकर है। ट्रंप ने साफ कर दिया है कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम रेड लाइन है, जबकि ईरान इसे अपना अधिकार बता रहा है। दूसरा बड़ा मुद्दा है होर्मुज जलडमरूमध्य, जहां से दुनिया के करीब 20% तेल और गैस का व्यापार होता है। ईरान ने यहां प्रभावी नियंत्रण बना रखा है, जबकि अमेरिका चाहता है कि यह रास्ता पूरी तरह खुला रहे। दोनों देशों के बीच अविश्वास भी बहुत गहरा है। विशेषज्ञों का कहना है कि ईरान को अमेरिका पर भरोसा नहीं है, खासकर पहले हुए समझौतों के अनुभव के कारण।

क्या है अमेरिका का रुख ?

ट्रंप ने चेतावनी दी है कि अगर ईरान गलत हरकत करता है तो अमेरिका फिर से हमले शुरू कर सकता है। उन्होंने यह भी दावा किया कि युद्ध और नाकेबंदी के कारण ईरान कमजोर हो चुका है और समझौते के लिए दबाव में है। हालांकि, कुछ विशेषज्ञ मानते हैं कि ट्रंप इस प्रस्ताव को आसानी से स्वीकार नहीं करेंगे।

आज राजनीति का निर्णायक दिन, पांच राज्यों के नतीजे बदलेंगे तस्वीर

टीएमसी और डीएमके का राजनीतिक अस्तित्व दांव पर

एजेंसी ■ नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी में 2026 के विधानसभा चुनावों के नतीजे 4 मई को सुबह 8 बजे से शुरू होने वाली मतगणना के साथ घोषित किए जाएंगे। इन परिणामों से कुल 824 विधानसभा सीटों का भविष्य तय होगा।

भारत निर्वाचन आयोग ने बताया कि मतगणना सभी निर्वाचन क्षेत्रों में एक साथ की जाएगी। शुरुआती रुझान पहले एक से दो घंटों में सामने आने की उम्मीद है, जबकि सुबह तक तस्वीर और साफ हो जाएगी और अंतिम परिणाम शाम तक आने की संभावना है। मतदाता ईसीआई की वेबसाइट पर रियल-टाइम अपडेट देख सकते हैं।

इन चुनावों के लिए मतदान अप्रैल में हुआ था। असम, केरल और पुडुचेरी में 9 अप्रैल को मतदान हुआ, तमिलनाडु में 23 अप्रैल को, जबकि पश्चिम बंगाल में दो चरणों में 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को वोटिंग हुई। पश्चिम बंगाल में दोनों चरणों में 92% से अधिक मतदान दर्ज किया गया, जो सबसे ज्यादा रहा, जबकि असम में 85.38% मतदान हुआ। तमिलनाडु में 84.69%, केरल में 79.63% और पुडुचेरी में 89.87% मतदान दर्ज किया गया।

पश्चिम बंगाल चुनाव का हाई-स्टेक मुकाबला एक बार फिर ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बीच सीधी टक्कर में बदल गया है। केरल में एलडीएफ लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटने का लक्ष्य लेकर चल रही है, जबकि यूडीएफ सत्ता विरोधी लहर (एंटी-इंकम्बेंसी) का फायदा उठाने की उम्मीद कर रही है और एनडीए राज्य में अपनी मौजूदगी बढ़ाने की कोशिश में है।

तमिलनाडु में अब तक के सबसे अधिक मतदान प्रतिशतों में से एक दर्ज हुआ, जो 84.80% से अधिक रहा।

सत्तारूढ़ डीएमके, जिसका नेतृत्व मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन कर रहे हैं, अपने शासन और कल्याणकारी योजनाओं के आधार पर एक और कार्यकाल चाह रही है।

वहीं, विपक्षी एआईएडीएमके, जिसके प्रमुख एडप्पडी के. पलानीस्वामी हैं, वापसी की कोशिश में है। इसी बीच विजय के नेतृत्व वाली टीवीके खासकर शहरी और युवा मतदाताओं के बीच एक नई और प्रभावशाली ताकत बनकर उभरी है। चुनाव परिणाम देखने के लिए भारत निर्वाचन आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं।

रेसलर विनेश फोगाट बोलीं-मैं भी बृजभूषण के शोषण की पीड़ित

एजेंसी ■ पानीपत

ओलिंपियन रेसलर विनेश फोगाट ने भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह पर एक बार फिर गंभीर आरोप लगाए हैं। सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर करके विनेश ने कहा, यूपी के गोंडा में 10 से 12 मई के बीच सीनियर ओपन रैंकिंग कुश्ती टूर्नामेंट हो रहा है।

आज कुछ मजबूरियों के चलते मैं कहना चाहती हूं कि बृजभूषण शरण के खिलाफ कंप्लेंट करने वाले उन 6 विक्टिम में मैं भी शामिल हूं।

मेरी गवाही भी कोर्ट में चल रही है। मेरा उसके घर (गोंडा) में जाकर कॉम्पिटीशन लड़ना मुश्किल होगा। मुझे नहीं लगता कि मैं अपना 100% दे पाऊंगी। एक लड़की के लिए ये काफी मुश्किल होगा।

''मैं और मेरी टीम कॉम्पिटीशन लड़ेगी, अगर किसी के साथ कुछ गलत होता है तो इसकी जिम्मेदारी भारत सरकार की होगी।''

बता दें कि करीब 3 साल पहले विनेश ने बृजभूषण पर महिला खिलाड़ियों के यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। इसे लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर महिला पहलवानों ने बृजभूषण के खिलाफ धरना भी दिया था। विनेश हरियाणा के जुलाना से कांग्रेस विधायक हैं। बृजभूषण भाजपा के पूर्व सांसद हैं। वर्तमान में उनका एक बेटा यूपी से सांसद और एक विधायक है।

दिल्ली के विवेक विहार में बहुमंजिला इमारत में लगी आग, 9 लोगों की मौत

एजेंसी ■ नई दिल्ली

दिल्ली के शाहदरा जिले के विवेक विहार इलाके में रविवार तड़के एक बहुमंजिला रिहायशी इमारत में भीषण आग लगने की घटना सामने आई, जिसने पूरे इलाके में हड़कंप मचा दिया। यह आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते कई फ्लोर इसकी चपेट में आ गए। इसमें अब तक नौ लोगों की मौत हो चुकी है।

जानकारी के मुताबिक, यह आग विवेक विहार फेज-1 के एक बहुमंजिला मकान में लगी थी। फायर कंट्रोल रूम को इस हादसे की सूचना तड़के 3:48 बजे मिली थी, जिसके

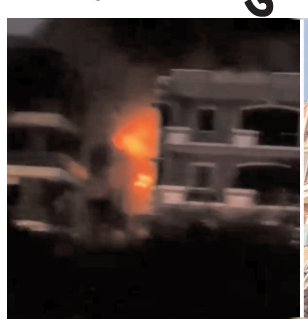

बाद तुरंत पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके के लिए रवाना हो गईं। मौके पर पहुंचने पर पता चला कि बिल्डिंग के दूसरे, तीसरे और चौथे फ्लोर पर आग लगी हुई थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए दमकल की करीब 12 से 14 गाड़ियां मौके पर लगाई गईं। फायर ब्रिगेड, पुलिस, क्राइम टीम, ट्रैफिक पुलिस और डीडीएमए की टीम ने मिलकर राहत और बचाव कार्य शुरू किया। करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद सुबह 6:25 बजे आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन इसके बाद भी सर्च ऑपरेशन जारी रहा, खासकर ऊपरी मंजिलों पर, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई अंदर फंसा न रह जाए।

शाहदरा के डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीणा ने बताया कि सुबह करीब 4 बजे आग लगने की कॉल मिली थी और तुरंत टीम मौके पर पहुंच गई थी। उन्होंने कहा कि आग पर काबू पाने में करीब दो घंटे लगे, जिसके बाद सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। बचाव कार्य के दौरान करीब 10 से 15 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इनमें से दो लोगों को मामूली चोटें आई थीं, जिन्हें इलाज के लिए गुरु तेग बहादुर अस्पताल भेजा गया। वहीं, कुछ अन्य घायलों को भी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इस आग में कुल नौ लोगों की जान चली गई। यह संख्या और बढ़ भी सकती है, क्योंकि अभी सर्च ऑपरेशन पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, आग इतनी भयानक थी कि लोगों को संभलने का मौका ही नहीं मिला। कई लोग अपनी जान बचाने के लिए बाहर की तरफ भागे, जबकि कुछ लोग अंदर ही फंस गए थे।

बंगाल चुनाव रिजल्ट 2026 : बीजेपी का ईवीएम पर पहरा

एजेंसी ■ कोलकाता

बंगाल में सोमवार को होने वाली विधानसभा चुनाव की मतगणना से पहले ईवीएम की सुरक्षा को लेकर सियासी तनाव के बीच भाजपा भी मैदान में उतर आई है।

मतगणना से एक दिन पहले पार्टी नेतृत्व ने राज्यभर के सभी स्ट्रॉन्ग रूम के बाहर अपनी महिला कार्यकर्ताओं को ईवीएम की निगरानी के लिए उतार दिया।

पार्टी नेतृत्व के निर्देश पर रविवार सुबह से ही भाजपा की महिला कार्यकर्ताओं ने विभिन्न जिलों में स्ट्रॉन्ग रूम के बाहर धरने पर बैठकर पहरा देना शुरू किया, जो सोमवार सुबह मतगणना शुरू होने तक जारी रहेगी। प्रदेश भाजपा नेतृत्व ने राज्यभर में अपने कार्यकर्ताओं और समर्थकों को शनिवार को ही स्पष्ट निर्देश दिया कि मतगणना शुरू होने तक ईवीएम की सुरक्षा सुनिश्चित करना प्राथमिक जिम्मेदारी होगी।

गैलेक्सीआई ने 'मिशन दृष्टि' किया लॉन्च

एजेंसी ■ नई दिल्ली

बेंगलुरु स्थित स्पेस स्टार्टअप गैलेक्सीआई द्वारा विकसित दुनिया का पहला ऑप्टोसार उपग्रह 'मिशन दृष्टि' रविवार को कैलिफोर्निया के वैंडनबर्ग से स्पेसएक्स के फाल्कन 9 रॉकेट के जरिए सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया।

190 किलोग्राम वजनी 'मिशन दृष्टि' भारत का अब तक का सबसे बड़ा निजी तौर पर विकसित पृथ्वी अवलोकन उपग्रह है। गैलेक्सीआई ने कहा, 'यह दुनिया का पहला उपग्रह है जो इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल और सिंथेटिक अपर्चर रडार सेंसरों को एक ही ऑपरेशनल प्लेटफॉर्म में एकीकृत करता है, जिससे हर मौसम, दिन-रात इमेजिंग की क्षमता संभव होती है। यह एकीकृत तकनीक पारंपरिक प्रणालियों की सीमाओं को

भारत का सबसे बड़ा निजी तौर पर विकसित पृथ्वी अवलोकन उपग्रह

दूर करती है और विभिन्न पर्यावरणीय परिस्थितियों में अधिक विश्वसनीय और निरंतर डेटा संग्रह को सक्षम बनाती है।'

गैलेक्सीआई के संस्थापक और सीईओ सुयश सिंह ने कहा, 'मिशन दृष्टि हमारी पहली उड़ान है और इस क्रांतिकारी तकनीक को विकसित करने के लिए पांच साल से अधिक के निरंतर अनुसंधान एवं विकास का परिणाम है। उपग्रह के सफलतापूर्वक कक्षा में पहुंचने के बाद अब हमारा तत्काल ध्यान इसके कमीशनिंग को पूरा करने पर है। इस चरण के दौरान ही हम अपने ऑप्टोसार पेलोड से प्राप्त विशिष्ट डेटा में वैश्विक स्तर पर मजबूत रुचि देख रहे हैं।'

सफल तैनाती और कमीशनिंग के बाद शुरुआती इमेजरी अगले कुछ हफ्तों में ग्राहकों को उपलब्ध कराए जाने की उम्मीद है। गैलेक्सीआई ने बताया कि इस उपग्रह ने पहले ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सरकारी और वाणिज्यिक हितधारकों के बीच उच्च गुणवत्ता और उच्च आवृत्ति वाले पृथ्वी अवलोकन डेटा के लिए काफी रुचि पैदा कर दी है। सफल प्रक्षेपण पर भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र के अध्यक्ष डॉ. पवन गोयनका ने कहा कि पिछले पांच-छह वर्षों में विश्वास निर्माण, क्षमता विकास और भारत के निजी अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी इकोसिस्टम के व्यावसायीकरण के लिए किए गए निरंतर प्रयास अब ठोस परिणाम देने लगे हैं।

पुणे रेप केसः पीड़िता के पिता ने नेताओं से मिलने से किया इनकार

एजेंसी ■ पुणे

पुणे जिले की भोर तहसील के नसरापुर में एक चार वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म और हत्या का मामला सामने आने के बाद पूरे इलाके में गुस्सा और दुख का माहौल है। कई नेता और मंत्री पीड़ित परिवार से मिलने उनके घर पहुंच रहे हैं और संवेदना जता रहे हैं। लेकिन इसी बीच पीड़िता के पिता ने एक वीडियो संदेश जारी कर साफ कहा है कि उन्हें किसी भी राजनीतिक मुलाकात या सांत्वना की जरूरत नहीं है, जब तक उनकी बेटी को पूरा इंसाफ नहीं मिल जाता, तब तक यह लड़ाई जारी रहेगी।

पीड़िता के पिता वीडियो में कहा कि वह अभी अपनी बेटी की अस्थियों के विसर्जन के लिए देहू आए हुए हैं। इसी दौरान उन्हें फोन पर जानकारी मिली कि कई राजनेता उनके घर मिलने पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस समय उनका परिवार बहुत दर्द में है और उन्हें सिर्फ न्याय चाहिए, कोई औपचारिक मुलाकात नहीं। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि जब तक उनकी बेटी के दोषी को फांसी की सजा नहीं मिल जाती, तब तक किसी भी नेता या प्रतिनिधि को उनके घर आने की जरूरत नहीं है। उनका कहना है कि उन्हें सिर्फ एक ही चीज चाहिए न्याय, और वो भी सख्त से सख्त।

पीड़िता के पिता ने यह भी कहा कि जब आरोपी को फांसी की सजा हो जाएगी, तभी वे उन लोगों से मिलेंगे जो उनसे मिलना चाहते हैं। उन्होंने इसे अपनी विनम्र विनती बताते हुए कहा कि इस समय उनका परिवार सिर्फ शांति और न्याय चाहता है, न कि राजनीतिक औपचारिकताएं।

कुछ पल की खुशी, उम्रभर का गम, 10 मिनट की दूरी ने छीन ली जिंदगी

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर में बरगी डैम क्रूज हादसे ने हर किसी के दिल को झकझोर कर रख दिया है। इस क्रूज के पायलट महेश पटेल उस खौफनाक मंजर को भूल नहीं पा रहे हैं। महेश पटेल मीडिया से बातचीत के दौरान उस दिन की पूरी घटना के बारे में विस्तार से बताते हुए भावुक हो गए।

महेश पटेल ने बताया, 'मैं 30 अप्रैल को शाम 5.16 बजे क्रूज लेकर डैम में निकला था। करीब 22 मीटर आगे जाने के बाद क्रूज को लौटाने लगा, तभी मुझे लगा कि बहुत तेज आंधी आ रही है। इसके बाद मैंने डीजे बंद किया और लोगों को लाइफ जैकेट पहनने के लिए कहा। हमें मौसम खराब होने की सूचना पहले से नहीं थी।'

महेश पटेल ने बताया, 'जब आंधी

आई तो सभी लोग सामान्य थे और बोट किनारे पहुंचने में 10 मिनट की दूरी पर थी। आंधी से बचाव के लिए सहयोगी ने क्रूज के ऊपर लगी तिरपाल काट दी थी। मैंने बोट को किनारे लगाने की बहुत कोशिश की। किनारे से 50-60 मीटर दूर पर ही क्रूज में पानी भरने लगा तो रिसेप्शन पर

'हमें मौसम खराब होने की सूचना पहले से नहीं थी'

पायलट महेश पटेल ने सुनाया आंखोदेखा हाल

फोन कर दूसरी बोट भेजने को कहा। किनारे से दूसरी बोट भेजी गई, लेकिन पानी भरने से क्रूज के दोनों इंजन बंद हो गए थे।' पायलट ने बताया, 'जब क्रूज पलट रहा था तो तो ऊपर के डेक पर बैठे लोग लाइफ जैकेट पहनकर पानी में कूद चुके थे,

जबकि वह अपनी केबिन में था, जब क्रूज पानी में गिरा तो उसने लाइफ जैकेट पहन ली तभी लहर ने मुझे कुछ दूर फेंक दिया। नीचे के डेक में जो लोग बैठे थे शायद वह नहीं निकल पाए और उनकी मौत हो गई। इस हादसे के बाद से वह ठीक से न खा पा रहे हैं और न ही सो पा रहे हैं। वह मंजर मुझे बार-बार दिखाई देता है, लोगों की चीखें सुनाई देती हैं। मैंने लोगों को बचाने की कोशिश की थी लेकिन बचा नहीं सका। यह हादसा जिंदगीभर याद रहेगा।' महेश पटेल ने बताया कि उन्हें मौसम के बारे में पहले कोई जानकारी नहीं दी जाती थी। खुद ही मौसम खराब देखकर बोट डैम में नहीं ले जाते थे, लेकिन हादसे के दिन मौसम एकदम सही दिख रहा था। मिनी बोट किनारे से पहुंची और जो लोग लाइफ जैकेट पहने पानी में तैर रहे थे, उन्हें सबसे पहले बचाया। जबलपुर जिले स्थित बरगी डैम में क्रूज हादसे में अब तक 13 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं। क्रूज में कुल करीब 40 से 41 लोग सवार बताए जा रहे थे। घटना के बाद से ही रेस्क्यू ऑपरेशन लगातार जारी है और प्रशासन पूरी ताकत के साथ राहत कार्य में जुटा हुआ है।

रायपुर में होने वाले आईपीएल मैच की टिकट बिक्री शुरू

रायपुर। क्रिकेटर लवर्स के लिए बड़ी खुशखबरी है। रायपुर के शहीद वीर नारायण अंतराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में इस साल दो आईपीएल

मैच होने वाले हैं। पहला मैच रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू और मुंबई इंडियंस के बीच होने वाला है। आरबीसी ऑफिशियल्स की ओर से बताया गया कि टिकट केवल आधिकारिक आरसीबी वेबसाइट और ऐप पर उपलब्ध हैं। अनौपचारिक प्लेटफॉर्म या वेबसाइटों को टिकट बेचने का दावा करने वाले लोगों से बचने, आधिकारिक वेबसाइट और ऐप पर निर्भर रहने की सलाह दी गई है।

झारखंड प्रदेश कांग्रेस की नई कमेटी की घोषणा

16 उपाध्यक्ष, 43 महासचिव और 81 सचिव सहित 200 से ज्यादा पदाधिकारी बनाए

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस की नई कमेटी घोषित कर दी गई है। नई टीम में 16 उपाध्यक्ष, 43 महासचिव, 81 सचिव, 44 संयुक्त सचिव और 37 पीसीसी कोऑर्डिनेटर्स शामिल किए गए हैं।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से जारी प्रेस नोट में इस 'जंबो जेट कमेटी' का ऐलान किया गया है। प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के अनुसार, नई टीम में क्षेत्रीय और सामाजिक संतुलन बनाने की कोशिश की गई है। संगठन में वरिष्ठता को सम्मान देते हुए 16 उपाध्यक्ष बनाए गए हैं, जिनमें अभिलाष साहू, अशोक चौधरी, भीम कुमार, दयामणि बारला, डॉ. राजेश गुप्ता छोटू, गुंजन सिंह, कालीचरण मुंडा, कुमार जयमंगल, मणिशंकर, मंजूर अंसारी, नमन बिक्सल कोंगाड़ी, प्रदीप तुलस्यान, राजेश कच्छप, सतीश पॉल मुंजनी, सुल्तान अहमद खान और सुरेश बैठा के नाम शामिल हैं।

पार्टी के कामकाज को गति देने के लिए 43 महासचिवों की नियुक्ति की गई है। इस सूची में आभा सिन्हा, अभिजीत राज,

आदित्य विक्रम, अजय सिंह, आलोक कुमार दुबे, अशोक सिंह, अशोक वर्मा, बादल पत्रलेख, बेलास तिर्की, बिनय सिन्हा दीपू, चैतु उरांव, चंद्रशेखर शुक्ला, धर्मराज राम, धर्मेंद्र सोनकर, डॉ. अजयनाथ शाहदेव, गजेंद्र सिंह, जयशंकर पाठक, जमील अख्तर, केदार पासवान, कुमार महेश सिंह, लाल किशोर शाहदेव, लाल प्रेमप्रकाशनाथ शाहदेव, मुन्नम संजय, निरंजन पासवान, राजीव रंजन प्रसाद, राकेश किरण महतो, रविंद्र झा, रविंद्र सिंह, रियाज अंसारी, संजय पांडेय, शबाना खातून, शमशेर आलम, शांतनु मिश्रा, शशि भूषण राय, शिव कुमार भगत, श्यामल किशोर सिंह, सुंदरी तिर्की, सुनीत शर्मा, सुरेन राम, सुरजीत नागवाल, सूर्यकांत शुक्ला, तनवीर आलम और विजय यादव शामिल हैं।

संगठन के जमीनी कार्यों के लिए 81 सचिवों की नियुक्ति की गई है। इनमें आभा ओझा, ऐनुल हक, अजय कुमार यादव, अजय शर्मा, अजय सिन्हा मंटू, अकील रहमान, अमित कुमार साहू, अनिल कुमार ओझा, अर्बी खातून, बेबी देवी पासवान, भावना गुप्ता, बीरेंद्र तिवारी, सीपी शांतन, चंदन सिंह, चंद्र भूषण साव, चंद्रशेखर दास, छोटेराय किस्कू, दीपक कुमार लाल, दीपक ओझा, दीपक पासवान, देवीलाल मुर्मू, धनंजय सिंह, धर्मेन्द्र पासवान आदि के नाम प्रमुख हैं।

गोपाल साहू को कमेटी का कोषाध्यक्ष बनाया गया है। इसके अतिरिक्त, पार्टी ने 44 संयुक्त सचिव और 37 पीसीसी कोऑर्डिनेटर्स की भी तैनाती की है। संगठन को चुनावी और रणनीतिक रूप से तैयार करने के लिए पांच विशेष समितियां समन्वय समिति, अभियान समिति, परिसीमन समिति, चुनाव प्रबंधन समिति और एसआईआर समिति भी गठित की गई हैं।

समन्वय समिति में विनीता कुमारी और यशस्विनी सहाय सहित 34 सदस्य रखे गए हैं, जबकि चुनाव प्रबंधन की कमान बन्ना गुप्ता को सौंपी गई है।

परिसीमन समिति में सुबोधकांत सहाय और प्रदीप यादव जैसे वरिष्ठ चेहरों को जगह मिली है।

पंजाब में ड्रग तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़, 12 किलो हेरोइन के साथ 3 गिरफ्तार

चंडीगढ़ । पंजाब में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। अमृतसर काउंटर इंटेलिजेंस की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक अंतरराज्यीय/अंतरराष्ट्रीय लिंक वाले ड्रग तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव ने रविवार को इस कार्रवाई की जानकारी दी।

जानकारी के अनुसार, पुलिस ने जिला तरनतारन के अमृतसर-चबाल रोड स्थित टोल प्लाजा के पास कार्रवाई करते हुए 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से करीब 12 किलो हेरोइन बरामद की गई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करोड़ों रुपए आंकी जा रही है।प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ है कि गिरफ्तार आरोपी पाकिस्तान स्थित एक तस्कर के संपर्क में थे और उसी के निर्देश पर पंजाब में नशीले पदार्थों की सप्लाई कर रहे थे। यह खुलासा इस मामले को और गंभीर बना देता है, क्योंकि इसमें सीमा पार से संचालित नेटवर्क के संकेत मिल रहे हैं।

डीजीपी ने एक्स पोस्ट में लिखा, 'विशिष्ट सूचनाओं पर त्वरित कार्रवाई करते हुए अमृतसर की काउंटर इंटेलिजेंस ने नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाले एक मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और तरनतारन जिले में अमृतसर-चबाल रोड पर टोल प्लाजा के पास से 12 किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई।'

उन्होंने आगे कहा, 'शुरुआती जांच से पता चला है कि आरोपी पाकिस्तान में बैठे एक तस्कर के संपर्क में थे और उसके निर्देशों के अनुसार ही नशीले पदार्थों की आपूर्ति कर रहे थे। अमृतसर के एसएसओसी पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस एक्ट के तहत एक एफआईआर दर्ज कर ली गई है। इस पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश करने के लिए आगे की जांच जारी है, जिसमें इसके आगे और पीछे के सभी संपर्कों को खंगालना भी शामिल है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने बच्चों में मधुमेह पर जारी किया व्यापक मार्गदर्शन दस्तावेज

नई दिल्ली। बाल स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने हाल ही में संपन्न सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा वितरण में सर्वोत्तम प्रथाओं पर राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन में बच्चों में मधुमेह पर मार्गदर्शन दस्तावेज जारी किया।

यह मार्गदर्शन दस्तावेज पहली बार बचपन के मधुमेह की जांच, निदान, उपचार और दीर्घकालिक प्रबंधन के लिए एक संरचित और मानकीकृत राष्ट्रीय ढांचा स्थापित करता है। इस पहल से भारत उन चुनिंदा देशों में शामिल हो जाता है, जिन्होंने बचपन में मधुमेह की देखभाल को सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली में एकीकृत किया है।

इस दस्तावेज का उद्देश्य जन्म से 18 वर्ष तक के सभी बच्चों की सार्वभौमिक जांच सुनिश्चित करना है, जिसमें सामुदायिक और विद्यालय-आधारित प्लेटफार्मों के माध्यम से शीघ्र पहचान शामिल है। संदिग्ध मामलों में तत्काल रक्त शर्करा परीक्षण किया जाएगा, जिसके बाद पुष्टिकरण निदान और उपचार के लिए जिलास्तरीय स्वास्थ्य केंद्रों में समय पर रेफरल किया जाएगा।

इस ढांचे की एक प्रमुख विशेषता सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्रों पर एक व्यापक, निशुल्क देखभाल पैकेज का प्रावधान है। इसमें स्क्रीनिंग, निदान सेवाएं, आजीवन इंसुलिन थेरेपी, ग्लूकोमीटर और टेस्ट स्ट्रिप्स जैसे निगरानी उपकरण और नियमित फॉलोअप देखभाल शामिल हैं।

इस दृष्टिकोण का उद्देश्य वित्तीय बोझ को कम करना और मधुमेह से पीड़ित बच्चों के लिए निर्बाध उपचार सुनिश्चित करना है।

मार्गदर्शन दस्तावेज में एक एकीकृत देखभाल प्रणाली भी प्रस्तुत की गई है, जो सामुदायिक स्तर की स्क्रीनिंग को जिला अस्पताल आधारित प्रबंधन और मेडिकल कॉलेजों में उन्नत देखभाल से जोड़ती है। यह समन्वय सुनिश्चित करता है कि कोई भी बच्चा प्रणाली से वंचित न रह जाए और निदान से लेकर दीर्घकालिक फॉलोअप तक देखभाल निर्बाध रूप से जारी रहे।

शीघ्र निदान को बढ़ावा देने के लिए यह पहल '4टी' जागरूकता ढांचे को प्रोत्साहित करती है। शौचालय, प्यास, थकान और पतलापन - जिससे माता-पिता, शिक्षक और देखभालकर्ता टाइप 1 मधुमेह के शुरुआती चेतावनी संकेतों को पहचान सकें। क्लीनिकल प्रोटोकॉल के अलावा, दस्तावेज परिवार और देखभालकर्ताओं के सशक्तीकरण पर जोर देता है। यह इंसुलिन प्रशासन, रक्त शर्करा निगरानी, आपातकालीन प्रतिक्रिया और दैनिक रोग प्रबंधन पर संरचित प्रशिक्षण प्रदान करता है। इसमें साक्ष्य-आधारित उपचार दिशानिर्देश, नियमित निगरानी कार्यक्रम और जटिलताओं को रोकने के प्रोटोकॉल भी शामिल हैं।

4 मई से 'अग्नि नचतिरम' शुरू, तमिलनाडु में भीषण गर्मी से बढ़ेगी परेशानी

चेन्नई। तमिलनाडु में 4 मई से भीषण गर्मी का चरम शुरू होने वाला है, जिसे 'अग्नि नचतिरम' या 'कथिरी वेयिल' के नाम से जाना जाता है। अधिकारियों के अनुसार, भीषण गर्मी का दौर 28 मई तक जारी रहने की संभावना है।

मौसम विज्ञान विभाग ने इस दौरान राज्य भर में तापमान में तीव्र वृद्धि की चेतावनी दी है, जिससे कई जिलों में लू जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

तमिलनाडु मार्च से ही बढ़ते तापमान की मार झेल रहा है, और पिछले कुछ हफ्तों से इसमें लगातार वृद्धि दर्ज की गई है। मई की शुरुआत के साथ ही गर्मी का प्रभाव और भी बढ़ गया है, खासकर दिन के समय जब लू का स्तर सबसे अधिक होता है।

मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में आंतरिक जिलों में अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। तमिलनाडु के कई हिस्सों में पहले से ही तापमान 38-40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया जा रहा है, जो लंबे समय तक चलने वाली भीषण गर्मी की शुरुआत का संकेत है।'अग्नि नचतिरम' काल को परंपरागत रूप से राज्य में वर्ष का सबसे गर्म समय माना जाता है, जिसमें शुष्क वातावरण और तीव्र सौर विकिरण होता है।

वेल्लोर, तिरुचिरापल्ली, करूर, इरोड और मदुरै जैसे आंतरिक क्षेत्रों में भीषण गर्मी पड़ने की आशंका है, जहां दिन का तापमान अधिक रहेगा और बादल कम छाए रहेंगे। इस बीच, चेन्नई सहित तटीय क्षेत्रों में तापमान अपेक्षाकृत कम रहने की संभावना है, लेकिन उच्च आर्द्रता के कारण मौसम उमस भरा और असहज हो सकता है।

वर्तमान मौसम का मिजाज साफ आसमान और तीव्र सौर ताप से प्रभावित है, जो आमतौर पर महीने के अंत में मानसून पूर्व की बारिश शुरू होने से पहले इस चरण में हावी रहता है। हालांकि, निकट भविष्य में किसी महत्वपूर्ण राहत की संभावना नहीं दिखती।

गर्मी की आशंका को देखते हुए, अधिकारियों ने जनता से आवश्यक सावधानी बरतने का आग्रह करते हुए सलाह जारी की है। लोगों को पर्याप्त मात्रा में पानी पीने, दोपहर के समय घर से बाहर न निकलने और हल्के, ढीले-ढाले कपड़े पहनने की सलाह दी गई है।

गर्मी से होने वाली बीमारियों के प्रति अधिक संवेदनशील बच्चों, बुजुर्गों और पहले से ही किसी बीमारी से ग्रसित लोगों के लिए विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

अधिकारियों ने लंबे समय तक बाहरी गतिविधियों से बचने की भी चेतावनी दी है, विशेष रूप से सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच, जब तापमान अपने चरम पर होता है।

गर्मी का चरम चरण तीन सप्ताह से अधिक समय तक जारी रहने की संभावना है, इसलिए निवासियों से सतर्क रहने और अत्यधिक गर्मी के संपर्क को कम करने के लिए अपनी दिनचर्या की योजना तदनुसार बनाने का आग्रह किया गया है।

ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट इंडो-पैसिफिक में भारत की बढ़ती ताकत और चीन के लिए चुनौती : रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत का महत्वाकांक्षी 'ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट' एक बड़ा इंफ्रास्ट्रक्चर प्लान है, जिसका मकसद देश के सबसे दक्षिणी द्वीप को एक रणनीतिक कमर्शियल और मिलिट्री हब में बदलना है। इसे इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में बड़ा बदलाव लाने वाला कदम माना जा रहा है, खासकर चीन के लिए इसके बड़े असर हो सकते हैं।

भू-राजनीति में कभी-कभी ऐसे मौके आते हैं, जब कोई एक प्रोजेक्ट पूरे इलाके की रणनीति बदल देता है। 'द संडे गार्जियन' में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक, 'ग्रेट निकोबार आइलैंड डेवलपमेंट

प्रोजेक्ट' भी ऐसा ही एक मौका है।

करीब दस बिलियन डॉलर का यह बड़ा प्रोजेक्ट भारत के इस द्वीप को एक बड़े व्यापारिक और सैन्य केंद्र में बदलने की योजना है। इससे इंडो-पैसिफिक में ताकत का संतुलन भी बदल सकता है।

यह द्वीप मलक्का स?ट्रेट के पास स्थित है।

जो दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री रास्तों में से एक है। इस वजह से भारत को यहां से समुद्री व्यापार पर नजर रखने और जरूरत पड़ने पर असर डालने का बड़ा फायदा मिल सकता है। चीन का काफी तेल और व्यापार इसी रास्ते से गुजरता है, इसलिए यह उसकी रणनीति में एक कमजोर कड़ी मानी जाती है, जिसे 'मलक्का डिलेमा' कहा जाता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि ग्रेट निकोबार का विकास भारत को पूर्वी हिंद महासागर में समुद्री ताकत बढ़ाने में मदद करेगा, उसकी सैन्य लॉजिस्टिक्स मजबूत करेगा और सिंगापुर और कोलंबो जैसे विदेशी बंदरगाहों पर निर्भरता कम करेगा। यह प्रोजेक्ट इंडो-पैसिफिक में भारत की मौजूदगी बढ़ाने और चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करने की बड़ी रणनीति का हिस्सा है।

रणनीतिक फायदे के अलावा, यह प्रोजेक्ट आर्थिक रूप से भी काफी फायदेमंद हो सकता है। इससे यह द्वीप एक बड़ा लॉजिस्टिक्स और ट्रेड हब बन सकता है, जहां से वैश्विक शिपिंग ट्रैफिक आकर्षित होगा, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और क्षेत्र में कनेक्टिविटी बेहतर होगी।

'मिशन दृष्टि' का सफल प्रक्षेपण भारत के अंतरिक्ष सुधारों का प्रमाण : उद्योग संगठन

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष संघ ने रविवार को कहा कि मिशन दृष्टि का सफल प्रक्षेपण भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र सुधारों के लिए एक निर्णायक प्रमाण के रूप में कार्य करता है। यह भारत की हर मौसम में पृथ्वी की अंतरिक्ष से निगरानी की दिशा में बड़े कदम के रूप में बदलाव का संकेत भी देता है।

उद्योग जगत के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल एके भट्ट (सेवानिवृत्त) ने कहा कि यह उपलब्धि अंतरिक्ष से पृथ्वी के अवलोकन के प्रति भारत के दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाती है और निजी स्पेस इकोसिस्टम की बढ़ती परिपक्वता को रेखांकित करती है।

उन्होंने कहा कि यह मिशन दर्शाता है कि निजी कंपनियां अब राष्ट्रीय सुरक्षा और आपदा राहत में उपयोग होने वाली महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों को विकसित करने में सक्षम हैं। मिशन दृष्टि के तहत गैलेक्सीआई के पहले उपग्रह का सफल प्रक्षेपण, जो किसी भारतीय निजी कंपनी द्वारा निर्मित अब तक का सबसे बड़ा उपग्रह भी है। पृथ्वी के अवलोकन के प्रति भारत के दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक है।

उन्होंने आगे कहा, 'यह भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र के सुधारों के लिए एक निर्णायक प्रमाण है और

लोकमंगल के लिए था देवर्षि नारद का संवाद : प्रो. संजय द्विवेदी

'स्व' का बोध राष्ट्र के विकास के लिए जरुरी- प्रो.विनय कुमार पाठक

नारद जयंती के अवसर पर विशेष व्याख्यान

कानपुर। भारतीय जन संचार संस्थान के पूर्व महानिदेशक प्रो.संजय द्विवेदी का कहना है कि नारद जी की लोक छवि जैसी बनी और बनाई गई है, वे उससे सर्वथा अलग हैं। उनकी लोक छवि झगड़ा लगाने या कलह पैदा करने वाले व्यक्ति की है, जबकि उनके प्रत्येक संवाद में लोकमंगल की भावना ही है। ईश्वर के दूत के रूप में उनकी आवाजाही और कार्य हमें बताते हैं कि वे निरर्थक संवाद और प्रवास नहीं करते। उन्होंने कहा कि विश्वसनीयता, सतत प्रवास और उद्देश्य की पवित्रता तीन ऐसे गुण हैं जो किसी भी पत्रकार के लिए अनिवार्य हैं।

प्रो.द्विवेदी यहां छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा देवर्षि नारद जी की जयंती के अवसर पर आयोजित विशेष व्याख्यान को आनलाइन संबोधित कर रहे थे। व्याख्यान का विषय था- 'राष्ट्रवादी पत्रकारिता में स्व का बोध', जिसमें पत्रकारिता के मूल्यों, जिम्मेदारियों और राष्ट्र निर्माण में मीडिया की भूमिका पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.विनय कुमार पाठक ने की।

इस मौके पर प्रो.द्विवेदी ने कहा नारद जी देवताओं, राक्षसों और समाज के सब वर्गों से संवाद रखते हैं। सब उन पर भरोसा करते हैं। वे सबके सलाहकार, मित्र, आचार्य और मार्गदर्शक हैं। वे कालातीत हैं। सभी युगों और सभी लोकों में समान भाव से भ्रमण करने वाले। ईश्वर के विषय में जब वे हमें बताते हैं, तो उनका दार्शनिक व्यक्तित्व भी सामने आता है। प्रो.द्विवेदी ने कहा कि नारद जी महान ऋषि परंपरा से आते हैं, किंतु कोई आश्रम नहीं बनाते, कोई मठ नहीं बनाते। वे

सतत प्रवास पर रहते हैं ,उनकी हर यात्रा उदेश्यपरक है। उनका उद्देश्य तो निरंतर संपर्क और संवाद ही है, किंतु वे जो कुछ कहते और करते हैं, उससे लोकमंगल संभव होता है। उनसे सतत संवाद,सतत प्रवास, सतत संपर्क, समाज हित के लिए संचार करने की सीख ग्रहण की जा सकती है। उनका कहना था कि सुंदर दुनिया बनाने के लिए सार्वजनिक संवाद में शुचिता और मूल्यबोध की चेतना आवश्यक है। इससे ही हमारा संवाद लोकहित केंद्रित बनेगा।

कार्यक्रम के अध्यक्ष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने कहा कि देवर्षि नारद को भारतीय परंपरा में प्रथम पत्रकार माना जाता है, जिन्होंने सदैव सत्य और लोकहित को प्राथमिकता दी। ऐसे में उनके आदर्श आज भी पत्रकारिता के छात्रों और पेशेवरों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता के मूल्यों को बचाना ही आज के समय की सबसे बड़ी चुनौती है । अपनी संस्कृति और कर्तव्यों का शाश्वत परिचय ही स्व का बोध है, 'स्व' का बोध राष्ट्र के विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है ।

विभागाध्यक्ष डॉ. दिवाकर अवस्थी ने कहा कि आज का दिन केवल एक पौराणिक जयंती नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रीय पत्रकारिता के मूल्यों और आदर्शों पर आत्ममंथन करने का दिन है। महर्षि नारद जी का जीवन हमें सिखाता है कि सूचना की गति से अधिक उसकी सत्यता और उद्देश्य महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. हरिओम कुमार ने कहा कि वैश्विक पटल पर संवाद करने के लिए नारद संचार मॉडल को स्थापित करने की आवश्यकता है । कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ. ओम शंकर गुप्ता ने कहा कि देवर्षि नारद जी का व्यक्तित्व और उनकी कार्यशैली मीडिया जगत के लिए एक मार्गदर्शक स्तंभ की तरह है। मीडिया छात्रों को नारद संवाद का अध्ययन करना चाहिए ।

अंत में धन्यवाद ज्ञापन विभाग के सह आचार्य डॉ.योगेंद्र कुमार पांडेय ने किया । इस कार्यक्रम में विभाग के सहायक आचार्य डॉ.जितेंद्र डबराल, प्रेम किशोर शुक्ला, सागर कनौजिया समेत कई छात्र -छात्राएं ऑनलाइन माध्यम से जुड़े।ह्य

संक्षिप्त खबरें

छत्तीसगढ़ के पांच सिविल जजों के इस्तीफे पर उठे सवाल

बिलासपुर। विधि विधान कार्य विभाग ने उच्च न्यायालय की सील पर प्रदेश के पांच सिविल जज जूनियर डिवीजन के त्यागपत्र को अप्रैल माह में स्वीकार करते हुए उन्हें कार्यमुक्त करने का आदेश जारी किया है।

बताया जा रहा है कि प्रदेश में धार्मिक सेवा में पांच सिविल जज जूनियर डिवीजन ने व्यक्तिगत कारण से अपने पद से त्याग पत्र दिया था। उच्च न्यायालय ने जांच के बाद पांचों के त्यागपत्र पर विचार करने की विधि एवं विधायी कार्य विभाग से विचार-विमर्श किया।

इसी कड़ी में विधि एवं विदाई कार्य विभाग ने दबीव सिंह सेंगर सिविल जज जूनियर डिवीजन दुर्ग, प्रिय दर्शन गोस्वामी चतुर्थ सिविल जज जूनियर डिवीजन महासमुंद, कुमारी नंदनी पटेल सिविल जज जूनियर डिवीजन रायपुर, कुमारी भामिनी राठी अष्टम सिविल जज जूनियर डिवीजन रायपुर एवं साक्षी गुप्ता प्रथम सिविल जज जूनियर डिवीजन रायपुर के त्यागपत्र को स्वीकार करते हुए उन्हें कार्यमुक्त करने का आदेश जारी किया है। इस तरह 5 सिविल जज जूनियर डिवीजन की बहाली और फिर बहाली को स्वीकार करने के मामले में न्याय जगत में जोरदार चर्चा हो रही है। इन सभी ने अच्छे ही व्यक्तिगत दिग्गजों से रिक्त पद की बात कही है, मगर त्यागपत्र की मूल वजह कुछ और होगी, ऐसे वरिष्ठ प्रतिभाशाली का प्रतिभावान है।

35 साल पहले काफी सस्ती थी जिंदगी

वायरल डायरी में दिखा 1989 के राशन का बिल

रायपुर। सोशल मीडिया पर इन दिनों 1989 की एक डायरी की तस्वीर खूब वायरल हो रही है, जिसने लोगों को पुराने दिनों की सादगी और बेहद कम गरीबी की याद दिला दी है। एक ने अपने दादाजी की डायरी शेयर की है, जिसमें 4 फरवरी 1989 को रिंकू और पिंकू नाम के दो जुड़वाँ के पहले जन्मदिन पर खर्चा का पूरा नाम दर्ज है। आज के दौर में इन दुकान को देखकर हर कोई हैरान है। डायरी के आंकड़ों के अनुसार, उस समय 60 किलो चीनी मात्रा 420 रुपये प्रति किलो थी, जबकि आलू की कीमत प्रति किलो 1 रुपये थी। रसोई के अन्य जरूरी सामान जैसे 2 किलो घी सिर्फ 46 रुपये और 2 किलो नमक सिर्फ 4 रुपये में उपलब्ध था। पाउडर की बात करें तो आधा किलो हल्दी 9 रुपये और 250 ग्राम जीरा 12 रुपये में मिल गई थी। आज के समय से तुलना करें तो 20 से 30 गुना तक की पैकिंग हो चुकी है। यह डायरी न केवल एक परिवार की निजी याद है, बल्कि अस्थिर समय और घनी आबादी का एक जीता-जागता दस्तावेज़ बन गया है।

सुशासन तिहार

बरगद की छांव में मुख्यमंत्री ने लगाई जन जनचौपाल

रायपुर। सुशासन तिहार में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जशपुर जिले के सुदूर वनांचल ग्राम चंदागढ़ में पहुंचकर संवेदनशील और जनकेंद्रित शासन की एक प्रभावशाली झलक प्रस्तुत की। मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर जैसे ही चंदागढ़ में उतरा, ग्रामीणों ने उत्साह और आत्मीयता के साथ उनका भव्य स्वागत किया।

मुख्यमंत्री सीधे पत्थलगांव विकासखंड के ग्राम भैंसामुड़ा पहुंचे, जहां उन्होंने बजरंग बली मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इसके बाद गांव के बीचों-बीच बरगद के विशाल पेड़ की शीतल छांव में जनचौपाल सजी।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सुशासन तिहार 1 मई से 10 जून तक आयोजित किया जा रहा है और इसका उद्देश्य सरकार को जनता के द्वार तक ले जाना है, ताकि समस्याओं का समाधान मौके पर ही किया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज वे जनता की समस्याएं सुनने आए हैं और ग्रामीणों की समस्या का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

उन्होंने ग्रामवासियों से राशन, नमक, शक्कर की उपलब्धता, पेयजल व्यवस्था, बिजली, पटवारी से संबंधित समस्याओं सहित विभिन्न मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली और अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए।

जनचौपाल के दौरान मुख्यमंत्री साय ने 'लखपति दीदी' श्रीमती सुमिला कोरवा और पुष्पलता चौहान से आत्मीय संवाद किया और उनके कार्यों की सराहना की। उन्होंने जाना कि महिला स्व-सहायता

समूह की महिलाएं ईंट निर्माण, किराना दुकान और बीसी सखी जैसे कार्यों के माध्यम से आत्मनिर्भर बन रही हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में अब तक 8 लाख लखपति दीदी बन जा चुकी हैं, जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में यह संख्या 3 करोड़ से अधिक हो चुकी है, जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा परिवर्तन है।

मुख्यमंत्री साय ने ग्राम चंदागढ़ और भैंसामुड़ा के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं करते हुए सामुदायिक भवन निर्माण, मिनी स्टेडियम निर्माण, सीसी रोड निर्माण तथा बच्चों के लिए क्रिकेट किट और यूनिफॉर्म उपलब्ध कराने की घोषणा की। उन्होंने अधिकारियों को सामुदायिक भवन के लिए उपयुक्त स्थल का चयन करने के निर्देश भी दिए। इस दौरान मुख्यमंत्री साय ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी स्थिति का भी जायजा लिया। कलावती चौहान ने बताया कि गांव में महतारी वंदन योजना और प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ सभी पात्र हितग्राहियों को मिल रहा है, जिस पर मुख्यमंत्री ने संतोष व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री साय ने तेंदूपत्ता संग्रहण कार्य की स्थिति की जानकारी ली और चरण पादुका योजना के लाभ के संबंध में भी चर्चा की। उन्होंने बताया कि राज्य में श्री रामलला दर्शन योजना और मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के माध्यम से आमजन को धार्मिक और सामाजिक रूप से जोड़ा जा रहा है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों में स्थापित अटल डिजिटल सुविधा केंद्रों के माध्यम से अब आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र सहित विभिन्न सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध हो रही हैं और ग्रामीणों को ऑनलाइन बैंकिंग एवं अन्य सुविधाओं का भी लाभ मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने जनचौपाल के दौरान ग्रामीणों की मांगों और समस्याओं को गंभीरता से सुना और अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी समस्याओं का प्राथमिकता के साथ समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सुशासन का वास्तविक अर्थ यही है कि शासन की योजनाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और लोगों को उनका लाभ समय पर मिले।

इस अवसर पर विधायक पत्थलगांव श्रीमती गोमती साय, प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, जनसंपर्क आयुक्त रजत बंसल, कलेक्टर रोहित व्यास, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

आदेश का पालन नहीं करने वाले 176 शिक्षक अब तक निलंबित

रायपुर। छत्तीसगढ़ में शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया को खत्म हुए महीनों बीत गए, मगर इसका कहर अब भी बरकरार है। दरअसल जिन शिक्षकों ने नई पदस्थापना पर ज्वाइन नहीं किया है, उनके खिलाफ सीधे निलंबन की कार्रवाई की जा रही है। स्कूल शिक्षा विभाग ने युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया का पालन नहीं करने वाले शिक्षकों के खिलाफ कड़ा कदम उठाया है। विभाग ने राज्यभर में 176 शिक्षकों को निलंबित कर दिया है, जबकि 14 शिक्षकों का वेतन रोक दिया गया है। इसके अलावा कई मामलों में विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है।

सैकड़ों शिक्षकों ने नहीं दी ज्वाइनिंग : शिक्षा विभाग के मुताबिक, 25 अप्रैल तक कुल 15,310 शिक्षकों के स्थानांतरण आदेश जारी किए गए थे, लेकिन इनमें से 303 शिक्षकों ने नई पदस्थापना पर ज्वाइनिंग नहीं दी। विभाग की बार-बार चेतावनी के बावजूद आदेश का पालन नहीं करने पर अब सख्त कार्रवाई की गई है। बड़ी संख्या में शिक्षकों ने इस फैसले को अदालत में चुनौती भी दी है।

निलंबन की सबसे ज्यादा कार्रवाई कांकेर में : जिलों के अनुसार कार्रवाई पर नजर डालें तो कांकेर में सबसे ज्यादा 72 शिक्षकों को निलंबित किया गया है। इसके अलावा कोंडागांव में 23, बलरामपुर में 24 और सुकमा में 9 शिक्षकों पर भी निलंबन की कार्रवाई हुई है। बस्तर, बीजापुर, दुर्ग, रायगढ़ और रायपुर समेत कई जिलों में भी शिक्षक निलंबित किए गए हैं।

शिक्षकों का वेतन भी रोका गया : सरकार ने अनुशासनात्मक कार्रवाई के तहत 14 शिक्षकों का वेतन भी रोक दिया है। इनमें से 12 शिक्षक कोंडागांव जिले के हैं, जबकि अन्य मामलों को उच्च कार्यालयों को भेजा गया है।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला: ईडी की छापेमारी में 53 लाख नकद, 4.86 करोड़ का सोना जब्त

रायपुर। प्रवर्तन निदेशालय ने रविवार को बताया कि कथित 2,800 करोड़ रुपये के छत्तीसगढ़ शराब घोटाले से जुड़े धन शोधन जांच में ताजा तलाशी के दौरान 53 लाख रुपये नकद और 4 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का सोना व बुलियन जब्त किया गया है।

एजेंसी के अनुसार, 30 अप्रैल को रायपुर, दुर्ग, भिलाई (दुर्ग जिला) और बिलासपुर में शराब कारोबारियों, चार्टर्ड अकाउंटेंट, व्यापारियों और कॉरपोरेट संस्थाओं के परिसरों पर छापेमारी की गई।

ईडी ने अपने बयान में कहा कि इन संस्थाओं पर संदेह है कि इन्होंने इस कथित 'घोटाले' से उत्पन्न अपराध की आय को प्राप्त किया, उसका लेन-देन किया, परतों में छिपाया या उसे गुप्त रखा।

तलाशी के दौरान 53 लाख रुपये नकद के अलावा 3.23

किलोग्राम सोने के आभूषण और बुलियन, जिनकी कीमत लगभग 4.86 करोड़ रुपये है, जब्त किए गए। साथ ही 'आपत्तिजनक' दस्तावेज और डिजिटल उपकरण भी बरामद किए गए।

इस मामले में केंद्रीय एजेंसी पहले भी कई चरणों में छापेमारी कर चुकी है और अब तक लगभग 380 करोड़ रुपये की संपत्तियां कुर्क कर चुकी है।

ईडी के अनुसार, छत्तीसगढ़ में यह कथित शराब घोटाला वर्ष 2019 से 2022 के बीच तत्कालीन भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के दौरान संचालित किया गया।

एजेंसी का आरोप है कि वरिष्ठ नौकरशाहों और राजनीतिक व्यक्तियों से जुड़ा एक 'आपराधिक' गिरोह ने राज्य के आबकारी विभाग पर पूरी तरह नियंत्रण कर लिया था, जिससे सरकारी खजाने को भारी नुकसान हुआ। इस मामले में अपराध से अर्जित धनराशि लगभग 2,883 करोड़ रुपये आंकी गई है।

अब तक ईडी छह आरोपपत्र दाखिल कर चुकी है और 81 आरोपियों को नामजद किया है, जिनमें चैतन्य बघेल, आईएएस अधिकारी एवं पूर्व आबकारी आयुक्त निरंजन दास, पूर्व संयुक्त सचिव एवं सेवानिवृत्त आईएएस अनिल टुटेजा, पूर्व आबकारी मंत्री कावासी लखमा और मुख्यमंत्री कार्यालय की पूर्व उप सचिव सौम्या चौरसिया सहित अन्य शामिल हैं।

1इन आरोपियों ने ईडी की कार्यवाही को विभिन्न न्यायालयों, यहां तक कि उच्चतम न्यायालय में भी चुनौती दी है।

कटोरा तालाब का ठग... बेरोजगारों को करोड़ों रुपए का चूना लगाकर फरार

रायपुर। कटोरा तालाब नेताजी चौक पास निवासी युवक हिमांशु शर्मा प्रदेश के भोले भाले युवकों को करोड़ों रुपए का चूना लगाकर फरार हो गया है। फाइनेंस कंपनियों के मकड़जाल में फंस चुके पीड़ित युवक उसके घर का चक्कर लगा रहे हैं लेकिन ना तो वह घर में मिल रहा है न हीं फोन उठा रहा है।

कटोरा तालाब एरिया के सुमित बाजार के सामने अमरानी निवास में तीसरी मंजिल में रहने वाले युवक ने तीन महीने का किराया भी नहीं दिया है। मकान मालकिन आशा अमरानी ने बताया कि 3 महीने किराया दिए बगैर बाहर से मकान को लॉक करके आधी रात को फरार हो गया है। सिविल लाइन थाना पुलिस को इस सम्बन्ध में लिखित शिकायत की गई है। कुछ पीड़ितों ने पुलिस कमिश्नर संजीव शुक्ला से मिलकर लिखित में शिकायत दर्ज कराते हुए आरोपी को पकड़ने की मांग की है।

युवाओं से करोड़ों करोड़ों रुपए की ठगी करने वाले हिमांशु शर्मा ने प्रदेश के भोले भाले युवकों को अपनी बातों के जाल में फसाया उसने शेयर ट्रेडिंग में लाखों की कमाई का लालच दिलाते हुए प्रदेश की युवाओं को निजी बैंकों और फाइनेंस कंपनियों से बातों उलझा कर धोखाधड़ी कर उनके नाम पर लाखों रुपए लोन ले लिए और खुद डकार गया। निजी बैंकों

और फाइनेंस कर्मचारियों के एजेंट से मिली भगत कर पहले ही लोन के कागजात तैयार करके रख रहता था और सिविल स्कोर चेक करना है बोलकर युवाओं से साइन ले लेता था फिर लोन निकाल कर खुद ही रख लेता था। हिमांशु शर्मा ने प्रदेश की युवाओं के नाम से मंहगे आईफोन, फ्रिज , एसी फाइनेंस कराकर उन्हें खुद रख लिया और दूसरे दिन बेचकर लाखों रुपए जमा कर लिए। उसने कई लोगों के नाम पर लाखों का पर्सनल लोन लिया और खुद पैसा रख लिया।

'एक हस्ताक्षर मुख्यमंत्री के नाम' अभियान में 12500 अनियमित कर्मचारियों ने लिया हिस्सा

रायपुर। नियमितीकरण सहित विभिन्न मांगों के लिए 10 से 30 अप्रैल तक 'एक हस्ताक्षर मुख्यमंत्री के नाम' अभियान चलाया गया। इस अभियान से लगभग 12500 अनियमित कर्मचारियों ने लिया हिस्सा लिया और अपना अनुरोध माननीय मुख्यमंत्री को प्रेषित किया। गोपाल प्रसाद साहू प्रदेश अध्यक्ष में कहा की छत्तीसगढ़ प्रगतिशील अनियमित कर्मचारी फेडरेशन माननीय मुख्यमंत्री जी से मिलने हेतु मुख्यमंत्री कार्यालय को अनुरोध पत्र प्रेषित किया है। मुलाकात होने पर समस्त ज्ञापन सौंपा जाएगा। युगल किशोर साहू ने बताया कि प्रदेश के अनियमित कर्मचारी आगामी समयों में अपनी क्रमबद्ध आन्दोलन को जारी रखते हुए सुशासन तिहार कार्यक्रम में, सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी बातों को सरकार के समक्ष रखेगा एवं सहयोगी अनियमित कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों की बैठक शीघ्र आयोजित कर आगामी कार्यक्रमों पर शीघ्र फैसला लिया जाएगा। प्रेम प्रकाश गजेन्द्र कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि साय सरकार की सवा दो साल में छत्तीसगढ़ प्रदेश के शासकीय कार्यालयों में कार्यरत अनियमित कर्मचारियों जैसे-आउटसोर्सिंग (प्लेसमेंट), सेवा प्रदाता, ठेका, समूह/समिति के माध्यम से नियोजन, जॉबदर, संविदा, दैनिक वेतनभोगी, कलेक्टर दर, श्रमायुक्त दर पर कार्यरत श्रमिक, मानदेय, अशंकालिक के लिए किसी प्रकार किसी प्रकार की घोषणा नहीं होने से निराश एवं आहात है।

आईईडी ब्लास्ट में शहीद 4 जवानों को अंतिम विदाई

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर-नारायणपुर सीमा पर शनिवार को आईईडी ब्लास्ट में डीआरजी के 4 जवान शहीद हो गए. उन चार शहीद को नारायणपुर पुलिस लाइन में गार्ड ऑफ ऑनर अंतिम विदाई दी गई।

सर्च ऑपरेशन पर निकले थे जवान

बता दें कि शनिवार 2 मई को डीआरजी की टीम छोटी बेतिया थाना क्षेत्र में सर्चिंग अभियान पर रवाना किया गया था। इस दौरान प्लांट आईईडी की खोज किया जा रहा था, तभी हुए एक जोरदार ब्लास्ट में कृष्णा युवा इंस्पेक्टर सुखराम वट्टी, कॉन्स्टेबल कोमरा, कॉन्स्टेबल संजय गढ़पाले शहीद हो गए। वहीं 1 घायल युवा कॉन्स्टेबल परमानंद कोरम को एयर ट्रायल कर रायपुर अस्पताल में लाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

शहीद सोलोमन को अंतिम विदाई विदाई जनसैलाब

रविवार को शहीद जुलूस के पार्थिव शरीर को नारायणपुर पुलिस लाइन में लाया गया, जहां तिरंगे में शहीद के अंतिम शव को देखने के लिए जनसैलाब उमड़ पड़ा। सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। वहीं पुलिस और सुरक्षा बलों ने मृतक के पार्थिव शरीर को उनके गृह ग्रामों के लिए लेकर पहुंचे, जहां राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया।

राजधानी में पत्रकार पर जानलेवा हमला

रायपुर। राजधानी रायपुर में गोलबाजार थाना इलाके में पत्रकार पर हमले की एक गंभीर घटना सामने आई है, जिसमें एक युवक द्वारा कथित रूप से पैसे की मांग करते हुए मारपीट की गई। इस हमले में पत्रकार शांतनु रॉय गंभीर रूप से घायल हो गए हैं और उनका इलाज अस्पताल में जारी है। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी बजरंग चौहान को गिरफ्तार कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़ित के बड़े भाई, जो विधानसभा क्षेत्र स्थित एक संस्थान में बायो मेडिकल इंजीनियर के पद पर कार्यरत हैं, ने घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि उनका छोटा भाई शांतनु रॉय पत्रकारिता के क्षेत्र में कार्यरत है। घटना दिनांक 2 मई 2026 की रात की है, जब शांतनु अपना काम खत्म कर तेलीबांधा

स्थित प्रेस कार्यालय से मोटरसाइकिल से अपने घर कोटा लौट रहा था। रात करीब 1:00 से 1:30 बजे के बीच जब वह जी.ई. रोड पर कुसुमताई दाबके स्कूल के सामने पहुंचा, तभी आगे चल रहे एक साइकिल रिक्शा चालक ने अचानक दाहिने ओर मोड़ लिया। इससे संतुलन बिगड़ने पर शांतनु की बाइक रिक्शा से टकरा गई। घटना के बाद मौके पर आसपास के लोग इकट्ठा हो गए, हालांकि रिक्शा चालक और उसमें बैठे सवारी बिना किसी विवाद के वहां से चले गए।

इसी दौरान भीड़ में मौजूद एक व्यक्ति, जिसकी पहचान बजरंग चौहान के रूप में हुई, ने स्थिति का फायदा उठाते हुए शांतनु को रोक लिया। बताया जा रहा है कि आरोपी बजरंग चौहान फुलचौक क्षेत्र का निवासी है और उसने शांतनु से कहा कि यदि वह मामले को 'सेटल' करना चाहता है तो उसे 10,000 रुपये देने होंगे। आरोपी ने कथित रूप से जबरन पैसे की मांग करते हुए धमकी भी दी।

6,000 लोगों ने भुजंगासन कर एशिया रिकॉर्ड बनाया

रायपुर। मोतियों की नगरी हैदराबाद में योग महोत्सव के उपलक्ष्य में एक भव्य आयोजन हुआ जिसमें हजारों उत्साही लोग एकत्रित हुए। यह आयोजन अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के मुख्य आयोजन से 50 दिन पहले के कार्यक्रम से जुड़ा था। आयुष मंत्रालय के अधीन मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई) द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम शांत आध्यात्मिक केंद्र, कान्हा शांति वनम में हुआ।

कान्हा शांति वनम में 6000 से अधिक प्रतिभागियों ने एक साथ भुजंगासन का अभ्यास किया जिससे एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड बना और यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि साबित हुई क्योंकि इस आयोजन को एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में एक साथ आसन करने वाले सबसे बड़े समूह के रूप में दर्ज किया गया। यह योग

के माध्यम से प्रचारित सामूहिक भागीदारी और साझा कल्याण की भावना को दर्शाता है।

इस कार्यक्रम में केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी उपस्थित थे। रेड्डी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, 'योग केवल भारत की प्राचीन विरासत ही नहीं, बल्कि मानवता के लिए एक अनमोल उपहार है। विश्वभर में नेता, पेशेवर और आम लोग योग का अभ्यास करते हैं और इससे लाभ उठाते हैं।'

उन्होंने राष्ट्र निर्माण में योग की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा, 'भारत को 2047 तक विकसित भारत बनने के लिए एक स्वस्थ, शांतिपूर्ण और अनुशासित समाज का निर्माण करना होगा। योग तनाव, अस्वस्थ जीवनशैली और प्रदूषण जैसी आधुनिक चुनौतियों का व्यावहारिक और किफायती समाधान प्रदान करता है।' उन्होंने कहा कि हैदराबाद, पहले से ही नवाचार और प्रौद्योगिकी के लिए विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त है और अब उसे योग और समग्र स्वास्थ्य के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में भी उभरना चाहिए।

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में योग समग्र कल्याण के लिए एक वैश्विक आंदोलन के रूप में विकसित हुआ है जो शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक स्पष्टता और भावनात्मक संतुलन को बढ़ावा देता है।' स्वास्थ्य और कल्याण पर्यटन में भारत की बढ़ती भूमिका पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि योग ने समग्र स्वास्थ्य और कल्याण के वैश्विक केंद्र के रूप में भारत की पहचान को मजबूत किया है।

ओडिशा में हशीश तेल निर्माण इकाई का भंडाफोड़, 100 करोड़ रुपए मूल्य के रसायन जब्त

भुवनेश्वर। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि ओडिशा के मलकानगिरी पुलिस ने रविवार को एक हशीश तेल की मोबाइल निर्माण इकाई का भंडाफोड़ किया और लगभग 800 लीटर रसायन और विलायक जब्त किए, जिनका उपयोग अत्यधिक शक्तिशाली हशीश तेल के निर्माण में किया जाता है।

इस जब्ती के बाद, मलकानगिरी पुलिस ने बताया कि रविवार को जब्त किए गए रसायनों की मात्रा से लगभग 100 करोड़ रुपए के अनुमानित बाजार मूल्य का तैयार हशीश तेल प्राप्त किया जा सकता है।

पिछले कुछ दिनों से मलकानगिरी पुलिस को खुफिया जानकारी मिल रही थी कि जिले के चित्रकोंडा इलाके में हशीश के तेल के निर्माण की एक इकाई चल रही है। सूचना मिलते ही पुलिस टीमों ने संदिग्ध स्थानों की निगरानी और सत्यापन शुरू कर दिया। इसके बाद अवैध निर्माण इकाई का पता लगाने और उसे नष्ट करने के लिए पूरे इलाके में कई छापे मारे गए। इन अभियानों के दौरान, जिला पुलिस ने निर्माण इकाइयों को नष्ट करने के लिए दूरदराज और वन क्षेत्रों में तलाशी अभियान तेज कर दिया। हालांकि, पुलिस के भारी दबाव के कारण, गिरोह के सदस्य पकड़े जाने से बचने के लिए पूरे सेटअप को अलग-अलग स्थानों पर ले जा रहे थे।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने आगे बताया कि अंततः, 3 मई की सुबह, एसडीपीओ चित्रकोंडा प्रदोश प्रधान के नेतृत्व में, मलकानगिरी पुलिस ने चित्रकोंडा पुलिस स्टेशन के अंतर्गत एस्सार चौक के पास, जिले के सिलेरू क्षेत्र की ओर जा रहे एक वाहन का भंडाफोड़ किया, जिसमें एक संपूर्ण गुप्त हशीश तेल निर्माण इकाई ले जाई जा रही थी।

सामग्री जब्त करने के अलावा, पुलिस ने फर्जी पंजीकरण संख्या वाली एक गाड़ी (एपी पंजीकृत) भी जब्त की, जिसका इस्तेमाल सामग्री परिवहन के लिए किया जा रहा था। इस गाड़ी के साथ 50 किलोग्राम गांजा और दो लीटर हशीश का तेल भी जब्त किया गया। हालांकि, गाड़ी का चालक दुर्गम इलाके का फायदा उठाकर घने जंगल में भागने में कामयाब रहा।

मलकानगिरी जिले के पुलिस अधीक्षक ने फरार ड्राइवर को पकड़ने, अवैध गतिविधियों में शामिल अन्य गिरोह के सदस्यों के बारे में जानकारी जुटाने और रविवार को जब्त किए गए वाहन का विवरण प्राप्त करने के लिए कई विशेष टीमें गठित की हैं।

यूएई ने अपने एयरस्पेस में सभी पाबंदियां हटाईं, भारतीय विमान कंपनियां भर पाएंगी अधिक उड़ान

नई दिल्ली। मध्यपूर्व के देश संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने अपने एयरस्पेस में लगी सभी अस्थायी पाबंदियों को हटा दिया है और विमान ऑपरेशन को दोबारा से सामान्य कर दिया है। इससे भारतीय और यूएई की विमान कंपनियां भारत के लिए पहले के मुकाबले अधिक उड़ान भर पाएंगे। यह जानकारी रविवार को विदेश मंत्रालय द्वारा दी गई।

यह दिखाता है कि मध्य पूर्व में स्थिति अब सामान्य हो रही है और पूरे रीजन से भारत के विभिन्न शहरों के लिए विमान उड़ान भर रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि सऊदी अरब और ओमान के विभिन्न हवाई अड्डों से भारत के विभिन्न गंतव्यों के लिए उड़ानें जारी हैं। कतर का एयरस्पेस आंशिक रूप से खुला है। एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस, इंडिगो और कतर एयरवेज कतर से भारत के विभिन्न गंतव्यों के लिए उड़ानें संचालित कर रही हैं। कुवैत का भी एयरस्पेस खुला है। जजीरा एयरवेज और कुवैत एयरवेज कुवैत से भारत के लिए उड़ानें संचालित कर रही हैं। इसी तरह, बहरीन का एयरस्पेस भी खुला है। एयर इंडिया एक्सप्रेस, इंडिगो और गल्फ एयर बहरीन से भारत के विभिन्न गंतव्यों के लिए उड़ानें संचालित कर रही हैं। इराक का हवाई क्षेत्र सीमित उड़ानों के लिए खुला है, जो क्षेत्रीय गंतव्यों तक जाती हैं और जिनका उपयोग भारत जाने के लिए किया जा सकता है। ईरान का हवाई क्षेत्र भी मालवाहक और चार्टर्ड उड़ानों के लिए आंशिक रूप से खुला है। मंत्रालय ने भारतीय नागरिकों को ईरान की यात्रा से बचने की सलाह दी है और वहां पहले से मौजूद लोगों से दूतावास के सहयोग से जमीनी सीमा मार्गों से निकलने का आग्रह किया है।

गोल्फः एमसीबी लेडीज क्लासिक मॉरीशस में दीक्षा डागर की दावेदारी मजबूत

पोर्ट लुइस (मॉरीशस)। एमसीबी लेडीज क्लासिक मॉरीशस में भारत की दीक्षा डागर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी दावेदारी मजबूती कर ली है। लेडीज यूरोपियन टूर (एलईटी) की दो बार की विजेता डागर ने अपने शुरुआती राउंड के 68 स्कोर के बाद, बिना किसी गलती के 3-अंडर 69 का स्कोर बनाया। इस तरह दो राउंड के बाद उनका कुल स्कोर 7-अंडर-पार हो गया।

दीक्षा डागर के बोगी-फ्री प्रदर्शन ने उन्हें चौथे स्थान पर बराबरी पर ला खड़ा किया। वह संयुक्त लीडर्स डेनमार्क की स्मिला टार्निंग सोंडरबी, जर्मनी की सेलिना सैटेलकाऊ और साउथ अफ्रीका की कैसेंड्रा अलेक्जेंडर से सिर्फ दो स्ट्रोक पीछे थीं। ये सभी लीडर्स 9-अंडर-पार पर थीं।

इस हफ्ते मुकबला कर रहीं चार भारतीय गोल्फर्स में से तीन ने कट पार करके अगले राउंड में जगह बनाई। डागर के साथ-साथ हिताशी बख्शी और त्वेसा मलिक ने भी फाइनल राउंड में अपनी जगह पक्की की। बख्शी ने 71 और 69 के राउंड खेले। वह 19वें स्थान पर बराबरी पर रहीं, जबकि मलिक ने 70 और 71 का स्कोर बनाया और 26वें स्थान में बराबरी पर रहीं। हालांकि, वाणी कपूर 78 और 77 के राउंड खेलने के बाद अगले राउंड में नहीं पहुंच सकीं।

डागर की हालिया फॉर्म से पता चलता है कि वह धीरे-धीरे अपने बेहतरीन प्रदर्शन की ओर लौट रही हैं। विमेंस साउथ अफ्रीकन ओपन में 37वें स्थान में बराबरी पर रहने और उससे पहले दो बार कट से बाहर होने के बाद, ऐसा लग रहा है कि वह आने वाले हीरो विमेंस इंडियन ओपन के लिए ठीक समय पर अपनी लय हासिल कर रही हैं। उनके दूसरे राउंड में छठे, 10वें और 12वें होल पर बर्डी शामिल थीं, जिससे उनके नियंत्रण और सटीकता का पता चलता है। अपनी सनशाइन लेडीज टूर की सदस्यता के जरिए मुकाबला कर रहीं मलिक ने तीन बर्डी तो बनाईं, लेकिन अपने राउंड के दौरान दो बोगी भी कर दीं। लीडर्स में, सोंडरबी ने जोरदार शुरुआत की, पहले नौ होल्स में 6-अंडर पर रहीं, लेकिन अगले नौ होल्स में मुश्किलों का सामना करना पड़ा और उन्होंने 69 के स्कोर के साथ खेल खत्म किया।

सैटेलकाऊ ने पहले राउंड के 68 के स्कोर के बाद दूसरे राउंड में शानदार 67 का कार्ड खेला, जिसमें उन्होंने पांच बर्डी लगाईं। वहीं, अलेक्जेंडर ने भी 67 का स्कोर किया। उन्होंने एक डबल बोगी की भरपाई सात बर्डी के दम पर की और संयुक्त रूप से शीर्ष स्थान पर पहुंच गईं। प्रतियोगिता में मुकाबला बेहद रोमांचक बना हुआ है। दीक्षा समेत सात खिलाड़ी लीडर्स से सिर्फ दो शॉट पीछे 7-अंडर-पार के स्कोर पर मौजूद हैं। कुल 75 खिलाड़ियों ने +1 के स्कोर पर कट हासिल किया। खास बात यह है कि 18 गोल्फर फाइनल राउंड में लीड से चार शॉट्स के अंदर हैं। सब कुछ दांव पर लगे होने के साथ, मॉरीशस में एक रोमांचक फिनिश के लिए मंच तैयार है, जहां डागर और उनके साथी खिलाड़ी लीड के अंतर को कम करने और खिताब के लिए चुनौती देने का लक्ष्य लेकर उतरेंगे।

सोशल मीडिया पर 'बिजली संकट' का दावा भ्रामक, पीआईबी फैक्ट चेक ने किया खंडन

नई दिल्ली। कोयले की कमी के कारण भारत गंभीर बिजली संकट और ग्रिड फेलियर का सामना कर रहा है। पीआईबी फैक्ट चेक ने रविवार को सोशल मीडिया पर फैल रही इस खबर को सिरे से खारिज किया है।

पीआईबी फैक्ट चेक ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर एक पोस्ट में यह स्पष्ट किया है कि भारत में न तो कोई बिजली संकट है और न ही ग्रिड फेल होने जैसी स्थिति बनी है।

दरअसल, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर एक पोस्ट वायरल हो रहा है जिसमें दावा किया गया है कि कोयले की कमी के कारण देश गंभीर बिजली संकट और ग्रिड फेलियर का सामना कर रहा है। इस दावे को भ्रामक बताते हुए एजेंसी ने कहा कि यह केवल लोगों में अनावश्यक घबराहट फैलाने की कोशिश है।

एजेंसी ने बताया कि 2 मई 2026 को देश में अधिकतम बिजली की मांग 229 गीगावॉट (जीडब्ल्यू) दर्ज की गई थी, जिसे पूरी तरह से पूरा किया गया। इस दौरान कहीं भी बिजली की कमी की स्थिति नहीं बनी। इसके अलावा, थर्मल पावर प्लांट्स के पास वर्तमान में कुल 53.702 मिलियन टन कोयला उपलब्ध है, जो जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त है।

पीआईबी फैक्ट चेक ने यह भी कहा कि देश में बिजली की उपलब्धता पूरी तरह संतोषजनक है और ग्रिड संचालन तथा वितरण पूर्व निर्धारित योजनाओं के अनुसार सुचारू रूप से किया जा रहा है। ग्रिड सुरक्षा को लेकर भी एजेंसी ने भरोसा दिलाया है कि मौजूदा फ्रीक्वेंसी कंट्रोल डिफेंस मैकेनिज्म पर्याप्त ऑपरेशनल मार्जिन प्रदान करते हैं, जिससे ग्रिड का संचालन सुरक्षित बना हुआ है।

पोस्ट में आगे कहा गया कि इस तरह की भ्रामक खबरों पर ध्यान न दें और यदि उन्हें भारत सरकार से संबंधित कोई संदिग्ध या भ्रामक जानकारी मिलती है तो तुरंत इसकी सूचना दें। इसके लिए पीआईबी फैक्ट चेक ने व्हाट्सएप नंबर और ईमेल आईडी भी साझा किया है।

झारखंड कांग्रेस की 'पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी' का गठन, 36 दिग्गजों को मिली जगह

रांची। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने झारखंड में संगठन को मजबूती देने के लिए प्रदेशस्तरीय 'पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी' के गठन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव केसी वेणुगोपाल द्वारा जारी एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह समिति तत्काल प्रभाव से कार्यभार संभालेगी। इस नवगठित समिति में कुल 34 सदस्यों को शामिल किया गया है, जिसमें राज्य के दिग्गज नेताओं के साथ-साथ जमीनी स्तर पर सक्रिय चेहरों को प्राथमिकता दी गई है। समिति की सूची में प्रमुख नामों में प्रदेश प्रभारी के. राजू, प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, पूर्व मंत्री आलमगीर आलम, और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रामेश्वर उरांव के अलावा मंत्री राधाकृष्ण किशोर, डॉ. इरफान अंसारी, शिल्पी नेहा तिर्की, दीपिका पांडेय सिंह, राज्य के पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता और वरिष्ठ नेता सुबोधकांत सहाय को भी इस महत्वपूर्ण नीति-निर्धारक इकाई में स्थान दिया गया है। जिन विधायकों को इस कमेटी में स्थान दिया गया है, उनमें भूषण बाड़ा, ममता देवी, कुमार जयमंगल, नमन विक्सल कोंगाड़ी, प्रदीप यादव, राजेश कच्छप और सुरेश बैठा शामिल हैं।

एक दिन में लगभग 47 लाख घरेलू एलपीजी सिलेंडर वितरित किए गए : केंद्र

नई दिल्ली। शनिवार को देशभर में लगभग 47 लाख घरेलू एलपीजी सिलेंडर वितरित किए गए, जिससे यह संकेत मिलता है कि पश्चिम एशिया में सैन्य संघर्ष और उसके बाद होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकाबंदी के बावजूद गैस आपूर्ति में कोई कमी या व्यवधान नहीं है।

पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, शनिवार को उद्योग के आधार पर ऑनलाइन एलपीजी सिलेंडर बुकिंग में 99 प्रतिशत की वृद्धि हुई और लगभग 47.4 लाख एलपीजी सिलेंडरों की बुकिंग के मुकाबले लगभग 47 लाख घरेलू एलपीजी सिलेंडर वितरित किए गए। मंत्रालय ने यह भी कहा कि एलपीजी वितरकों में किसी भी प्रकार की कमी की सूचना नहीं मिली है।

सरकार ने यह भी आश्वासन दिया है कि पश्चिम एशिया में बदलती स्थिति के बीच ऊर्जा आपूर्ति, समुद्री संचालन और भारतीय नागरिकों को सहायता सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रयास और उपाय किए जा रहे हैं।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने सूचित किया कि एलपीजी की जमाखोरी और कालाबाजारी पर अंकुश लगाने के लिए देशभर में प्रवर्तन कार्रवाई जारी है। सरकारी विज्ञप्ति में कहा गया कि कल तक देशभर में 1,900 से अधिक छापे मारे गए। इसमें यह भी बताया गया है कि इस वर्ष मार्च से अब तक लगभग 6.04 लाख पीएनजी कनेक्शनों को गैसीफाइड किया जा चुका है और अतिरिक्त 2.68 लाख कनेक्शनों के लिए बुनियादी ढांचा तैयार किया गया है, जिससे कुल कनेक्शनों की संख्या 8.72 लाख हो गई है।

मंत्रालय ने जानकारी देते हुए बताया कि 3 अप्रैल से, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों ने 10,100 से अधिक जागरूकता शिविर आयोजित किए हैं, जिनमें लगभग 1.75 लाख 5 किलोग्राम एफटीएल सिलेंडर बेचे गए हैं।

चीन ने ईरानी तेल से संबंधित पांच चीनी कंपनियों पर अमेरिकी प्रतिबंध लगाने से रोकने के लिए निषेधाज्ञा जारी की

बीजिंग। 2 मई को चीनी वाणिज्य मंत्रालय ने पांच कंपनियों - हेंगली पेट्रोकेमिकल (तालिएन) रिफाइनिंग कंपनी लिमिटेड, शानतुंग शौक्वांग लुछिंग पेट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटेड, शानतुंग चिंछेंग पेट्रोकेमिकल ग्रुप कंपनी लिमिटेड, हपेई शिन्हाई केमिकल ग्रुप कंपनी लिमिटेड और शानतुंग शेंगशिंग केमिकल कंपनी लिमिटेड - पर अमेरिकी प्रतिबंधों को रोकने के लिए एक निषेधाज्ञा जारी की।

इन कंपनियों पर ईरानी तेल लेनदेन में संलिप्तता के लिए प्रतिबंध लगाए गए थे। इन प्रतिबंधों में कंपनियों को विशेष रूप से नामित नागरिकों की सूची (एसडीएन सूची) में डालना, उनकी संपत्तियों को फ्रीज करना और उन्हें व्यापार करने से रोकना शामिल था।

वाणिज्य मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने उस दिन जवाब देते हुए कहा कि 2025 से, संयुक्त राज्य अमेरिका ने अन्य देशों पर प्रतिबंध लगाने वाले अपने कार्यकारी आदेशों के आधार पर, उपर्युक्त पांच कंपनियों और अन्य चीनी उद्यमों को 'विशेष रूप से नामित नागरिकों की सूची' (एसडीएन सूची) में डाल दिया है और ईरानी तेल लेनदेन में उनकी भागीदारी का हवाला देते हुए उन पर संपत्ति जब्त करने और लेनदेन पर प्रतिबंध जैसे प्रतिबंध लगाए हैं। ये प्रतिबंध अनुचित रूप से चीनी उद्यमों को तीसरे देशों (क्षेत्रों) और उनके नागरिकों, कानूनी संस्थाओं या अन्य संगठनों के साथ सामान्य आर्थिक और व्यापारिक गतिविधियों को संचालित करने से रोकते हैं या प्रतिबंधित करते हैं, जो अंतरराष्ट्रीय कानून और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के बुनियादी मानदंडों का उल्लंघन है।

केंद्र ने आधार कार्ड डिजाइन में बदलाव के दावे को किया खारिज, वायरल पोस्ट को बताया भ्रामक

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने रविवार को उन रिपोर्ट्स को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया कि आधार कार्ड्स के एक आसान फॉर्मेट को जल्द ही शुरू किया जाएगा और उसमें केवल फोटोग्राफ एवं क्यूआर दिया गया होगा।

केंद्र ने इस पर स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा कि ऐसा कोई भी प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है और साथ ही, इस तरह के दावों को भ्रामक बताया।

इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि आधार के फॉर्मेट में बदलाव से संबंधित समाचार और सोशल मीडिया पोस्ट गलत हैं और जनता के बीच अनावश्यक भ्रम पैदा कर रहे हैं। मंत्रालय ने कहा, 'बीच-बीच में ऐसी खबरें और सोशल मीडिया पोस्ट आ रही हैं जिनमें बताया जा रहा है कि इस साल के अंत तक आधार का स्वरूप बदलकर सिर्फ एक फोटो और एक क्यूआर कोड रह जाएगा। यह सही नहीं है। इस तरह के किसी भी बदलाव की कोई योजना नहीं है।'

मंत्रालय ने आगे कहा, 'ऐसी खबरें और सोशल मीडिया पोस्ट लोगों के मन में अनावश्यक भ्रम पैदा कर रही हैं।' मंत्रालय ने लोगों को सलाह दी है कि वे केवल भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) द्वारा सत्यापित चैनलों और पीआईबी के माध्यम से जारी प्रेस विज्ञप्तियों के माध्यम से दी गई आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करें और मीडिया संस्थानों से आग्रह किया है कि वे अपुष्ट सूचनाओं को बढ़ावा न दें।

यह स्पष्टीकरण ऑनलाइन फैल रही उन अफवाहों के बीच आया है कि आधार कार्ड में जल्द ही एक बड़ा बदलाव हो सकता है। सरकार ने दोहराया कि ऐसा कोई निर्णय नहीं लिया गया है और नागरिकों से भ्रामक पोस्टों को नजरअंदाज करने का आग्रह किया है। यह बयान आधार के विशाल आकार और महत्व को देखते हुए महत्वपूर्ण है, जो दुनिया की सबसे बड़ी बायोमेट्रिक पहचान प्रणाली बन गई है।

खालिस्तानी चरमपंथ से कनाडा को खतरा, विदेशी दखल पर सुरक्षा एजेंसी की नजर

ओटावा। कनाडा की खुफिया एजेंसी कनाडाई सुरक्षा खुफिया सेवा (सीएसआईएस) ने अपनी नवीनतम सार्वजनिक रिपोर्ट में खालिस्तानी तत्वों को एक हिंसक चरमपंथी खतरे के रूप में चिन्हित किया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कनाडा में मौजूद खालिस्तानी चरमपंथियों का एक छोटा लेकिन सक्रिय समूह देश को अपने आधार के रूप में इस्तेमाल कर रहा है, जहां से वे प्रचार, फंड जुटाने और हिंसक गतिविधियों की योजना बनाते हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि ये लोग सामुदायिक संस्थानों का दुरुपयोग कर धन जुटाते हैं, जिसका इस्तेमाल हिंसक गतिविधियों में किया जाता है। हालांकि, पिछले वर्ष कनाडा में इस तरह का कोई हमला नहीं हुआ, लेकिन रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि उनकी गतिविधियां राष्ट्रीय सुरक्षा और कनाडाई हितों के लिए खतरा बनी हुई हैं।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि विदेशी दखल कनाडा की राजनीति में काफी आक्रामक और चालाक तरीके से जारी है। इसमें मुख्य तौर पर चीन, रूस, ईरान और पाकिस्तान शामिल हैं। ये देश अलग-अलग तरीकों से कनाडा की संस्थाओं को कमजोर करने, लोगों की सोच को प्रभावित करने और लोकतांत्रिक सिस्टम में भरोसा कम करने की कोशिश करते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, चीन की खुफिया एजेंसियां अब नए तरीके अपनाते हुए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर फर्जी कंपनियों के जरिए नौकरी के विज्ञापन डालकर ऐसे लोगों को निशाना बना रही हैं, जिनके पास संवेदनशील या गोपनीय जानकारी तक पहुंच है। खासकर उन लोगों को टारगेट किया जाता है जो आर्थिक परेशानी में हों या करियर में आगे बढ़ना चाहते हों। वहीं, रूस सोशल मीडिया, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और गलत सूचना अभियानों के जरिए समाज में विभाजन पैदा करने की कोशिश करता है।

संपादकीय

बारात, संस्कार और बदलता समाज

डॉ. प्रियंका सौरभ

एक समय था जब बारात का आना केवल एक परिवार का दूसरे परिवार तक पहुँचना नहीं, बल्कि पूरे गाँव का उत्सव माना जाता था। घर-आँगन सजते थे, पंगत लगती थी, गीत गाए जाते थे, बुज़ुर्ग आशीर्वाद देते थे और मेहमानों की आवभगत को सम्मान का प्रश्न समझा जाता था। आज वही बारात कई जगहों पर समय की घड़ी में इतनी सिमट गई है कि पूरा आयोजन 'फटाफट जाओ, गटागट खाओ, सटासट लिफाफा पकड़ाओ और झटाझट वापस आओ' की शैली में बदलता दिखता है। यह बदलाव केवल खानपान या आयोजन की शैली का नहीं है; यह सामाजिक संबंधों, सामूहिकता और भारतीय विवाह-संस्कृति की आत्मा में आए परिवर्तन का संकेत है। पहले विवाह एक लंबी सामाजिक प्रक्रिया हुआ करती थी, जिसमें रिश्ते बनते थे, पड़ोस जुड़ता था और संस्कार पीढ़ी-दर-पीढ़ी स्थानांतरित होते थे। अब बहुत-सी शादियाँ एक दिन के कार्यक्रम, होटल या गेस्ट हाउस और सीमित औपचारिकताओं में पूरी हो जाती हैं, जिससे परंपरा का विस्तार सिकुड़कर रस्म-अदायगी में बदलने लगा है।

भारतीय विवाह केवल दो व्यक्तियों का निजी समझौता नहीं रहा है; वह हमेशा से परिवार, समुदाय और संस्कृति का साझा आयोजन रहा है। ग्रामीण समाज में बारात का अर्थ था मेहमानों का खुला स्वागत, सामूहिक भोजन, लोकगीत, हँसी-मज़ाक और रिश्तों की गरिमा का सार्वजनिक प्रदर्शन। भोजन का पंगत में परोसा जाना, दूल्हे का पारंपरिक वेश, समधी

की पगड़ी, घर के आँगन में बनी अस्थायी सजावट और रात भर का ठहराव—ये सब विवाह को संस्कार बनाते थे, साधारण समारोह नहीं।

इसी सामाजिक ढाँचे में मेहमान का मान बढ़ाना, उसे ठहराना, उसकी देखभाल करना और उसके साथ अपनापन बाँटना एक नैतिक कर्तव्य समझा जाता था। बाराती केवल खाने वाले आगंतुक नहीं थे; वे आने वाले नए रिश्ते के प्रतिनिधि थे। इसलिए उनका स्वागत भी उतना ही आत्मीय और विस्तृत होता था जितना स्वयं विवाह का अर्थ। यही कारण है कि पुराने लोग आज की जल्दी-जल्दी निपटने वाली शादियों को देखकर अक्सर कहते हैं— 'अब शादी रही कहाँ, बस कार्यक्रम रह गया।' इस भावना में केवल शिकायत नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक सच भी छिपा है।

समय बदला है, जीवन-शैली बदली है और विवाहों पर भी उसका असर पड़ा है। शहरीकरण, महँगाई, नौकरीपेशा जीवन, सीमित अवकाश, यातायात और आयोजन-व्यवस्था की नई सुविधाओं ने शादियों को छोटा और नियंत्रित बनाया है। आज कई परिवार बड़े आयोजन के बजाय कम समय में सब कुछ निपटाना चाहते हैं, ताकि मेहमानों पर बोझ न पड़े और मेज़बान पर आर्थिक दबाव भी कम रहे। यह व्यावहारिक दृष्टि है, लेकिन इसके साथ परंपरागत आत्मीयता का कुछ हिस्सा खो भी जाता है।

गेस्ट हाउस, बैंक्वेट हॉल, कैटरिंग और तयशुदा टाइम-स्लॉट ने विवाह को अधिक व्यवस्थित तो बनाया है, पर अधिक औपचारिक भी। पहले जहाँ बाराती रुकते थे, अब वे भोजन करके लौट जाते हैं। पहले जहाँ रस्मों के साथ गीत और सामूहिक सहभागिता होती थी, अब कई जगह छ्छ, फोटो-सत्र और स्टेज-इवेंट मुख्य आकर्षण बन गए हैं। विवाह की जीवंतता बनी रहती है, लेकिन उसकी आत्मीयता कम होने लगती है।

आज की शादी पर सबसे बड़ा दबाव खर्च और प्रदर्शन का है। बहुत-से परिवार संस्कारों से अधिक 'लोग क्या कहेंगे' की चिंता में रहते हैं। सजावट, कपड़े, मंच, खाने का मेन्यू, गाड़ियों का काफिला और सोशल मीडिया पर छपने वाली छवि—इन सबके बीच विवाह का मूल संदेश पीछे छूट जाता है। जहाँ पहले सादगी में गरिमा थी, वहाँ अब कई बार भव्यता में खोखलापन दिखाई देता है।यह प्रवृत्ति केवल शहरी नहीं है; गाँवों में भी इसका असर दिख रहा है। पालकी की जगह लग्जरी कार, पारंपरिक गीतों की जगह तेज़ संगीत और सामूहिक बैठकी की जगह अलग-अलग टेबलों पर भोजन—ये बदलाव अपने-आप में बुरे नहीं हैं। समस्या तब होती है जब सुविधा-संस्कृति, संस्कार-संस्कृति को पूरी तरह विस्थापित कर देती है। तब शादी एक पवित्र मिलन की जगह सामाजिक प्रदर्शन बन जाती है। यही वह बिंदु है जहाँ आधुनिकता उपयोगी होने के बजाय विघटनकारी हो सकती है।विवाह भारतीय परंपरा में केवल उत्सव नहीं, एक संस्कार है। संस्कार का अर्थ है ऐसा आयोजन जो व्यक्ति को नैतिक, पारिवारिक और सामाजिक जीवन से जोड़ता है।

प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर विशेष

कब तक मारे जाते रहेंगे कलम के सिपाही..?

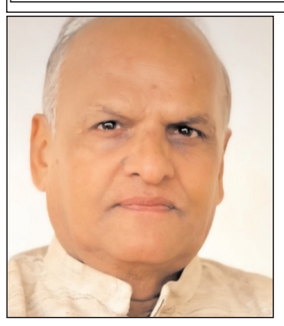

गिरीश पंकज

पूरी दुनिया में कल प्रेस स्वतंत्रता दिवस मनाया गया. हर जगह पत्रकारिता की स्वतंत्रता की बातें होती हैं, मगर उसी गति से पत्रकारों की हत्याएं भी होती रहती है. 'यूनेस्को' के आंकड़े बताते हैं कि पिछले दो दशकों में विश्व भर में 600 से ज्यादा पत्रकारों की हत्याएं कर दी गई. और यह सिलसिला अब तक जारी है. 2015 में फ्रांस की पत्रिका चार्ली हाब्दो के 12 कार्टूनिस्टों को कुछ कट्टर पंक्तियों ने जान से मार डाला था. सोमालिया में कुछ वर्ष पहले पाँच पत्रकार जान से हाथ धो बैठे, सिर्फ इसलिये कि कोई ड्रग माफिया के विरुद्ध लिखा रहा था, तो कोई राजनीतिक गुंडों के खिलाफ कलम चला रहा था. सोमालिया में ही एक युवा रेडियो पत्रकार फरहान जीमिस अब्दुल्ला को भी अपराधियों ने मार डाला. लगता है पूरी दुनिया में शातिर बेख़ौफ़ घूमते हैं. 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' एक खूबसूरत वाक्य भर है शायद. पत्रकारों को संरक्षण कि कल्पना ही बेमानी हो गई है. मैक्सिको में पिछले कुछ सालों में चालीस से अधिक पत्रकार मार डाले गए. वहां 'प्रोसेसो' नामक पत्रिका की रिपोर्टर रेजिना मार्टिन पेरेज़ अपने घर पर मृत पाई गई. उसके शरीर पर बुरी तरह से पीटे जाने के निशान थे, उसका सेल फोन, उसका कम्प्यूटर भी गायब था. इसी घटना से मिलती-जुलती घटना अपने देश में घटी थी, मध्यप्रदेश के उमरिया में, जहाँ पत्रकार चंद्रिका राय के घर में घुस कर उनकी और उनकी पत्नी तथा उनके दो मासूम बच्चों की निर्मम हत्या कर दी गई थी. छत्तीसगढ़ के पांच पत्रकार पिछले एक दशक में मारे गए.मतलब यह के मेक्सिको हो या भारत का कोई कस्बा, अपराधी पत्रकार को निशाना बेख़ौफ़ घूम सकते हैं. दुनिया के अनेक देश ऐसे हैं, जहाँ पत्रकारों का जीवन खतरे से भरा है. खास कर उन पत्रकारों का जो क्राइम रिपोर्टर है, या राजनीतिक अपराधियों पर निरंतर लिखते रहते हैं छत्तीसगढ़ में पत्रकार मारे गए. बिलासपुर के सुशील पाठक, री कुरूद कस्बे के उमेश राजपूत. बस्तर में काम कर रहे साईं रेड्डी और मुकेश चंद्राकर की हत्या हुई. वहां के पत्रकारों को एक तरफ नक्सली प्रताड़ना भी मिलती रही है, तो दूसरी तरह प्रशासनिक दमन भी झेलना पड़ता है. गांजा तस्करी का आरोप लगा कर पकड़ लिया जाता है क्योंकि वे रेत माफिया पर लिखते हैं.

प्रेस की स्वतन्त्रता पर अक्सर बातें होती रहती हैं। मज़े की बात यह है कि इस पर वे लोग भी बढ़-चढ़ कर अपने विचार रखते हैं, जो लोग प्रेस की स्वतन्त्रता पर अंकुश लगाने के लिये जाने जाते हैं. राजनीति से जुड़े लोग पहले नंबर पर रखे जा सकते हैं. लेकिन अभिव्यक्ति के लिए संघर्षरत पत्रकारों ने कभी भी इस बंधन की परवाह नहीं की और जो कुछ लिखा, हिम्मत के साथ लिखा। ''अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' प्रेस का अपना अधिकार है लेकिन इस अधिकार का पूरी दुनिया में दमन होता रहा है। जिन देशों में स्वतंत्रता का दम भरा जाता रहा है, वहाँ भी अभिव्यक्ति का गला घोटने का काम होता रहा है। 'विकिलीक्स' जैसे वैश्विक सूचना माध्यम हमारे सामने हैं। और उसका दमन और संघर्ष भी हमने देखा। भारत सहित दुनिया के अनके देशों में पत्रकारों की हत्याएँ होती रही हैं। भारत में पिछले तीन दशकों में 50 से अधिक पत्रकारों के हत्याएं की गई. मतलब यह है कि दुनिया भर में अभिव्यक्ति का दमनात्मक कुकर्म होता रहा है, फिर भी जो लोग सच्चाई के पैरोकार रहे हैं, वे निर्भीक हो कर अपना काम करते रहे। यह और बात है कि उन्हें मौतें मिलीं। वे शहीद हुए, लेकिन अपनी स्वतंत्रता से उन्होंने समझौता नहीं किया। दुनिया में दस ऐसे खतरनाक देश सूचीबद्ध किए गए हैं, जहाँ पत्रकारों का जीवन संकट में रहता है. ये देश हैं. इरान, बर्मा, क्यूबा,गुयाना, बेलारूस, उज्बेकिस्तान, एरिटेरिया, सउदीअरब, दक्षिण कोरिया, सीरिया. वैसे चीन, भारत, पकिस्तान और ब्राजील भी ऐसे देश माने जाते हैं जहाँ, अभिव्यक्ति पर हमले होते रहते हैं. रूस और अमरीका जैसे तरक्कीपसंद देशों में भी अभिव्यक्ति पर संकट मंडराता रहता है. बावजूद इसके इन तमाम देशों के पत्रकार अपने साम्य से संवाद करते हैं और सच

लिखने का साहस करते रहते हैं.

पत्रकारों की स्वतंत्रता के लिये'प्रेस स्वतंत्रता अधिकार दिवस' मनाया जाता है. तब संतोष होता है कि अभिव्यक्ति की आजादी के सवाल को महत्व दिया गया। हमारे बीच जुझारू पत्रकार भी रहे हैं, जिन्होंने अपनी जान की परवाह नहीं की, और सच को सामने ला कर एक पत्रकार का फर्ज निभाया। ऐसे बहादुर पत्रकार हर कहीं मिलते हैं। छोटे कसबे हों, या महानगर, कलमवीरों ने अपनी जान की परवाह किए बगैर अनेक ऐसी खबरें सामने लाने की कोशिशें कीं, जो जनहित में जरूरी थी। दुनियाभर में बड़े-बड़े घोटालों को उजागर करने में मीडिया के लोगों का ही हाथ रहा है। अमरीका के 'वाटरगेट कांड' से लेकर भारत के 'टू-जी' जैसे मामलों को सामने लाने वाले पत्रकार ही रहे हैं।

आज पत्रकारिता बाजारवाद की चपेट में है। अधिकतर मीडिया मालिक सौदागर किस्म के लोग हैं। वे अखबार नहीं, बड़ी दुकान संचालित करने की मानसिकता से ग्रस्त हैं। इस कारण अब मीडिया की प्राथमिकताएँ बदल गई हैं। अब 'स्कूप' पर कम ही ध्यान दिया जाता है। सत्ता से जुड़ी खबरें पहली प्राथमिकता बन चुकी है। उसके बाद सनसनी फैलाने वाली खबरें हैं। और अब तो 'स्टिंग' आपरेशन होने लगे हैं। नेताओं, धर्मगुरुओं, कलाकारों के स्टिंग आपरेशन। इसका मतलब पत्रकारिता नहीं, स्वार्थ है। अपने टीवी चैनलों की 'टीआरपी' बढ़ाने या अखबारों की प्रसार संख्या बढ़ाने के उद्देश्य से ऐसे काम किए जाते हैं। हालांकि इसका लाभ समाज को ही मिलता है, मगर इसके पीछे उद्देश्य पवित्र नहीं होता। पत्रकारिता पावन उद्देश्यों का नाम है। लोक मंगल का भाव प्रमुख होना चाहिए. पत्रकारिता की शुरुआत (29 जनवरी,1780) हुई तो जेम्स आगस्टस हिकी ने यही किया था। वह अपने ही लोगों की कमजोरियों को, बुराइयों को सामने लाने का काम करता था। उसने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को प्राथमिकता दी। उसका खामियाजा भी उसे भुगतना पड़ा । उसे देश छोडने पर मजबूर होना पड़ा। लेकिन जब तक 'हिकी गजट' निकलता रहा, उसके माध्यम से अंग्रेज संरकार की आलोचनाएँ भी होती रहीं। तो, यह है हमारी परम्परा। पत्रकारिता की परम्परा, प्रेस की परम्परा, जहाँ सच के लिए संघर्ष का संकल्प है। प्रतिबद्धता है। मुक्तिबोध की मशहूर कविता है 'अभिव्यक्ति के खतरे उठाने ही होंगे। तोडने ही होंगे मठ और गढ़ सारे'। इन पंक्तियों के लेखक ने भी कभी पत्रकारिता की अस्मिता को रेखांकित करने वाली पंक्तियाँ लिखी थीं कि ''हर हाल में हम सच का बयान करेंगे, बहरे तक सुन लें वो गान करेंगे। खुद को अल्लाह जो मानने लगे,ऐसे हर शख्स को इंसान करेंगे''। प्रेस का काम यही है, लेकिन इसमें खतरा बहुत है। क्योंकि जो शख्स कहता है कि प्रेस की स्वतंत्रता होनी चाहिए, वही वक्त आने पर सबसे पहले प्रेस का दमन करना चाहता है। अनुभव यही बताता है कि जब-जब किसी प्रेस या पत्रकार ने हिम्मत के साथ सच लिखा, किसी की पोल खोली, तो लोग उसकी जान के दुश्मन बन गए। समाज का कोई भी ताकतवर वर्ग हो, उसकी आँखों की किरकिरी बनने वालों में प्रेस पहले नंबर पर है। यह समकालीन और सर्वकालिक चरित्र बन गया है कि हम गलत भी करेंगे, और उसका पर्दाफाश भी बर्दाश्त नहीं करेंगे। अश्लील या भ्रष्ट हरकतें भी करेंगे और अगर उसका वीडियो सामने आ गया तो, उसको स्वीकार न करके, यह बतलाने की कोशिश करेंगे कि यह उनकी छवि खराब करने के लिए कृत्रिम तरीके से (डीपफेक)बनाई गई है।

भ्रष्टाचार या घोटलों की जो खबरें सामने आती हैं, उनके साथ भी यही होता है। खबर सामने लाने वाले पत्रकारों पर पीत पत्रकारिता का आरोप मढ़ दिया जाता है। अपनी बदसूरती को स्वीकार नहीं करते और दर्पण को तोडने में लग जाते हैं। इसलिए यह निर्विवाद सत्य है कि पत्रकारिता जोखिम का ही दूसरा नाम है। खास कर ऐसी पत्रकारिता जो मिशन है, कमीशन नहीं। जिसमें परिवर्तन की ललक है। जो अपने अधिकार का सही इस्तेमाल करना चाहती है। ऐसी पत्रकारिता और ऐसे पत्रकारों के सामने जीवन भर चुनौती बनी रहती है। कभी वे जान से हाथ धोते हैं, कभी हाशिये पर कर दिए जाते हैं। कुछ अखबारों को छोड़ दें, तो अब अधिकांश अखबारों में स्कूप लापता हैं। वहाँ राजनीति का स्तुति गान अधिक है। अपसंस्कृति को बढ़ावा है। और लाभ कमाने के लिए अश्लीलता परोसने वाले विज्ञापन भी है। ऐसे संक्रमण काल में हम प्रेस स्वतंत्रता अधिकार दिवस को याद करते हैं, तो आत्म-मंथन का अवसर भी मिलता है जिसके लिए कभी राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त ने कहा था कि 'हम कौन थे, क्या हो गए और क्या होंगे अभी, आओ विचारें आज मिल कर ये समस्याएँ सभी'।

अगर प्रेस के पास स्वतन्त्रता का अधिकार है तो हमें ऐसा समाज या ऐसी सरकार भी बनानी होगी, जो सच का दर्पण दिखाने वाले लोगों को संरक्षण दे। समाज तभी खुशहाल होगा, जब भ्रष्टों का पर्दाफाश होगा। और वे परिदृश्य से बाहर कर दिए जाएँगे। राजनीति में, व्यवस्था में श्रेष्ठ लोगों की संख्या बढ़नी चाहिए। इस काम में मीडिया का रोल बेहद महत्वपूर्ण है। मीडिया को मिले इस अधिकार का रचनात्मक और ईमानदार इस्तेमाल होता रहे, इसके लिए जरूरी यह भी है कि सच-सच लिखने वाले पत्रकारों को, या अखबारों को समाज का संरक्षण मिले, सत्ता का नहीं। सत्ता तो अक्सर भ्रष्टाचार को प्रोत्साहित करती है। वह पत्रकारों को खरीदने पर तुली रहती है। फिर भी संतोष की बात है कि अभी भी ऐसे पत्रकार हैं, जो बिकते नहीं, और अपनी अंतिम सांस तक सच्चाई को लिखने की प्रतिबद्धता दिखाते हैं। जब तक ऐसी सोच वाले पत्रकार मौजूद रहेंगे, अन्याय का प्रतिकार होता रहेगा। और साहसिक, ईमानदार, और प्रतिबद्ध यानी कि मिशनजीवी पत्रकारिता अपने होने को सार्थक करती रहेगी। दुनिया भर के अनेक देशों में शहीद पत्रकारों को याद किया जाता है और यह विश्वास भी व्यक्त किया जाता है कि अभिव्यक्ति का दमन बंद होगा. जो शायद अब संभव नहीं, फिर भी यह संतोष की बात है कि लगभग बिक चुके दौर में केवल पत्रकारिता ही ऐसा कोना बचा है, जहाँ परिवर्तनकामी आग अब भी नज़र आती है.यह आग तब तक सलामत रहेगी, जब तक दुनिया को बेहतर बनाने की कामना बची रहगी।

बदलती जलवायु का संकट और उसका प्रभाव

महेन्द्र तिवारी

जलवायु संकट आज मानव सभ्यता के सामने खड़ी सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बन चुका है। यह संकट धीरे धीरे नहीं बल्कि तेजी से गहराता जा रहा है और इसके प्रभाव अब स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगे हैं। वैश्विक स्तर पर तापमान में वृद्धि, वर्षा के पैटर्न में बदलाव, सूखा और बाढ़ जैसी चरम घटनाओं की बढ़ती आवृत्ति इस संकट की गंभीरता को दर्शाती है। इस पूरे परिदृश्य में एल नीनो जैसी प्राकृतिक घटना महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जो समुद्री तापमान में बदलाव के कारण वैश्विक मौसम प्रणाली को प्रभावित करती है और कई देशों के लिए गंभीर परिणाम लेकर आती है।

एल नीनो एक ऐसी जलवायु प्रक्रिया है जो सामान्यत: 2 से 7 वर्षों के अंतराल पर उत्पन्न होती है और प्रशांत महासागर के मध्य तथा पूर्वी हिस्से के जल को सामान्य से अधिक गर्म कर देती है। इस गर्माहट का प्रभाव केवल समुद्र तक सीमित नहीं रहता बल्कि यह वायुमंडलीय परिसंचरण को भी प्रभावित करता है, जिससे पूरी दुनिया के मौसम में असामान्य परिवर्तन देखने को मिलते हैं। भारत जैसे देशों में इसका सबसे बड़ा प्रभाव मानसून पर पड़ता है, जो कृषि और अर्थव्यवस्था की रीढ़ है।आंकड़ों के अनुसार 1980 के बाद से लगभग 70 प्रतिशत एल नीनो वर्षों में भारत में कमजोर मानसून दर्ज किया गया है, जिससे वर्षा में कमी देखी गई है । यह आंकड़ा इस बात का स्पष्ट संकेत देता है कि एल नीनो और मानसून के बीच गहरा संबंध है। जब मानसून कमजोर होता है तो इसका सीधा असर कृषि उत्पादन पर पड़ता है। भारत की लगभग 50 प्रतिशत कृषि भूमि वर्षा पर निर्भर है, इसलिए थोड़ी सी भी कमी खाद्यान्न उत्पादन को प्रभावित कर सकती है।

2026 में भी इसी तरह की स्थिति बनने की आशंका जताई जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार इस वर्ष सामान्य से कम वर्षा हो सकती है, जिससे खरीफ फसलों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है । यदि वर्षा में कमी आती है तो धान, दाल और तिलहन जैसी फसलों का उत्पादन घट सकता है, जिससे खाद्य कीमतों में वृद्धि होगी और महंगाई बढ़ेगी। यह प्रभाव केवल किसानों तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि पूरे समाज पर पड़ेगा।

तापमान के संदर्भ में भी स्थिति चिंताजनक है। 2026 में भारत के कई हिस्सों में तापमान 45 से 47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है, जो सामान्य से काफी अधिक है । यह न केवल पर्यावरण के लिए बल्कि मानव स्वास्थ्य के लिए भी खतरनाक है। अत्यधिक गर्मी के कारण हीट स्ट्रोक, डिहाइड्रेशन और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं में वृद्धि हो रही है। शहरी क्षेत्रों में यह समस्या और भी गंभीर हो जाती है क्योंकि वहां कंक्रीट संरचनाएं गर्मी को अधिक समय तक बनाए रखती हैं।

जल संकट भी इस पूरे परिदृश्य का एक महत्वपूर्ण पहलू है। जब वर्षा कम होती है तो जलाशयों में पानी का स्तर घट जाता है, जिससे पेयजल और सिंचाई दोनों प्रभावित होते हैं। कई शहरों में पहले से ही पानी की कमी की समस्या है और एल नीनो जैसी घटनाएं इसे और बढ़ा सकती हैं। उदाहरण के लिए कुछ क्षेत्रों में जलाशयों की क्षमता का केवल लगभग 28 प्रतिशत पानी ही उपलब्ध है।

बोधकथा

दृष्टिकोण व्यक्तित्व का आइना

एक धर्मात्मा ने जंगल में एक सुंदर मकान बनाया और उद्यान लगाया, ताकि उधर आने वाले उसमें ठहरें और विश्राम करें। समय- समय पर अनेक लोग आते और ठहरते। दरबान हरेक आने वाले से पूछता, आपको यहां कैसा लगा। बताइए मालिक ने इसे किन लोगों के लिए बनाया है। आने वाले अपनी-अपनी दृष्टि से उसका उद्देश्य बताते रहे। चोरों ने कहा- एकांत में सुस्ताने, योजना बनाने, हथियार जमा करने और माल का बंटवारा करने के लिए। व्यभिचारियों ने कहा- बिना किसी रोक-टोक और खटके के स्वेच्छाचारिता बरतने के लिए। जुआरियों ने कहा-जुआ खेलने और लोगों की आंखों से बचे रहने के लिए। कलाकारों ने कहा, एकांत का लाभ लेकर एकाग्रता पूर्वक कला का अभ्यास करने के लिए। संतो ने कहा-शांत वातावरण में भजन करने और ब्रह्मलीन होने के लिए। कुछ विद्यार्थी आए, उनने कहा- शांत वातावरण में विद्या अध्ययन ठीक प्रकार होता है।

व्यंग्य केसरी

चुनावी तपन से त्रस्त नेताजी ...

डॉ. मुकेश गर्ग 'असीमित'

चुनाव सम्पन्न हुए। नेताजी गर्मी की तपन से ज़्यादा चुनावी तपन से लथपथ और त्रस्त, लेकिन अब जैसे कि बेटी का ब्याह सम्पन्न हुआ—इसी भाव से अपने चेहरे को पोंछते हुए राहत की कोई साँस लेने ही वाले थे कि चुनावी सर्वे ने वापस नेताजी को पसीने-पसीने कर दिया। लंपट बयानबाज़ी, सैंध, गुटबाज़ी—जितने भी पापड़ थे, सब बेल लिए थे नेताजी ने, लेकिन चुनावी सर्वे बता रहे हैं कि हार निश्चित है। नेताजी की हालत बिगड़ने लगी।

नेताजी और कोई नहीं, पार्टी अध्यक्ष हैं—वे ऐसे कैसे मान लें इन सर्वे को! मौका पाकर एक कार्यकर्ता कूद पड़ा नेताजी के पास— 'सब विपक्ष की साजिश है ये!'—और नेताजी के पीले पड़े चेहरे पर भ्रम की एक पॉलिश चिपकाने की कोशिश करने लगा।

'नहीं, ये हो नहीं सकता!'—जिस जनता का पाँच साल खून पीने में खून-पसीना एक किया, आज वही इस बार किसी और पार्टी को मौका दे रही है—यह सोचकर ही नेताजी खून का घूँट पीकर रह गए। पार्टी के अध्यक्ष हैं, सत्ता की मलाई खाई है जिन कटोरों में, अब उन कटोरों को कैसे दूसरी पार्टी के आगे सरका दें—यही दुविधा शायद उन्हें परेशान कर रही है।

लेकिन नेताजी ने पैंतरा बदला। इस स्थिति में क्या कार्रवाई किया जाना चाहिए—यह उन्हें अनुभव है। हार-जीत, दोनों ही पालों में गेंद जाए—दोनों की तैयारियों का पूरा खाका बना हुआ है।नेताजी ने सभी तैयारियाँ करने के आदेश दे दिए। चिंतन-मनन के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाने का निर्णय लिया गया। हारने के कारण, जो आकस्मिक योजना के तहत पार्टी ने पहले ही तैयार रखे थे, वे सब ताज़ा कर लिए गए हैं—मसलन ईवीएम में गड़बड़ी, विपक्ष का धनबल, बाहुबल का प्रयोग आदि।कुछ दूसरी क्षेत्रीय पार्टियों के विधायकों से भी बात चलाने को कहा गया है। नेताजी गणित बिठा रहे हैं कि अगर दस विधायक विपक्ष पार्टी के तोड़ लिए जाएँ, तो बात जमी रह सकती है। इस पर भी मंथन करने के लिए कुछ पार्टी के स्थायी 'बुज़ुर्ग मंथनकर्ता' लगा दिए गए हैं।

तभी एक मंत्री जी, जिन्होंने भ्रष्टाचार की हदों को पार करके पार्टी के चुनाव में जी-तोड़ फंड मैनेज किया है, वे बड़े विचलित से पार्टी अध्यक्ष से गुहार लगा रहे हैं—

'सर, मेरा क्या होगा? मेरे मंत्रालय में घोटालों की फाइलों का अंबार लगा हुआ है। इस पार्टी को जानते नहीं आप—सबसे पहले जांच कराएंगे, फाइलें खुलेंगी, हम सब जेल में सड़ जाएंगे, सर!'

पार्टी अध्यक्ष मुस्कराए—

'आपको पता है ना, गर्मी कितनी भीषण है? मंत्रालय में शॉर्ट सर्किट हो जाना, खासकर इन गर्मियों में, आम बात है... आप चिंता न करें। भगवान ने चाहा तो आज रात ही शॉर्ट सर्किट से आग लग ही जाएगी।

इतिहास

3 मई का इतिहास: आज के दिन 1913 में पहली भारतीय फीचर फिल्म 'राजा हरिश्चंद्र' रिलीज हुई थी, जिसने भारतीय सिनेमा की नींव रखी। 1979 में मार्गरेट थैचर ब्रिटेन की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं, और 1999 में ओकलाहोमा में अब तक की सबसे तेज़ हवाओं (301 द्वश्चद्ध) वाला बवंडर आया था।3 मई की प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएँ (03 May Historical Events):1913 - भारत की पहली पूर्ण लंबाई वाली फीचर फिल्म, 'राजा हरिश्चंद्र', पहली बार रिलीज हुई।1979 - मार्गरेट थैचर ने ब्रिटिश प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला, जो यूरोप में किसी भी देश की पहली महिला राष्ट्र प्रमुख थीं। 1978 - डिजिटल इक्विपमेंट कॉरपोरेशन द्वारा दुनिया का पहला स्पैम ईमेल भेजा गया।1958 - ट्रूमैन कपोटी की पुस्तक 'ब्रेकफास्ट एट टिफ़नी' (Breakfast at Tiffany4s) प्रकाशित हुई।

देश की शीर्ष 10 में से चार कंपनियों का मार्केटकैप 2.20 लाख करोड़ रुपए बढ़ा

मुंबई। देश की शीर्ष 10 कंपनियों में से चार का मार्केटकैप बीते हफ्ते 2.20 लाख करोड़ रुपए बढ़ा है। इसकी वजह भारतीय शेयर बाजार में तेजी को माना जा रहा है।

27 से 30 अप्रैल के कारोबारी सत्र (1 मई को महाराष्ट्र दिवस के चलते शेयर बाजार बंद था) में भारतीय शेयर बाजार हरे निशान में बंद हुआ। इस दौरान सेंसेक्स 249.29 अंक या 0.33 प्रतिशत की तेजी के साथ 76,913.50 और निफ्टी 99.60 अंक या 0.42 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,997.55 पर बंद हुआ था।

इस दौरान भारती एयरटेल का मार्केटकैप 43,503.51 करोड़ रुपए बढ़कर 11,49,222.13 करोड़ रुपए हो गया था।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 27,569.83 करोड़ रुपए बढ़कर 8,94,933.95 करोड़ रुपए और बजाज फाइनेंस का बाजार पूंजीकरण 9,432.32 करोड़ रुपए बढ़कर 5,83,123.13 करोड़ रुपए हो गया है।

दूसरी तरफ, आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 45,364.62 करोड़ रुपए कम होकर 9,04,980.78 करोड़ रुपए हो गया है। एसबीआई का बाजार पूंजीकरण 30,922.57 करोड़ रुपए घटकर 9,85,829.96 करोड़ रुपए, एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 20,951.31 करोड़ रुपए घटकर 11,87,274.17 करोड़ रुपए हो गया है।

हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केटकैप 18,420.79 करोड़ रुपए कम होकर 5,28,799.01 करोड़ रुपए हो गया है।

लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एलआईसी) का मार्केटकैप 8,222.49 करोड़ रुपए कम होकर 5,04,798.07 करोड़ रुपए हो गया है।

एलएंडटी का मार्केटकैप 178.83 करोड़ रुपए घटकर 5,51,993.05 करोड़ रुपए हो गया है।

मिश्रित रुझान के बावजूद, रिलायंस इंडस्ट्रीज भारत की सबसे मूल्यवान कंपनियों में अग्रणी बनी रही, जिसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, आईसीआईसीआई बैंक, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एलआईसी का स्थान रहा।

इसके अतिरिक्त, निफ्टी के साप्ताहिक आउटलुक पर टिप्पणी करते हुए, विशेषज्ञों ने कहा कि रुकावट का स्तर 24,300-24,400 के आसपास बना हुआ है, जो एक मजबूत आपूर्ति क्षेत्र बना हुआ है।

दूसरी तरफ, 23,800 एक सपोर्ट लेवल है। अगर यह टूटता है तो 23,600-23,400 तक के स्तर देखने को मिल सकते हैं।

सरकार का डीआरटी से आग्रह, डेट से जुड़े बकाया मामलों को जल्द निपटाने के लिए अच्छी प्रथाओं को मिले बढ़ावा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने डेट से जुड़े बकाया मामलों को जल्द निपटाने के लिए डेट रिकवरी ट्रिब्यूनल (डीआरटी) से आग्रह किया है कि वह मामलों को जल्द निपटाने के लिए अच्छी प्रथाओं को बढ़ावा दे।

राष्ट्रीय राजधानी में वित्त मंत्रालय द्वारा डीआरटी में मामलों को जल्द निपटाने के लिए एक बैठक रखी गई थी।

आधिकारिक बयान में कहा गया कि ट्रिब्यूनल से सरकार ने कहा है कि वे उच्च प्रदर्शन करने वाले डीआरटी द्वारा अपनाई गई सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाएं।

मंत्रालय ने कहा कि चर्चा के प्रमुख क्षेत्रों में बैंकों के भीतर निरीक्षण और निगरानी तंत्र को मजबूत करना, अच्छे वसूली परिणामों के लिए उच्च मूल्य वाले मामलों को प्राथमिकता देना; और विवाद समाधान के एक प्रभावी वैकल्पिक साधन के रूप में लोक अदालतों का उपयोग करना शामिल था, जिससे डीआरटी के माध्यम से वसूली को बढ़ाया जा सके।

इसके अलावा, बैठक में त्वरित निपटान के तंत्र, मामलों के निपटारे में तेजी लाने के लिए प्रक्रियात्मक सुधार और व्यापक क्षमता निर्माण पहलों पर भी चर्चा हुई।

वित्त मंत्रालय के अनुसार, लक्षित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से क्षमता निर्माण और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर नए सिरे से जोर देने के साथ, डीआरटी की मासिक निपटान दरों में उत्साहजनक वृद्धि देखी गई है।

पिछले सितंबर में, एक मध्यस्थता प्रशिक्षण कार्यक्रम ने डीआरटी के पीठासीन अधिकारियों और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के वरिष्ठ अधिकारियों को विवादों को अधिक प्रभावी ढंग से सुलझाने और ऋण वसूली मामलों में निर्णय लेने की क्षमता में सुधार करने में मदद की। यह कार्यक्रम वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) द्वारा भारत के सर्वोच्च न्यायालय की मध्यस्थता और सुलह परियोजना समिति (एमसीपीसी) के सहयोग से आयोजित किया गया था।

मार्केट आउटलुकः कच्चा तेल, तिमाही नतीजे और आर्थिक आंकड़ों से तय होगा शेयर बाजार का रुझान

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार के लिए अगला हफ्ता काफी अहम होगा। तिमाही नतीजे, कच्चे तेल में उतार-चढ़ाव और आर्थिक आंकड़े शेयर बाजार की चाल निर्धारित करने में बड़ी भूमिका निभाएंगे।

अगले हफ्ते अंबुजा सीमेंट्स, बीएचईएल, एक्साइड इंडस्ट्रीज, पेट्रोनेट एलएनजी, टाटा केमिकल्स, हीरे मोटोकॉर्प, जम्मू एंड कश्मीर बैंक, एलएंडटी, एमएंडएम, पंजाब नेशनल बैंक, रेमंड, एसआरएफ, बजाज ऑटो, पॉलीकैब, श्रीसीमेंट, बीएसई लिमिटेड, गोवा कार्बन और बैंक ऑफ बड़ौदा की ओर से वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही के नतीजे जारी किए जाएंगे।

इसके अलावा, 4 मार्च को मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई और 6 मई को सर्विसेज और कंपोजिट पीएमआई का डेटा जारी किया जाएगा।

वहीं, कच्चे तेल भी अगले हफ्ते शेयर बाजार के लिए अहम फैक्टर होगा, क्योंकि ईरान-अमेरिका युद्ध के कारण हॉर्मुज स्ट्रेट बंद होने से कच्चे तेल की कीमत लगातार उच्च स्तर पर बनी हुई है। फिलहाल ब्रेंट क्रूड 108 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 102 डॉलर प्रति बैरल के करीब बना हुआ है।

भारतीय शेयर बाजार बीते हफ्ते हरे निशान में बंद हुआ। इस दौरान सेंसेक्स 249.29 अंक या 0.33 प्रतिशत की तेजी के साथ 76,913.50 और निफ्टी 99.60 अंक या 0.42 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,997.55 पर था।

सूचकांक में निफ्टी पीएसयू बैंक (3.87 प्रतिशत), निफ्टी आईटी (2.56 प्रतिशत), निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज (2.25 प्रतिशत), निफ्टी प्राइवेट बैंक (2.10 प्रतिशत), निफ्टी सर्विसेज (2.05 प्रतिशत), निफ्टी मीडिया (0.69 प्रतिशत) और निफ्टी पीएसई (0.19 प्रतिशत) की गिरावट के साथ बंद हुआ।

दूसरी तरफ निफ्टी ऑयल एंड गैस (2.46 प्रतिशत), निफ्टी एनर्जी (1.94 प्रतिशत), निफ्टी फार्मा (1.22 प्रतिशत), निफ्टी इन्फ्रा (1.08 प्रतिशत) और निफ्टी कमोडिटीज (0.91 प्रतिशत) की मजबूती के साथ बंद हुआ।

दूसरी तरफ मिडकैप और स्मॉलकैप में मिलाजुला कारोबार हुआ।

निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 167.95 अंक या 0.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ 59,784.85 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 286.40 अंक या 1.62 प्रतिशत की मजबूती के साथ 18,007.15 पर बंद हुआ।

मध्य पूर्व तनाव के बीच भारत से जुड़े एक और एलपीजी टैंकर ने हॉर्मुज स्ट्रेट किया पार

नई दिल्ली । भारत से जुड़े एक और लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) टैंकर ने सफलतापूर्वक फारस की खाड़ी में मौजूद संकरे समुद्री रास्ते हॉर्मुज स्ट्रेट को सफलतापूर्वक पार कर लिया है।

भारत से जुड़े एलपीजी टैंकर ने हॉर्मुज स्ट्रेट ऐसे समय पर पार किया है, जब अमेरिका और ईरान दोनों के बीच लगातार तनाव जारी है, जिससे स्ट्रेट से आवाजाही करीब रुक गई है। इसे काफी अहम समुद्री रास्ता माना जाता है, क्योंकि इससे दुनिया का करीब 20 प्रतिशत कच्चे तेल का निर्यात होता है।

शिप ट्रैकिंग डेटा के अनुसार, मार्शल द्वीप समूह के ध्वज वाला जहाज, सर्व शक्ति, जो खाना पकाने के ईंधन के रूप में आमतौर पर इस्तेमाल होने वाली लगभग 45,000 टन एलपीजी ले जा रहा था, शनिवार को ईरान के लारक और केशम द्वीपों के पास से गुजरने के बाद ओमान की खाड़ी में प्रवेश करते हुए देखा गया।

माना जा रहा है कि यह जहाज भारत की ओर जा रहा है। सर्व शक्ति, एक विशाल गैस वाहक पोत है, जो पहले फारस की खाड़ी और भारतीय बंदरगाहों के बीच मार्गों पर संचालित होता रहा है।

ईरान से जुड़े संघर्ष के शुरू होने के बाद से इस क्षेत्र में चलने वाले पोतों द्वारा व्यापक रूप से अपनाए गए सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत, यह पोत वर्तमान में अपने भारतीय गंतव्य और चालक दल के विवरण का प्रसारण कर रहा है।

इस जहाज को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि यह ईरान से जुड़े जहाजों को निशाना बनाकर अमेरिका के नेतृत्व में शुरू की गई नाकाबंदी के बाद भारत से जुड़े किसी टैंकर की पहली यात्रा है।

इन प्रतिबंधों के कारण होर्मुज स्ट्रेट से टैंकरों का आवागमन लगभग शून्य हो गया था, जिससे दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा गलियारों में से एक बाधित हो गया था।

सर्व शक्ति उन सबसे बड़े जहाजों में से एक है जिन्होंने पिछले महीने स्ट्रेट के संक्षिप्त और अव्यवस्थित रूप से फिर से खुलने के बाद से इस मार्ग से यात्रा की है, जिसके तुरंत बाद नए प्रतिबंध लगा दिए गए थे।

पिछले महीने आई रिपोर्ट्स के मुताबिक, पश्चिम एशिया में 28 फरवरी को शुरू हुए संघर्ष के बाद से लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) की पहली खेप होर्मुज स्ट्रेट से गुजरी है, जो कि नाकाबंदी में ढील के संकेत देता है।

बाजार की पाठशाला: एसआईपी और स्टेप-अप एसआईपी में क्या है अंतर? समझें मोटा फंड तैयार करने का पूरा गणित

नई दिल्ली। आज के दौर में सिर्फ बचत करना काफी नहीं है, बल्कि सही तरीके से निवेश करना भी उतना ही जरूरी हो गया है। महंगाई लगातार बढ़ रही है, ऐसे में अगर आपका पैसा सही जगह निवेश नहीं होता तो उसकी असली वैल्यू कम होती जाती है। यही वजह है कि एसआईपी (सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) और स्टेप-अप एसआईपी जैसे विकल्प तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं, क्योंकि ये आपको अनुशासित निवेश के साथ-साथ लंबी अवधि में बड़ा फंड बनाने का मौका देते हैं।

एसआईपी एक ऐसा तरीका है जिसमें आप हर महीने एक तय रकम म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं। इससे बाजार के उतार-चढ़ाव का असर कम होता है और धीरे-धीरे एक अच्छा फंड तैयार हो जाता है।

वहीं स्टेप-अप एसआईपी (या टॉप-अप एसआईपी) एसआईपी का ही एडवांस वर्जन है, जिसमें आप हर साल अपनी निवेश राशि बढ़ाते हैं। यह तरीका खासतौर पर उन लोगों के लिए फायदेमंद है जिनकी आय समय के साथ बढ़ती है, जैसे नौकरीपेशा लोग।

उदाहरण के तौर पर अगर आपने 5,000 से शुरुआत की, तो अगले साल इसे 6,000 या 7,000 कर सकते हैं। इससे आपकी इनकम के साथ निवेश भी बढ़ता है और रिटर्न ज्यादा मिलता है, क्योंकि आपको निवेश पर 'कंपाउंडिंग' का फायदा मिलता है। कंपाउंडिंग का मतलब होता है 'ब्याज पर ब्याज मिलना'। यानी आपने जो पैसा निवेश किया, उस पर जो रिटर्न मिला, वह भी आगे जाकर आपके मूल निवेश के साथ जुड़कर और रिटर्न कमाने लगता है।

मान लीजिए आपने 1 लाख रुपए निवेश किया और उस पर 10 प्रतिशत रिटर्न मिला, तो एक साल बाद यह 1.10 लाख रुपए हो जाएगा। अगले साल 10 प्रतिशत रिटर्न 1 लाख रुपए पर नहीं, बल्कि 1.10 लाख रुपए पर मिलेगा। इसी तरह समय के साथ आपका पैसा तेजी से बढ़ता है। एसआईपी और स्टेप-अप एसआईपी दोनों में यही कंपाउंडिंग का जादू आपके फंड को बड़ा बनाता है।

मान लीजिए, अगर कोई निवेशक 10 साल तक हर महीने 5,000 रुपए की एसआईपी करता है और उसे औसतन 12 प्रतिशत सालाना रिटर्न मिलता है, तो उसका कुल निवेश 6 लाख रुपए होगा और यह बढ़कर लगभग 11.5-12 लाख रुपए तक पहुंच सकता है। अगर वही निवेशक स्टेप-अप एसआईपी अपनाता है और हर साल अपनी एसआईपी में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी करता है, तो शुरुआत 5,000 रुपए से होकर धीरे-धीरे बढ़ती जाएगी। ऐसे में कुल निवेश लगभग 9-10 लाख रुपए के आसपास होगा, लेकिन कंपाउंडिंग और बढ़ती निवेश राशि की वजह से उसका फंड करीब 17-18 लाख रुपए तक पहुंच सकता है।

इससे स्पष्ट है कि स्टेप-अप एसआईपी में थोड़ा-थोड़ा निवेश बढ़ाने से लंबे समय में बड़ा अंतर पैदा होता है। विशेषज्ञों के अनुसार, एसआईपी निवेश का एक सरल और अनुशासित तरीका है। यह छोटे निवेशकों के लिए बेहतर है क्योंकि इसमें जोखिम कम होता है और बाजार की टाइमिंग की जरूरत नहीं होती।

तमिलनाडु में हॉस्टल और पीजी में रहना होगा महंगा, कमर्शियल गैस की कीमतों में उछाल का असर

चेन्नई। तमिलनाडु में हॉस्टल और पेइंग गेस्ट (पीजी) में रहने वाले छात्रों और नौकरीपेशा लोगों को अब ज्यादा खर्च करना पड़ेगा। इसकी वजह यह है कि हॉस्टल और पीजी चलाने वालों ने किराया लगभग 10 प्रतिशत बढ़ा दिया है। ऐसा इसलिए किया गया है क्योंकि कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर और खाना बनाने की लागत काफी बढ़ गई है।

राज्य स्तर पर हॉस्टल और पीजी मालिकों के एक संगठन ने बताया है कि नए किराए 5 मई से लागू होंगे। पिछले कुछ महीनों में खासकर खाना बनाने का खर्च काफी बढ़ गया है, जिससे उनका खर्च बढ़ा है। नए किराए के अनुसार, बिना एसी वाले कमरों के दाम तय कर दिए गए हैं। चार लोगों के कमरे का किराया अब 6,500 से 7,500 रुपये के बीच होने की उम्मीद है। तीन लोगों के कमरे का किराया 7,000 से 8,000 रुपये और दो लोगों के कमरे का किराया 8,000 से 9,000 रुपये तक होने की उम्मीद है। हालांकि, असली किराया जगह, सुविधाओं और मांग के अनुसार अलग-अलग हो सकता है। किराया बढ़ने की मुख्य वजह 19 किलो वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में भारी बढ़ोतरी है।

पिछले कुछ महीनों में गैस के दाम दोगुने से भी ज्यादा हो गए हैं, जिससे हॉस्टल की रसोई पर बड़ा असर पड़ा है, क्योंकि वहां बड़े पैमाने पर खाना बनाने के लिए गैस का ज्यादा इस्तेमाल होता है।

इसके अलावा, गैस की कमी के कारण कई जगह मालिकों को महंगे दाम पर बाहर से सिलेंडर खरीदने पड़े।

खर्च कम करने के लिए कुछ हॉस्टलों ने कुछ समय के लिए लकड़ी जैसे दूसरे विकल्पों से खाना बनाना शुरू किया, लेकिन उनके दाम भी बढ़ गए। इसलिए अब मालिकों को मजबूर होकर किराया बढ़ाना पड़ा और कुछ सेवाएं भी कम करनी पड़ीं।

दक्षिण कोरिया में एयरफोर्स पायलटों के नौकरी छोड़ने से सिलसिला बढ़ा, आखिर वजह क्या है?

सोल। दक्षिण कोरिया में वायुसेना के प्रशिक्षित पायलट पिछले एक दशक में बेहतर वेतन वाली नागरिक एयरलाइंस में काम पाने के लिए स्वेच्छा से अपनी नौकरी छोड़ रहे हैं। पिछले एक दशक में 896 वायुसेना पायलटों ने बेहतर वेतन और अपेक्षाकृत कम जोखिम वाली कमर्शियल एयरलाइन्स की नौकरी ज्वाइन कर चुके हैं। रविवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी सामने आई।

वायुसेना के एक अधिकारी ने बताया कि पायलटों के पलायन को रोकने के लिए नए कदम उठाए जा रहे हैं और उनके कल्याण में सुधार की कोशिश की जा रही है।वायुसेना द्वारा संसद की राष्ट्रीय रक्षा उपसमिति के सदस्य केंग डे सिक को सौंपी गई रिपोर्ट के अनुसार, 2017 से मार्च 2026 तक 896 कुशल वायुसेना पायलटों ने स्वेच्छा से सेवा छोड़ी।

वायुसेना 'कुशल पायलट' उन पायलटों को मानती है जिनके पास 8 से 17 वर्षों का अनुभव होता है और जो स्वयं ऑपरेशन संचालित करने के साथ-साथ जूनियर पायलटों को प्रशिक्षण देने में सक्षम होते हैं।रिपोर्ट के अनुसार वायुसेना पायलटों ने अपनी नौकरी छोड़ी, उनमें 730 फाइटर पायलट और 148 कार्गो पायलट और 18 हेलीकॉप्टर (रोटरी-विंग) पायलट शामिल हैं। इनमें से 622 पायलट ने कोरियन एयर की नौकरी ज्वाइन कर ली, जबकि 146 पायलटों ने एशियाना एयरलाइन्स की नौकरी ज्वाइन कर ली, जिसका विलय कोरियन एयर के साथ हो चुका है। इसके अलावा 103 पायलट लो कॉस्ट एयरलाइंस से जुड़ गए।

कोविड-19 महामारी से पहले हर साल लगभग 100 पायलट वायुसेना छोड़ते थे, लेकिन 2021 में वैश्विक हवाई यातायात में गिरावट के कारण केवल 7 पायलटों ने ही सेवा छोड़ी। इसके बाद संख्या फिर बढ़ने लगी और इस वर्ष मार्च तक 47 पायलट वायुसेना छोड़ चुके हैं।

हालांकि पायलटों के बड़े पैमाने पर पलायन को रोकने के लिए वायुसेना ने अनिवार्य सेवा अवधि तय की है, जो एयर फोर्स अकादमी से प्रशिक्षित फाइटर और कार्गो पायलटों के लिए 15 वर्ष, जबकि अन्य पायलटों के लिए 10 वर्ष है। ऐसे में अनिवार्य अवधि पूरी होते ही पायलटों ने वायुसेना की नौकरी को अलविदा कह दिया।

आपको रोज कितनी रोटी और कितने चावल की जरूरत? डाइटिशियन से समझ लीजिए गणित

भारतीय खानपान में रोटी और चावल का विशेष महत्व है। कुछ लोगों की थाली में चावल ज्यादा होते हैं, तो कई लोग रोटी खाना पसंद करते हैं। दोनों ही सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। आजकल फिटनेस को लेकर लोग जागरूक हो गए हैं और वे खानपान का विशेष ध्यान रख रहे हैं। ऐसे में अक्सर लोगों के मन में सवाल उठता है कि हमें रोज कितनी रोटी और कितने चावल खाने चाहिए। अधिकतर लोग या तो जरूरत से ज्यादा खा लेते हैं या बहुत कम खाते हैं, जिससे वजन बढ़ना, कमजोरी या पोषण की कमी जैसी समस्याएं होने लगती हैं। ऐसे में सही मात्रा समझना बेहद जरूरी है।

नोएडा के डाइट मंत्रा क्लीनिक की डाइटिशियन कामिनी सिन्हा ने हृद्र2ह्य18 को बताया कि एक स्वस्थ वयस्क को एक दिन में 6 से 8 रोटियां खानी चाहिए। इससे शरीर को जरूरी कार्बोहाइड्रेट मिलता है। अगर आप चावल खाते हैं, तो एक कटोरी पके हुए चावल को लगभग 2 रोटियों के बराबर माना जाता है। अगर आप 4 रोटी खाते हैं, तो उसके साथ एक कटोरी चावल खा सकते हैं। इससे शरीर को जरूरी पोषक तत्व मिल जाएंगे। यह संतुलन इसलिए जरूरी है, ताकि शरीर को पर्याप्त एनर्जी मिले, लेकिन कार्ब्स की मात्रा कंट्रोल में रहे। जरूरत से ज्यादा कार्ब्स का सेवन करना भी नुकसानदायक होता है।

डाइटिशियन के मुताबिक, अगर आपका काम ज्यादा शारीरिक मेहनत वाला है, तो आपको थोड़ी ज्यादा कैलोरी की जरूरत होती है। ऐसे में आप एक दिन में 8 से 10 रोटियां खा सकते हैं। इसके अलावा, 2 कटोरी चावल का भी सेवन कर सकते हैं। अच्छी सेहत के लिए सिर्फ रोटी और चावल पर निर्भर रहना सही नहीं है। इनके साथ प्रोटीन से भरपूर फूड्स, सब्जियां और सलाद लेना बहुत जरूरी है। दाल, पनीर, अंडा या दही जैसे प्रोटीन सोर्स शरीर के लिए संतुलन बनाए रखते हैं। अगर प्लेट में कार्ब्स के साथ पर्याप्त प्रोटीन और फाइबर शामिल हो, तो पाचन बेहतर रहता है और भूख भी लंबे समय तक कंट्रोल रहती है।

एक्सपर्ट की मानें तो खाने का समय और तरीका भी मायने रखता है। रात में हल्का भोजन करना बेहतर माना जाता है, इसलिए रात के खाने में रोटी या चावल की मात्रा दिन की तुलना में कम रखनी चाहिए। दिन में शरीर ज्यादा एक्टिव रहता है, इसलिए ज्यादा मात्रा ली जा सकती है। धीरे-धीरे और अच्छी तरह चबाकर खाना भी पाचन के लिए बेहद जरूरी है। हालांकि, रोटी और चावल की सही मात्रा का कोई सटीक फॉर्मूला नहीं है, लेकिन संतुलन ही सबसे बड़ा नियम है। अपने शरीर की जरूरत को समझकर और लाइफस्टाइल के अनुसार रोटी और चावल का सेवन करना ही सबसे अच्छा है।

नारियल पानी VS गन्ने का रस: गर्मी में कौन है असली हाइड्रेशन किंग और किससे मिलेगी ज्यादा ताजगी और ताकत?

गर्मी शुरू होते ही शरीर जैसे खुद ही ठंडक की तलाश में लग जाता है। सड़क किनारे गन्ने के रस की मशीन हो या ठेले पर रखे ताजे नारियल— दोनों ही विकल्प हमें बार-बार अपनी तरफ खींचते हैं, लेकिन सवाल वही रहता है, आखिर इनमें से कौन सा पेय सच में शरीर को ज्यादा ठंडा और हाइड्रेट करता है? कई लोग स्वाद के आधार पर चुनाव करते हैं, तो कुछ लोग सेहत को ध्यान में रखते हैं। अगर आप भी कन्फ्यूज हैं कि इस गर्मी में क्या पीना ज्यादा फायदेमंद रहेगा, तो यह तुलना आपको एक साफ जवाब देने में मदद करेगी। यहां हम दोनों ड्रिंक्स के फायदे, असर और सही इस्तेमाल को आसान भाषा में समझेंगे।

नारियल पानी: हल्का, ताज़ा और हाइड्रेशन का मास्टर

नारियल पानी को अक्सर नेचुरल एनर्जी ड्रिंक कहा जाता है। इसमें पोटैशियम, सोडियम और मैग्नीशियम जैसे इलेक्ट्रोलाइट्स होते हैं, जो शरीर में पानी की कमी को जल्दी पूरा करते हैं। यही वजह है कि डॉक्टर भी डिहाइड्रेशन में इसे पीने की सलाह देते हैं।

क्यों है खास?

नारियल पानी पेट पर हल्का होता है और ज्यादा मीठा भी नहीं होता। इसलिए इसे पीने के बाद भारीपन महसूस नहीं होता। खासकर जब तेज धूप में बाहर से घर लौटते हैं, तो एक गिलास नारियल पानी शरीर को तुरंत राहत देता है। कई लोग वर्कआउट के बाद भी इसे पीना पसंद करते हैं, क्योंकि यह शरीर को जल्दी रिकवर करने में मदद करता है।

कब पीना बेहतर?

सुबह खाली पेट या दिन में किसी भी समय नारियल पानी पी सकते हैं। यह उन लोगों के लिए भी अच्छा है जिन्हें ज्यादा मीठा या शुगर से बचना होता है।

गन्ने का रस: तुरंत एनर्जी का देसी फॉर्मूला

गन्ने का रस गर्मियों में सबसे ज्यादा बिकने वाला ड्रिंक है। इसका मीठा स्वाद और ठंडा असर लोगों को तुरंत आकर्षित करता है। इसमें नेचुरल शुगर होती है, जो शरीर को झट से एनर्जी देती है।

क्या हैं इसके फायदे?

गन्ने का रस पीने से थकान तुरंत दूर हो जाती है। अगर आप लंबे समय तक धूप में रहे हैं या बहुत ज्यादा काम किया है, तो यह ड्रिंक आपको तुरंत ताकत देता है। इसमें कुछ मात्रा में फाइबर और मिनरल्स भी होते हैं, जो पाचन में मदद करते हैं।

कब पीना सही?

दोपहर के समय या जब आपको जल्दी एनर्जी चाहिए, तब गन्ने का रस अच्छा विकल्प है। हालांकि, ज्यादा मात्रा में पीने से शुगर का लेवल बढ़ सकता है, इसलिए संतुलन जरूरी है।

कौन ज्यादा हाइड्रेट करता है?

अगर बात सिर्फ हाइड्रेशन की हो, तो नारियल पानी आगे निकल जाता है। इसमें मौजूद इलेक्ट्रोलाइट्स शरीर को जल्दी हाइड्रेट करते हैं और पानी की कमी को संतुलित रखते हैं।

कौन देता है ज्यादा ठंडक?

दोनों ही ड्रिंक्स ठंडक देते हैं, लेकिन नारियल पानी ज्यादा हल्का और फ्रेश फील देता है। वहीं, गन्ने का रस थोड़ा भारी हो सकता है, खासकर ज्यादा पीने पर।

एनर्जी के मामले में कौन आगे?

यहां गन्ने का रस जीतता है। इसमें मौजूद नेचुरल शुगर तुरंत एनर्जी देती है, जो नारियल पानी में कम होती है।

रोजमर्रा की जिंदगी से एक उदाहरण

मान लीजिए आप दोपहर में बाजार से लौटे हैं और बहुत थक गए हैं—ऐसे में गन्ने का रस आपको तुरंत राहत देगा। वहीं, अगर आप पूरे दिन घर से बाहर हैं और बार-बार प्यास लग रही है, तो नारियल पानी ज्यादा बेहतर रहेगा।

पश्चिम बंगाल में भाजपा की पहली जीत या ममता की टीएमसी का चौथा कार्यकाल? चार संभावित परिदृश्यों का विश्लेषण

2026 पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव: 2026 के विधानसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच कड़ा और सीधा मुकाबला देखने को मिला। राज्य में फलता, मगराहाट और डायमंड हार्बर के कुछ मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान भी हुआ।

एग्जिट पोल से निष्कर्ष

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव मूलतः टीएमसी बनाम भाजपा की सीधी लड़ाई बन गया है। 91 प्रतिशत से अधिक मतदान प्रतिशत इस बात का संकेत देता है कि परिणाम अप्रत्याशित हो सकते हैं।

सरकार गठन के परिदृश्य

अंतिम सरकार गठन इस बात पर निर्भर करेगा कि 294 सदस्यीय विधानसभा में कौन-सी पार्टी 148 सीटों के बहुमत के आंकड़े तक पहुंचती है। फलता सीट, जहां 21 मई को पुनर्मतदान होगा और 24 मई को परिणाम आएगा, उसका नतीजा सोमवार को घोषित नहीं किया जाएगा।

परिदृश्य 1: भाजपा को बहुमत

कई एग्जिट पोल संकेत देते हैं कि भाजपा राज्य के इतिहास में पहली बार बहुमत का आंकड़ा पार कर सकती है। इसे 'परिवर्तन की लहर' और सत्ता विरोधी रुझान का परिणाम बताया जा रहा है। पार्टी नेतृत्व, जिसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शामिल हैं, ने निर्णायक जनादेश मिलने का विश्वास जताया है।

इसके पक्ष में क्या: कुछ क्षेत्रों में सत्ता विरोधी माहौल भाजपा के पक्ष में गया हो सकता है। आक्रामक चुनाव अभियान और कल्याणकारी वादों से शहरी और सीमावर्ती जिलों में बढ़त मिलने के संकेत हैं।

यदि ऐसा होता है, तो बंगाल में पहली भाजपा सरकार एक बड़ा राजनीतिक बदलाव साबित हो सकती है।

परिदृश्य 2: टीएमसी की वापसी

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एग्जिट पोल के अनुमानों को खारिज करते हुए उन्हें अविश्वसनीय बताया है। टीएमसी का दावा है कि वह लगातार चौथी बार सत्ता में वापसी करेगी। पार्टी के आंतरिक आकलन के अनुसार, उसे 226 तक सीटें मिल सकती हैं।

इसके पक्ष में क्या: मजबूत जमीनी संगठन और कल्याणकारी योजनाएं टीएमसी के पक्ष में रही होंगी। 2021 में मिली बड़ी जीत जैसी ऐतिहासिक बढ़त, ग्रामीण और अल्पसंख्यक मतदाताओं का समर्थन भी इसके लिए फायदेमंद माना जा रहा है।

यदि टीएमसी 148 का आंकड़ा पार करती है, तो ममता बनर्जी का मुख्यमंत्री के रूप में ऐतिहासिक वापसी संभव है।

परिदृश्य 3: त्रिशंकु विधानसभा

यदि न तो टीएमसी और न ही भाजपा 148 सीटों के बहुमत तक पहुंचती है, तो राज्य में त्रिशंकु विधानसभा की स्थिति बन सकती है। ऐसे में सरकार गठन के लिए गठबंधन की आवश्यकता पड़ेगी। वाम दल-कांग्रेस जैसे गठबंधन सक्रिय हैं, लेकिन अनुमानित परिणामों में छोटी पार्टियों और निर्दलीयों की भूमिका सीमित रह सकती है।

परिदृश्य 4: परिणाम में देरी

फलता सीट पर पुनर्मतदान के कारण अंतिम परिणाम में देरी हो सकती है। कड़े मुकाबले की स्थिति में पुनर्गणना और विवाद की संभावना भी बनी रह सकती है, जिससे सरकार गठन में कुछ अतिरिक्त समय लग सकता है।

ईरान के तेल कुएं 'फटने वाले हैं' जैसा ट्रंप का दावा? क्या इन्हें बंद किया जा सकता है?

हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक साक्षात्कार में कहा कि यदि तेहरान के पास तेल के भंडारण की जगह समाप्त हो जाती है, तो उसके तेल कुएं फट सकते हैं। उनका कहना था कि तेल अपने स्वाभाविक दबाव से लगातार बाहर आता रहता है, जिसे पाइपलाइनों के माध्यम से निकालना आवश्यक होता है।

ट्रंप का आकलन

अमेरिका ने ईरान के आसपास समुद्र में नाकेबंदी स्थापित कर दी है। इसका अर्थ है कि ईरान जहाजों के माध्यम से अपना तेल निर्यात नहीं कर सकता। ट्रंप का संकेत था कि ईरान को अंततः झुकना पड़ेगा, क्योंकि उसके भंडारण टैंक पहले से ही भरे हुए हैं। यदि ईरान तेल निर्यात नहीं कर पाएगा, तो उसकी आय का प्रमुख स्रोत बंद हो जाएगा।

आय के अभाव में ईरान को अमेरिका के साथ वार्ता करने और परमाणु समझौता करने के लिए विवश होना पड़ेगा, जिसमें वह परमाणु हथियार न बनाने का आश्वासन देगा। स्पष्ट है कि यदि ईरान तेल नहीं बेच पाएगा, तो उसकी आय बाधित हो जाएगी।

तेल कहाँ से आता है?

तेल पृथ्वी की सतह के नीचे गहराई में, कठोर चट्टानों की मोटी परतों के नीचे फंसा होता है। इसे ऐसे समझें जैसे प्रेशर कुकर में गैस और तेल दबाव में हों और ऊपर चट्टानें ढक्कन का काम कर रही हों। जब कुआं खोदा जाता है, तो यह ऐसे होता है जैसे किसी गुब्बारे में सुई चुभो दी जाए—तेल दबाव के कारण बाहर आने लगता है।

कुआं एक गहरा छेद होता है, जो कभी-कभी 5 से 10 किलोमीटर तक नीचे जाता है। तेल चट्टानों की सूक्ष्म जगहों में वैसे ही भरा होता है जैसे स्पंज में पानी। मशीनों से ड्रिलिंग की जाती है, छेद को मजबूत करने के लिए पाइप डाले जाते हैं, और नीचे छोटे-छोटे छिद्र बनाए जाते हैं ताकि तेल बाहर आ सके। ऊपर वाल्व लगाए जाते हैं, जिनसे प्रवाह को नियंत्रित किया जाता है।

चट्टानों के भार, नीचे की गर्मी और गैस के कारण तेल पर अत्यधिक दबाव होता है। जब कुएं को खोला जाता है, तो यही दबाव तेल को बाहर धकेलता है, कभी-कभी फव्वारे की तरह ऊपर उछाल देता है, जैसा पुरानी फिल्मों में दिखाया जाता है। शुरुआत में लगभग 5 से 15 प्रतिशत तेल इसी प्राकृतिक दबाव से निकल आता है, लेकिन जैसे-जैसे तेल निकाला जाता है, दबाव कम होने लगता है।

ईरान प्रतिदिन लगभग 30 से 32 लाख बैरल तेल का उत्पादन करता है। समय के साथ दबाव कम होने पर पंपों का उपयोग किया जाता है या पानी और गैस डालकर दबाव बढ़ाया जाता है, ताकि अधिक तेल निकाला जा सके। सभी कुओं में अत्यधिक दबाव नहीं होता; कुछ में अधिक पंपिंग की आवश्यकता होती है। ईरान के कई कुएं पुराने हैं, इसलिए उनमें दबाव कम है, जबकि कुछ नए कुओं में अभी भी पर्याप्त दबाव है।

क्या दबाव के कारण तेल कुएं फट सकते हैं?

विशेषज्ञों के अनुसार यह दावा सही नहीं है कि कुएं को बंद करने पर वह दबाव के कारण फट जाएगा। ट्रंप का यह कथन अन्य विशेषज्ञों द्वारा समर्थित नहीं है। कुओं को बंद करने से कुछ समस्याएं हो सकती हैं।

मच्छर भगाने वाली क्रीम: क्या यह त्वचा को नुकसान पहुंचाती है या स्वास्थ्य की रक्षा करती है?

भारत में डेंगू और मलेरिया जैसी मच्छर जनित बीमारियों के बढ़ते मामलों के बीच मच्छर भगाने वाली क्रीम अब दैनिक जीवन का आवश्यक हिस्सा बन गई है। फिर भी एक सवाल बना रहता है—क्या ये क्रीम धीरे-धीरे हमारी त्वचा को नुकसान पहुंचा रही हैं?

त्वचा रोग विशेषज्ञों के अनुसार इसका उत्तर सीधा 'हाँ' या 'नहीं' में नहीं है, बल्कि स्थिति अधिक जटिल है।

चिकित्सकीय और सार्वजनिक स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से देखा जाए तो मच्छर भगाने वाली क्रीम के लाभ इसके जोखिमों से कहीं अधिक हैं। त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रियांका कुरी के अनुसार, डीईईटी, पिकारिडिन और आईआर3535 जैसे सक्रिय तत्वों पर व्यापक शोध किया गया है और निर्देशानुसार उपयोग करने पर इन्हें सुरक्षित माना जाता है। वर्ष 2025-2026 तक के शोध और नियामक आकलन भी इनके सुरक्षित होने की पुष्टि करते हैं।

हालांकि, 'सुरक्षित' का अर्थ यह नहीं है कि इनके कोई दुष्प्रभाव नहीं होते। संवेदनशील त्वचा वाले कुछ लोगों में हल्की जलन, लालिमा या चकत्ते हो सकते हैं, विशेषकर जब इनका अत्यधिक या बार-बार उपयोग किया जाए। यह समस्या उत्पाद की मूल प्रकृति से अधिक उसके निर्माण और उपयोग के तरीके से जुड़ी होती है।

विशेषज्ञ एक महत्वपूर्ण पहलू पर भी ध्यान दिलाते हैं—जोखिम का संतुलन। मच्छर जनित बीमारियों के बढ़ते खतरे को देखते हुए, इन क्रीमों का उपयोग न करना कहीं अधिक गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा कर सकता है। सही तरीके से उपयोग करने पर एलर्जी की संभावना बहुत कम होती है, जबकि संक्रमण का खतरा कहीं अधिक बड़ा होता है।

दिलचस्प बात यह है कि 'प्राकृतिक' या हर्बल क्रीम की ओर बढ़ता रुझान जरूरी नहीं कि अधिक सुरक्षित हो। ये क्रीम भले ही हल्की लगें, लेकिन अक्सर इनका प्रभाव कम समय तक रहता है।

अमेरिका चीन की ड्रोन वर्चस्व को तोड़ना चाहता है, लेकिन यह इतना आसान क्यों नहीं

अमेरिका इस समय ड्रोन उत्पादन में चीन की भारी बढ़त को समाप्त करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन उसे संरचनात्मक, आर्थिक और आपूर्ति-श्रृंखला से जुड़ी बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

कारण 1: पैमाने और लागत का अंतर

अमेरिकी रक्षा विभाग ने 1.1 अरब डॉलर के 'ड्रोन वर्चस्व' जैसे महत्वाकांक्षी कार्यक्रम शुरू किए हैं, फिर भी वैश्विक वाणिज्यिक ड्रोन उत्पादन का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा चीन के नियंत्रण में है।

मुख्य समस्या तकनीकी क्षमता नहीं, बल्कि औद्योगिक पैमाना है। ड्रोन बनाना अपेक्षाकृत सरल होता है, लेकिन चीन का विशाल विनिर्माण तंत्र उन्हें बहुत कम लागत पर बड़े पैमाने पर उत्पादन करने की क्षमता देता है।

अमेरिका में सैन्य उपयोग के लिए बनाए जाने वाले क्वाडकॉप्टर ड्रोन की कीमत 15,000 डॉलर या उससे अधिक होती है, जो समान चीनी ड्रोन की तुलना में कम से कम तीन गुना अधिक है।यूक्रेन युद्ध ने बड़े पैमाने पर ड्रोन की आवश्यकता को स्पष्ट किया है, जहां हर महीने लगभग 10,000 ड्रोन इस्तेमाल हो रहे हैं। अमेरिकी उत्पादन अभी इतनी मात्रा को टिकाऊ लागत पर पूरा करने में सक्षम नहीं है।

कारण 2: आपूर्ति-श्रृंखला पर नियंत्रण

ड्रोन के महत्वपूर्ण घटकों—जैसे मोटर, सेंसर और दुर्लभ धातु चुंबक—के लिए चीन प्रमुख स्रोत बना हुआ है।

2024 के अंत में चीन ने अमेरिका की प्रमुख ड्रोन निर्माता कंपनी स्काइडियो को काली सूची में डाल दिया, क्योंकि उसने ताइवान को ड्रोन बेचे थे। इसके बाद कंपनी को बैटरियों की आपूर्ति सीमित करनी पड़ी, क्योंकि वह चीनी आपूर्तिकर्ताओं से कट गई थी। इससे यह स्पष्ट होता है कि चीन अपनी आपूर्ति-श्रृंखला की ताकत का उपयोग प्रतिस्पर्धियों को कमजोर करने के लिए कर सकता है। 1 जनवरी 2027 से लागू होने वाले नए अमेरिकी नियमों के तहत अमेरिकी हथियार प्रणालियों में चीनी मूल के दुर्लभ खनिजों के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया जाएगा।

श्रेया घोषाल ने खोले अपनी गायकी के अनकहे राज

मुंबई। हाल ही में अपने 'ऑल हार्ट्स टूर' का लाइव एल्बम जारी करने वाली मशहूर प्लेबैक सिंगर श्रेया घोषाल ने बताया कि वह भारत की अलग-अलग भाषाओं में गाते समय बारीकियों को कैसे समझती हैं।

उन्होंने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि उनके लिए सीखने की प्रक्रिया कभी खत्म नहीं होती। वह गाने में आवाज की अभिव्यक्ति और छोटी-छोटी बातों का खास ध्यान रखती हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी किसी ऐसे व्यक्ति से कुछ सीखा है जो संगीत के क्षेत्र से जुड़ा हुआ नहीं है और उसे अपने गाने में इस्तेमाल किया है, तो उन्होंने कहा कि ऐसा अक्सर होता रहता है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि ऐसा लगातार होता रहता है। मैं क्षेत्रीय स्तर पर बहुत काम करती हूं। मैंने शुरुआत से ही क्षेत्रीय भाषाओं में गाना गाया है। इसलिए जब मुझे कोई तमिल गाना या मलयालम गाना गाना होता है, तो जैसे ही पूरी टीम स्टूडियो में आती है, मैं उनकी बॉडी लैंग्वेज, उनके बोलने के लहजे या वे हर शब्द कैसे बोलते हैं, उसका बारीकी से अध्ययन करती हूं। लोगों को देखकर और समझकर मुझे उन भाषाओं के गानों के करीब पहुंचने में मदद मिलती है।'

उन्होंने आईएएनएस को बताया, 'मैं यह सब उन लोगों से सीखती हूं जो वहां मौजूद होते हैं। इसमें टीम से जुड़े सभी लोग शामिल हैं। खासकर उस गाने के रचनाकार और कोई भी ऐसा व्यक्ति जो उस भाषा को जानता हो या उस गाने की कहानी जानता हो। इसलिए मैं लगातार सीखती रहती हूं। मुझे लगता है कि यह सिर्फ़ भाषा तक ही सीमित नहीं है। श्रेया ने उदाहरण देते हुए यह बताया कि अगर किसी गाने में लोक संगीत के तत्व होते हैं, तो वह अपने मन में उससे जुड़े उदाहरण याद करती हैं। जैसे अगर गाना गुजराती लोक शैली का है, तो वह सोचती हैं कि अगर उसे उस शैली के प्रसिद्ध गायक गाते, तो कैसे गाते। इसी तरह वह अलग-अलग स्रोतों से प्रेरणा लेती रहती हैं, जो उनके गायन में मदद करता है।

इस बीच, उनका 'ऑल हार्ट्स टूर' लाइव एल्बम सोनी म्यूजिक इंडिया के तहत जारी किया गया है।

रश्मिका मंदाना ने बहन शिमान को जन्मदिन पर दी बधाई

मुंबई। अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने शनिवार को अपनी छोटी बहन शिमान मंदाना को 13वें जन्मदिन पर एक प्यारी सी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए शुभकामनाएं दीं।

अपनी छोटी बहन को उसके खास दिन पर गले लगाते हुए रश्मिका ने फोटो शेयरिंग ऐप पर लिखा, 'मेरी प्यारी, तुम्हें 13वें जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। 13 साल की उम्र मजेदार होती है, इसलिए खूब मजे करो। मैं तुमसे बहुत प्यार करती हूं, मेरी प्यारी। ढेर सारा प्यार भरा आलिंगन।'

फिल्म 'एनिमल' की अभिनेत्री की नवीनतम पोस्ट में उनकी बहन की जन्मदिन के केक के साथ पोज देते हुए कुछ प्यारी तस्वीरें भी शामिल हैं। साथ ही, केक से सने उनके चेहरे का क्लोज-अप शॉट भी देखने को मिलता है।

बता दें कि रश्मिका और उनकी बहन के बीच उम्र का बहुत बड़ा अंतर है, जो कि 16 साल का है। 'पुष्पा' की अभिनेत्री ने कई मौकों पर यह बात कही है कि वह शिमान को अपनी बेटी की तरह मानती हैं।शिमान को हाल ही में उदयपुर में रश्मिका और अभिनेता विजय देवरकोंडा की शादी में शामिल होते हुए देखा गया था।

अपने पेशेवर प्रतिबद्धताओं के बारे में बात करते हुए रश्मिका जल्द ही रवींद्र पुल्ले की बहुप्रतीक्षित एक्शन थ्रिलर 'मैसा' में मुख्य भूमिका में नजर आएंगी।

हाल ही में, टीम ने केरल में 15 दिवसीय कार्ययोजना शुरू की है।

इससे पहले आईएएनएस ने बताया था कि रश्मिका ने इस एक्शन से भरपूर शेड्यूल के दौरान फिल्माए जाने वाले दृश्यों में अभिनय करने के लिए बैंकॉक, थाईलैंड में एक गहन स्टंट और कॉम्बैट बूटकैंप में कठोर प्रशिक्षण लिया था।

सूत्रों के अनुसार, 'द गर्लफ्रेंड' की अभिनेत्री ने बैंकॉक में 'मायसा' के लिए प्रतिदिन आठ घंटे से अधिक का प्रशिक्षण लिया।

रश्मिका अपनी अगली फिल्म में एक आदिवासी गोंड लड़की की भूमिका निभाती नजर आएंगी।

रश्मिका के साथ-साथ, 'मैसा' की मुख्य कास्ट में ईश्वरी राव, गुरु सोमासुंदरम, और राव रमेश भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में शामिल हैं, साथ ही अन्य कलाकार भी हैं।

परिवार के रीयूनियन को देख भावुक हुईं आरती सिंह, बोलीं- 'गलतफहमियों ने दूर कर दिया था, अब सब ठीक हो गया'

मुंबई। टीवी अभिनेत्री आरती सिंह अपने भाई कृष्णा अभिषेक, भाभी कश्मीरा शाह और मामी सुनीता आहूजा को लंबे समय बाद साथ देख भावुक हो उठी। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट साझा किया, जिसमें उन्होंने हाल ही में टेलिकास्ट हुए शो 'लाफ्टर शेफ्स' के एक एपिसोड की कुछ तस्वीरें साझा कीं। इस एपिसोड में सुनीता आहूजा स्पेशल गेस्ट बनकर सेट पर पहुंचीं थी।

लंबे समय बाद परिवार के लोगों को एक साथ देखकर आरती भावुक हो गईं। उन्होंने पोस्ट में लिखा, ''जब मैंने यह एपिसोड देखा तो मेरी आंखों से आंसू बहने लगे। बाकी लोगों के लिए यह सिर्फ 'मामी डे' वाला स्पेशल एपिसोड रहा होगा, लेकिन मेरे लिए यह कई सालों से देखे गए एक सपने के पूरा होने जैसा था। हमारा परिवार पहले बहुत खुश और एक-दूसरे से जुड़ा हुआ था। सभी लोग प्यार से साथ रहते थे लेकिन समय के साथ कुछ गलतफहमियां और नाराजगी रिश्तों में आ गईं, जिससे दूरियां बढ़ गईं।''

आरती ने कहा, ''समय कभी-कभी रिश्तों को बिगाड़ देता है लेकिन जब सही वक्त आता है तो सब कुछ फिर ठीक भी हो जाता है। परिवार का यह रीयूनियन मेरे दिल का सबसे बड़ा सपना था। जिस तरह यह सब हुआ, उसने मुझे अंदर तक भावुक कर दिया।''

आरती ने कृष्णा अभिषेक और कश्मीरा शाह की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, 'दोनों ने जिस तरह माफी मांगी, वह पूरी तरह सच्ची और दिल से थी। मैं दोनों को बहुत अच्छे से जानती हूं और समझ सकती हूं कि उनके इमोशन्स कितने सच्चे थे। मैंने सुनीता मामी और गोविंदा मामा को बहुत याद किया। उनसे भी ज्यादा टीना और यश को।' आरती ने कहा, ''मैं भगवान से यही प्रार्थना करती हूं कि कभी भी गुस्सा या गलतफहमियां इतनी बड़ी न हो जाएं कि परिवार के लोगों को सालों तक एक-दूसरे से दूर रहना पड़े। परिवार के बड़े लोग घर की जड़ की तरह होते हैं। वह हमेशा जोड़कर रखते हैं और उनका सम्मान करना बेहद जरूरी होता है। मामी और मामा ने हमेशा हमें अपने बच्चों की तरह प्यार दिया है।अपने पोस्ट के आखिर में आरती सिंह ने कहा, ''मैं इस रीयूनियन से बेहद खुश हूं और भगवान का धन्यवाद करती हूं। अब मुझे उस दिन का इंतजार है जब पूरा परिवार फिर से एक साथ खुशी-खुशी तस्वीरें खिंचवाएगा।

बॉलीवुड एक्टर सलमान खान ने 'टोपी' का जिक्र करके फैंस को दी खास सलाह

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर सलमान खान ने सोशल मीडिया पर अपनी लेटेस्ट पोस्ट के जरिए कुछ प्रेरणादायक बातें और सलाह शेयर किया है। इस पोस्ट की यूजर्स ने खूब तारीफ भी की।

'बजरंगी भाईजान' फेम अभिनेता ने इंस्टाग्राम हैंडल पर तस्वीरों की एक सीरीज पोस्ट की, जहां वह एक साधारण काली टी-शर्ट के साथ क्लासिक ब्लैक फेडोरा में बेहद खूबसूरत दिख रहे हैं। इस पोस्ट के साथ सलमान खान ने खास कैप्शन लिखा, जिसने यूजर्स का ध्यान खींचा।

सलमान ने लिखा, 'थिंकिंग, ये है कोई भी फील्ड में। सोच लो, समझ लो, क्लियर हो जाओ, फैसला लो और सब भूल के आगे बढ़ो और टोपी से याद आया, टोपी खुद पहनो, किसी को पहनाओ नहीं, न किसी को पहनाने दो। 'टोपी' के जरिए सलमान खान ने ईमानदारी और सत्यनिष्ठा जैसे गुणों के महत्व पर जोर दिया। सलमान ने इस बात की ओर इशारा किया कि न तो किसी को धोखा देना चाहिए और न ही किसी को खुद को गुमराह करने देना चाहिए।

उनकी पोस्ट पर सोशल मीडिया यूजर्स ने मजेदार कमेंट्स किए। एक यूजर ने लिखा, 'सलमान खान, मैं आपका बहुत बड़ा फैन हूं। आपकी प्यारी तस्वीरें देखने के बाद मेरा रविवार बेहद खास हो गया।'

दूसरे यूजर ने लिखा, 'आप बेहद फिट और हैंडसम लग रहे हैं।'

एक अन्य यूजर ने कमेंट किया, 'मेरी जान, मेरा प्यार, मेरा आइडल, मेरा भाई... मैं अपने आइडल से हमेशा प्यार करता रहूंगा।' कई यूजर्स ने सलमान खान की तस्वीर की तारीफ की और कमेंट्स किए, 'कोई इतना हैंडसम कैसे हो सकता है। आई लव यू। वर्कफ्रंट की बात करें तो सलमान खान इस समय अपनी बहुचर्चित अगली फिल्म 'मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस' में व्यस्त हैं। इस फिल्म का निर्देशन अपूर्व लाखिया कर रहे हैं। जबकि, चित्रांगदा सिंह सलमान खान के अपोजिट दिखाई देंगी। फिल्म की बात करें तो यह गलवान घाटी में भारतीय सैनिकों और चीनी सैनिकों के साथ झड़प पर आधारित है। इस फिल्म में सलमान खान का एक्शन अवतार दिखाई देगा। इस फिल्म का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

'फिर वे चीजें आपकी नहीं रहती', जब करीना के 'कल हो ना हो' छोड़ने पर प्रीति जिंटा ने दी थी प्रतिक्रिया

मुंबई। बॉलीवुड की दुनिया में कई बार ऐसी फिल्में बनती हैं, जिनसे जुड़े किस्से सालों बाद भी लोगों के बीच चर्चा का विषय बने रहते हैं। बॉलीवुड की सुपरहिट फिल्म 'कल हो ना हो' को लेकर भी कुछ ऐसी चर्चा लंबे समय तक बनी रही है। अब इस फिल्म से जुड़ा एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें प्रीति जिंटा करीना कपूर के बयान पर बेबाक तरीके से अपनी बात रखती नजर आ रही है।

इंटरनेट पर वायरल हो रहा वीडियो 'कॉफी विद करण' शो का है, जिसे मशहूर फिल्म निर्माता करण जौहर होस्ट करते हैं। बातचीत के दौरान करण जौहर ने प्रीति जिंटा से उस चर्चा पर सवाल किया, जिसमें कहा जाता रहा कि फिल्म 'कल हो ना हो' के लिए पहले करीना कपूर खान को चुना गया था।

दरअसल, रिपोर्ट्स के मुताबिक, करीना कपूर को पहले यह फिल्म ऑफर की गई थी, लेकिन बात फीस को लेकर अटक गई। कहा जाता है कि करीना ने फिल्म के लिए उतनी ही फीस मांगी थी, जितनी फिल्म के स्टार शाहरुख खान को दी जा रही थी। इसके बाद मामला आगे नहीं बढ़ पाया और फिल्म प्रीति जिंटा को मिल गई।

करण जौहर ने शो में प्रीति से पूछा, ''करीना इस फिल्म की पहली पसंद थीं, उनकी जगह आपको कास्ट किया गया। आपको असल में कैसा लगा?'' इस सवाल का जवाब प्रीति जिंटा ने बेहद सरल तरीके से दिया।

उन्होंने एक उदाहरण देते हुए कहा, ''अगर कोई व्यक्ति दुकान में जाकर जींस पहनकर देखता है, लेकिन उसे खरीदता नहीं है, तो वह जींस उसकी नहीं हो जाती। लेकिन अगर बाद में कोई दूसरा व्यक्ति उसे खरीद लेता है, तो वह असल में उसी की ही कहलाती है।

जापानः 11 दिन बाद काबू में आई जंगल की आग, 1,633 हेक्टेयर क्षेत्र जलकर खाक

टोक्यो। जापान के उत्तर-पूर्वी हिस्से में लगी भीषण जंगल की आग 11 दिनों बाद काबू में आई। स्थानीय अधिकारियों और फायर एजेंसी के अनुसार, इस आग में 1,633 हेक्टेयर क्षेत्र जलकर खाक हो गया, जो पिछले 30 वर्षों में दूसरी सबसे बड़ी घटना बताई जा रही है।

जल कर खाक हुआ इलाका न्यूयॉर्क शहर के सेंट्रल पार्क के आकार से लगभग पांच गुना बड़ा है।

जापानी न्यूज एजेंसी क्योदो के अनुसार, आग 22 अप्रैल को ओत्सुची (इवाते प्रीफेक्चर) में शुरू हुई थी। अग्नि एवम् आपदा प्रबंधन एजेंसी के मुताबिक, इस दौरान कुल आठ इमारतें भी जलकर नष्ट हो गईं।

ओत्सुची के मेयर कोजो हिरानो ने कहा, 'फायर अधिकारियों के साथ मौके

का दौरा करने के बाद हमें सूचित किया गया कि स्थिति को अब 'कंट्रोल में' माना जा सकता है।' फायर अधिकारियों के साथ इलाके का दौरा करने के बाद उन्हें 'बताया गया कि... आग पर काबू पा लिया गया है।'

उन्होंने आग पर काबू पाने का क्रेडिट हवाई और जमीनी फायरफाइटिंग ऑपरेशन के साथ-साथ भारी बारिश को दिया। हालांकि उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अभी भी सतर्क रहने की जरूरत है, क्योंकि कहीं-कहीं अंगारे बचे हो सकते हैं।

क्षेत्र में लगातार बारिश होने के बाद हालात में सुधार आया और इस सप्ताह की शुरुआत में लोगों के लिए जारी किए गए निकासी आदेश भी हटा लिए गए।

गौरतलब है कि पिछले साल भी इवाते प्रीफेक्चर के ओफुनातो में जंगल की आग लगी थी (2,600 हेक्टेयर), जिसे जापान के जंगल में लगी दूसरे सबसे बड़ी आग की घटना माना गया। इससे पहले 1975 में होक्काइडो के उत्तरी द्वीप कुशिरो में 2,700 हेक्टेयर जमीन आग की भेंट चढ़ गई थी। वहीं वैज्ञानिक इसे क्लाइमेट चेंज को मानते हैं। जिनका मानना है कि ड्राई वींटर्स की मियाद लंबी होती है और इस दौरान सूखे से जंगल में आग लगने का खतरा बढ़ जाता है।

श्रीलंका : पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे पर भ्रष्टाचार का आरोप, आयोग ने किया तलब

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे और सांसद पियंकारा जयरत्ने को रिश्वत या भ्रष्टाचार के आरोपों से जुड़े मामलों में जांच के लिए रिश्वत-विरोधी आयोग ने तलब किया है।

विभिन्न मीडिया आउटलेट्स के अनुसार, दोनों नेताओं को 'कमिशन टू इन्वेस्टिगेट एलिगेशंस ऑफ ब्राइबरी ऑर करप्शन' (सीआईएबीओसी) के समक्ष पेश होने के लिए नोटिस जारी किया गया है। यह आयोग श्रीलंका में भ्रष्टाचार के मामलों की जांच करने वाली प्रमुख संस्था है।

'न्यूजवायरएलके' और 'अडाडेराना' के अनुसार, एक प्रमुख एयरबस विमान खरीद घोटाले के बारे में बयान दर्ज कराने के लिए दोनों को तलब किया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, समन उन मामलों से संबंधित है जिनमें कथित तौर पर पद के दुरुपयोग और वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों की जांच की जा रही है। हालांकि, आरोपों के विस्तृत ब्योरे सार्वजनिक नहीं किए गए हैं।

न्यूजफर्स्ट और तमिल गार्जियन के अनुसार, जांच से पता चलता है कि सौदे से 60 मिलियन रुपए से अधिक का भुगतान उन्हें किया गया था। दोनों को श्रीलंकाई एयरलाइंस खरीद समझौते में भ्रष्टाचार के संबंध में बयान दर्ज करने के लिए 12 मई को बुलाया गया है। रिपोर्टों का हवाला देते हुए, श्रीलंकाई एयरलाइंस के एक पूर्व सीईओ ने आरोप लगाया कि 60 मिलियन रुपए किश्तों में महिंदा राजपक्षे को दिए गए थे, और पूर्व सिविल एविएशन मिनिस्टर प्रियंकारा जयरत्ने को 20 मिलियन दिए गए थे।

संक्षिप्त खबर

नेपाल के पीएम बालेंद्र शाह सुर्खियों में, 1,594 राजनीतिक नियुक्तियां की गईं रद्द

काठमांडू। नेपाल सरकार का एक फैसला चर्चा में है। शनिवार को राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल ने एक आदेश जारी किया, जिससे पिछले साल की गई 1,594 राजनीतिक नियुक्तियों को रद्द कर दिया गया।

द काठमांडू पोस्ट के अनुसार, इस कदम से नेपाल के प्रशासनिक महकमे में उथल-पुथल मच गई है। विश्वविद्यालयों, सरकारी कंपनियों, नियंत्रक इकाइयों, परिषद, बोर्ड्स, रिसर्च इंस्टीट्यूट और मीडिया संगठनों के अधिकारियों को निकाल दिया गया है, जिससे कई संस्थान बिना नेतृत्व के रह गए हैं। हाल के सालों में सबसे बड़े प्रशासनिक बदलावों में से एक बताया गया, 'ऑर्डिनेंस ऑन स्पेशल प्रोविजन्स रिलेटिंग टू द रिमूवल ऑफ पब्लिक ऑफिशियल्स फ्रॉम ऑफिस, 2026' का यह प्रावधान कहता है कि 26 मार्च से पहले की गई सभी नियुक्तियां स्वत: समाप्त हो जाएंगी, चाहे उनका समय, फायदे, या नियुक्तियों की शर्तें कुछ भी हों।

दस्तावेजों में कहा गया कि, 'मौजूदा कानूनों में कहीं और लिखी किसी भी बात के बावजूद, 26 मार्च से पहले तय शेड्यूल के हिसाब से पब्लिक संस्थाओं में नियुक्त और अभी पद पर बैठे सरकारी अधिकारी इस ऑर्डिनेंस के लागू होने पर अपने-आप अपने पदों से हटा दिए जाएंगे।'

हालांकि, इतने सारे अधिकारियों को हटाने के इस बड़े कदम से, नए लीडरशिप की तुरंत नियुक्ति न होने पर इन संस्थाओं के कामकाज पर चिंता बढ़ गई है। यह ऑर्डिनेंस प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह की लीडरशिप वाली कैबिनेट की सिफारिश पर जारी किया गया था।

यह कदम 5 मार्च को हुए चुनावों के बाद आया है, जिसमें राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) निचले सदन यानी प्रतिनिधिमंडल में लगभग दो-तिहाई बहुमत के साथ सत्ता में आई थी। जब से इसके सीनियर लीडर, शाह को 26 मार्च को प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया है, नई सरकार ने एक के बाद एक अहम कदम उठाए हैं, जिससे कई लोग यह सोचने पर मजबूर हो गए हैं कि सरकार कितने बड़े बदलाव कर सकती है। प्रेसिडेंट पौडेल ने पहले सरकार की सिफारिश पर 30 अप्रैल को बुलाए गए पार्लियामेंट्री सेशन को सस्पेंड कर दिया था, जिससे ऑर्डिनेंस जारी करने का रास्ता साफ हो गया।

नई सरकार के कुछ काम विवादित रहे हैं, खासकर काठमांडू की नदियों के किनारे से अवैध कब्जा करके बैठे लोगों को जबरदस्ती हटाना, जिसमें उन्होंने झोपड़ियां और इमारतें बनाई थीं; उन्हें तोड़ दिया गया।

सरकार के समर्थकों का कहना है कि नदियों के किनारे कब्जा किए हुए कई फर्जी लोगों को हटाना जरूरी था। सरकार ने असल भूस्वामियों को बसाने का वादा किया था। कई असरदार और विवादित व्यवसायियों को मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों में जांच के लिए गिरफ्तार किया गया है। मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट में बदलाव के लिए एक और ऑर्डिनेंस भी जारी किया गया है, जिसका मकसद सत्ता में बैठे लोगों पर पहले से ज्यादा आसानी से केस चलाना है।

'इस्फहान यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी' में जहां हुई थी बमबारी वहां बनेगा 'वॉर म्यूजियम'

तेहरान। ईरान ने इस्फहान यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी में अमेरिकी-इजरायली हमलों से क्षतिग्रस्त हिस्से को 'वॉर म्यूजियम' में तब्दील करने की योजना बनाई है। अधिकारियों का कहना है कि यह कदम हालिया संघर्ष के दौरान वैज्ञानिक संस्थानों पर हुए हमले के दर्द को दर्शाने के लिए उठाया जा रहा है।

संस्थान के प्रमुख जफरोल्लाह कलांतरी ने बताया कि 'मौजूदा क्षतिग्रस्त स्थल को संरक्षित किया जाएगा और इसे वॉर म्यूजियम के रूप में विकसित किया जाएगा, ताकि यह देश के वैज्ञानिक दमन का ऐतिहासिक दस्तावेज बन सके।'

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के अन्य हिस्सों में नए भवनों के निर्माण और उन्नत उपकरणों की व्यवस्था के लिए अलग से स्थान चिन्हित किया गया है। सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए के अनुसार, प्रारंभिक आकलन में विश्वविद्यालय के बुनियादी ढांचे को करीब 1.1 करोड़ डॉलर का नुकसान हुआ है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, 28 फरवरी को ईरान के प्रमुख शहरों पर अमेरिका-इजरायल ने संयुक्त हमले किए थे। अगले 40 दिनों तक ये जारी रहा। मार्च माह में ही ईरान के एमआईटी (मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी) माने जाने वाले इस संस्थान को निशाने पर लिया गया। ईरानी अधिकारियों का दावा है कि देशभर में 30 से अधिक विश्वविद्यालयों को इन हमलों में नुकसान पहुंचा, जिनमें राजधानी तेहरान के संस्थान भी शामिल हैं। इसके अलावा रिहायशी इलाकों और अन्य नागरिक ढांचे को भी निशाना बनाए जाने की बात कही गई है। अमेरिका-इजरायल का मानना है कि प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में केवल ज्ञान-विज्ञान की बातें नहीं होतीं बल्कि उन घातक बैलिस्टिक मिसाइलों और शाहेद ड्रोनों का ब्लूप्रिंट निकलता है जो पूरी दुनिया के लिए खतरनाक है। 1974 में जब इसकी नींव रखी गई, तो इसे अमेरिकी तकनीकी शिक्षा की तर्ज पर ईरान को आधुनिक बनाने के लिए बनाया गया था।

काउंटर टेररिज्म ऑपरेशंस पर फोकस करेंगे भारत व कंबोडिया के जवान

नई दिल्ली। भारत व कंबोडिया काउंटर टेररिज्म ऑपरेशंस पर फोकस करने जा रहे हैं। यह भारत की सैन्य कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय सहयोग का एक महत्वपूर्ण आयाम है। इसके तहत रविवार को भारतीय सैन्य दल, भारत-कंबोडिया संयुक्त सैन्य युद्धाभ्यास 'सिनबैक्स-टी 2026' के लिए कंबोडिया रवाना हुआ है।

यह युद्धाभ्यास कंबोडिया में आयोजित किया जाएगा। यहां दोनों देशों के जवान आतंकवाद-रोधी अभियानों, जंगल एवं अर्ध-शहरी क्षेत्रों में ऑपरेशन व समन्वित रणनीतियों पर मिलकर अभ्यास करेंगे। दोनों देशों का यह संयुक्त अभ्यास भारतीय सेना और रॉयल कंबोडियन आर्मी के बीच बढ़ते रक्षा सहयोग का महत्वपूर्ण प्रतीक है। सिनबैक्स का मुख्य उद्देश्य कंपनी स्तर पर संयुक्त प्रशिक्षण के माध्यम से सब-कन्वेंशनल (अपरंपरागत) वातावरण में सैन्य अभियानों को और अधिक प्रभावी बनाना है।

इस अभ्यास के दौरान सैनिक एक-दूसरे के अनुभवों से सीखेंगे, आधुनिक तकनीकों और रणनीतियों का आदान-प्रदान करेंगे और जमीनी स्तर पर तालमेल को मजबूत करेंगे। खास बात यह है कि इसमें काउंटर-टेररिज्म ऑपरेशंस पर विशेष जोर दिया जाएगा। रक्षा विशेषज्ञ मानते हैं कि काउंटर-टेररिज्म ऑपरेशंस आज के वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य में बेहद महत्वपूर्ण है। गौरतलब है कि सिनबैक्स केवल एक सैन्य अभ्यास भर नहीं, बल्कि भारत की उस व्यापक सोच का हिस्सा है, जिसमें वह क्षेत्रीय और वैश्विक शांति के लिए सक्रिय भूमिका निभा रहा है।

टोक्यो ट्रायल पर सीजीटीएन सर्वे के मुख्य आंकड़े

बीजिंग। वर्ष 2026 सुदूर पूर्व के लिए अंतरराष्ट्रीय सैन्य अदालत के खुलने की 80वीं वर्षगांठ है। इस मौके पर चाइना मीडिया ग्रुप के अधीन सीजीटीएन ने वैश्विक नेटिजनों के बीच एक सर्वे किया। इस सर्वे के मुख्य आंकड़े निम्न हैं, 81.8 प्रतिशत उत्तरदाताओं के विचार में जापान के ऐतिहासिक संशोधनवाद और नई किस्म वाले सैन्यवाद का मिश्रण तेजी से चल रहा है। 64.1 प्रतिशत उत्तरदाताओं के विचार में सुदूर पूर्व के लिए अंतरराष्ट्रीय सैन्य अदालत ने जापानी सैन्यवाद के ऐतिहासिक अपराधों का व्यवस्थित पर्दाफाश किया और उन को सजा दी है। 88.3 प्रतिशत लोगों का विचार है कि जापानी दक्षिणपंथी शक्ति इधर कुछ साल टोक्यो ट्रायल के परिणाम पलटने की कोशिश कर रही है और उसका उद्देश्य सैन्य विस्तार और संविधान के संशोधन के लिए मार्ग को प्रशस्त बनाना है। 77.9 प्रतिशत लोगों का विचार है कि जापान में कथित जापान के सशर्त आत्म समर्पण का कथन ऐतिहासिक हकीकत के विपरीत है, जो साफ झूठ है। 80.9 प्रतिशत लोगों का विचार है कि टोक्यो ट्रायल बर्बरता पर सभ्यता और दुष्टता पर न्याय की महान विजय है।

दक्षिण लेबनान में इजरायली हमले जारी, आईडीएफ ने कई इलाकों को खाली करने का दिया आदेश

बेरूत। इजरायल और लेबनान के बीच बढ़ते तनाव के बीच इजरायली डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने दक्षिणी लेबनान के टायर जिले में कई स्थानों पर गोले बरसाए। इससे पहले इजरायल ने 12 कस्बों और गांवों के निवासियों को चेतावनी जारी कर संभावित हमलों के मद्देनजर अपने घर खाली करने को कहा था।

लेबनान की सरकारी समाचार एजेंसी एनएनए (नेशनल न्यूज एजेंसी) ने बताया कि इजरायली तोपों ने टायर जिले के विभिन्न इलाकों को निशाना बनाया। हमलों में फ्रून और घंदूरियेह नगरपालिकाओं के साथ-साथ अल-मंसूरी, कलाइला और माजदल जौन की पहाड़ियों के बाहरी क्षेत्र शामिल हैं।

स्थानीय रिपोर्ट्स के अनुसार, गोलाबारी के कारण इन क्षेत्रों में दहशत का माहौल है और कई लोग सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन कर रहे हैं। हालांकि, अब तक किसी के हताहत की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

इससे पहले इजरायली सेना ने चेतावनी जारी करते हुए दक्षिणी लेबनान के 12 इलाकों में हमले की जानकारी दी थी और निवासियों को तुरंत वहां से हटने को कहा था। इसे संभावित सैन्य कार्रवाई की तैयारी के रूप में देखा जा रहा है। आदेशानुसार लोगों से कहा गया कि वे अपने घरों से करीब 1,000 मीटर दूर खुले इलाकों में शिफ्ट हो जाएं। दावा किया गया कि कार्रवाई हिज्बुल्लाह के खिलाफ ऑपरेशन का हिस्सा है।

यह घटनाक्रम क्षेत्र में पहले से मौजूद तनाव को और बढ़ा सकता है। अमेरिका की मध्यस्थता से इजरायल और लेबनान के बीच जो सीजफायर हुआ था, वह अप्रैल के बीच में लागू हुआ था। अब इसे मई के बीच तक बढ़ा दिया गया है। हालांकि इस दौरान भी हमले कम नहीं हुए हैं। रुक-रुक कर जमीनी कार्रवाई जारी है।

दक्षिण में, इजरायल के पास अपनी हमलावर सेना के पांच डिवीजन मौजूद हैं। वह बड़े पैमाने पर बमबारी कर रहा है और घरों को ध्वस्त कर रहा है। आईडीएफ ने रविवार को जिन कस्बों-गांवों को खाली कराने की बात की थी उनमें से तीन ऐसे थे जिन्हें ऐसी स्थिति का सामना करना पड़ा।

पिछले एक साल में अफगानिस्तान में हुई प्रेस की स्वतंत्रता के उल्लंघन की कम से कम 150 घटनाएं : रिपोर्ट

काबुल। अफगानिस्तान में पिछले एक साल के दौरान प्रेस की आजादी और पत्रकारों के अधिकारों के कम से कम 150 उल्लंघन के मामले सामने आए हैं। यह जानकारी अफगानिस्तान जर्नलिस्ट्स सेंटर (एएफजेसी) ने दी है। स्थानीय मीडिया ने रविवार को यह खबर दी।

एएफजेसी के मुताबिक, मई 2025 से अप्रैल 2026 के बीच दर्ज किए गए ये मामले बताते हैं कि अफगानिस्तान में पत्रकारिता की स्थिति लगातार खराब हो रही है और मीडिया संकट गहरा रहा है। अफगानिस्तान स्थित 'अमू टीवी' ने यह रिपोर्ट दी है। विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर जारी इस रिपोर्ट में कहा गया है कि इस अवधि में पत्रकारों पर सेंसरशिप, पाबंदियां और दबाव काफी बढ़ गए हैं। इन 150 मामलों में से 127 मामलों में पत्रकारों और मीडिया कर्मियों को धमकियां दी गईं, जबकि 20 मामलों में उन्हें हिरासत में लिया गया। इनमें से 4 पत्रकार अभी भी जेल में हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, इस अवधि के दौरान पाकिस्तानी हवाई हमलों में अफगानिस्तान के सरकारी रेडियो और टेलीविजन के दो कर्मचारियों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि कुल मामलों की संख्या पिछले साल से कम है, लेकिन हालात ज्यादा गंभीर हो गए हैं। इसकी वजह 2021 में तालिबान के सत्ता में आने के बाद लागू की गई नीतियां हैं। रिपोर्ट में मीडिया के कामकाज पर लगाई गई कई पाबंदियों को उजागर किया गया है। इसमें कहा गया है कि जीवित प्राणियों की तस्वीरें प्रसारित करने पर लगी रोक को आठ और प्रांतों तक बढ़ा दिया गया है।

ईरान की इजाजत के बिना कोई भी जहाज होर्मुज स्ट्रेट से नहीं गुजर सकता: ईरानी सेना

तेहरान। ईरान का दावा है कि उनकी सेना इस समय होर्मुज स्ट्रेट पर पूरा नियंत्रण रखे हुए है। ईरान की सेना के प्रवक्ता मोहम्मद अकरमीनिया ने कहा कि सेना की अनुमति के बिना कोई भी जहाज इस रास्ते से नहीं गुजर सकता, चाहे वह दोस्त देश का हो या दुश्मन का।

ईरानी मीडिया द्वारा प्रसारित उनके बयानों के फुटेज के अनुसार, अकरमिनिया ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट को नियंत्रित करना ईरान का 'एक स्वाभाविक अधिकार' है, लेकिन पिछले कई सालों से उसने इस अधिकार का इस्तेमाल नहीं किया था। उन्होंने कहा, 'वर्तमान में, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड कोर पश्चिम में और देश की सेना पूर्व में पूरी शक्ति के साथ इस स्ट्रेट को नियंत्रित कर रही है, और कोई भी जहाज - चाहे वह मित्र हो या शत्रु - हमारी सेनाओं की अनुमति और अधिकार के बिना यहां से गुजरने का अधिकार नहीं रखेगा। इस बीच, अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी 'फ़ार्स' ने ईरान के उप विदेश मंत्री हामिद घनबारी के हवाले से कहा कि कई देश घबराए हुए हैं और लगातार ईरान को संदेश और पत्र भेजकर अपने जहाजों को इस रास्ते से गुजरने की अनुमति मांग रहे हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, 28 फरवरी से ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट पर सख्ती बढ़ा दी है। उसने उन जहाजों को सुरक्षित रास्ता देने से मना कर दिया है, जो इजरायल और अमेरिका से जुड़े हैं। यह कदम ईरान पर हुए संयुक्त हमलों के बाद उठाया गया। इससे पहले गुरुवार को ईरान के सर्वोच्च नेता मोज्तबा खामेनेई ने कहा कि फारस की खाड़ी और होर्मुज स्ट्रेट में एक नया दौर शुरू हो रहा है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने बच्चों में मधुमेह पर जारी किया व्यापक मार्गदर्शन दस्तावेज

नई दिल्ली। बाल स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने हाल ही में संपन्न सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा वितरण में सर्वोत्तम प्रथाओं पर राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन में बच्चों में मधुमेह पर मार्गदर्शन दस्तावेज जारी किया।

यह मार्गदर्शन दस्तावेज पहली बार बचपन के मधुमेह की जांच, निदान, उपचार और दीर्घकालिक प्रबंधन के लिए एक संरचित और मानकीकृत राष्ट्रीय ढांचा स्थापित करता है। इस पहल से भारत उन चुनिंदा देशों में शामिल हो जाता है, जिन्होंने बचपन में मधुमेह की देखभाल को सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली में एकीकृत किया है।

इस दस्तावेज का उद्देश्य जन्म से 18 वर्ष तक के सभी बच्चों की सार्वभौमिक जांच सुनिश्चित करना है, जिसमें सामुदायिक और विद्यालय-आधारित प्लेटफार्मों के माध्यम से शीघ्र पहचान शामिल है। संदिग्ध मामलों में तत्काल रक्त शर्करा परीक्षण किया जाएगा, जिसके बाद पुष्टिकरण निदान और उपचार के लिए जिलास्तरीय स्वास्थ्य केंद्रों में समय पर रेफरल किया जाएगा।

इस ढांचे की एक प्रमुख विशेषता सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्रों पर एक व्यापक, निशुल्क देखभाल पैकेज का प्रावधान है। इसमें स्क्रीनिंग, निदान सेवाएं, आजीवन इंसुलिन थेरेपी, ग्लूकोमीटर और टेस्ट स्ट्रिप्स जैसे निगरानी उपकरण और नियमित फॉलोअप देखभाल शामिल हैं। इस दृष्टिकोण का उद्देश्य वित्तीय बोझ को कम करना और मधुमेह से पीड़ित बच्चों के लिए निर्बाध उपचार सुनिश्चित करना है। मार्गदर्शन दस्तावेज में एक एकीकृत देखभाल प्रणाली भी प्रस्तुत की गई है, जो सामुदायिक स्तर की स्क्रीनिंग को जिला अस्पताल आधारित प्रबंधन और मेडिकल कॉलेजों में उन्नत देखभाल से जोड़ती है। यह समन्वय सुनिश्चित करता है कि कोई भी बच्चा प्रणाली से वंचित न रह जाए और निदान से लेकर दीर्घकालिक फॉलोअप तक देखभाल निर्बाध रूप से जारी रहे। शीघ्र निदान को बढ़ावा देने के लिए यह पहल '4टी' जागरूकता ढांचे को प्रोत्साहित करती है। शौचालय, प्यास, थकान और पतलापन - जिससे माता-पिता, शिक्षक और देखभालकर्ता टाइप 1 मधुमेह के शुरुआती चेतावनी संकेतों को पहचान सकें।

क्लीनिकल प्रोटोकॉल के अलावा, दस्तावेज परिवार और देखभालकर्ताओं के सशक्तीकरण पर जोर देता है। यह इंसुलिन प्रशासन, रक्त शर्करा निगरानी, आपातकालीन प्रतिक्रिया और दैनिक रोग प्रबंधन पर संरचित प्रशिक्षण प्रदान करता है। इसमें साक्ष्य-आधारित उपचार दिशानिर्देश, नियमित निगरानी कार्यक्रम और जटिलताओं को रोकने के प्रोटोकॉल भी शामिल हैं।

इस पहल से सार्वजनिक स्वास्थ्य को महत्वपूर्ण लाभ मिलने की उम्मीद है, जिसमें शीघ्र निदान के कारण मृत्यु दर में कमी, जटिलताओं की रोकथाम और प्रभावित बच्चों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार शामिल है। दीर्घकालिक रूप से यह स्वास्थ्य देखभाल लागत को कम करने और बच्चों में गैर-संक्रामक रोगों के प्रबंधन के लिए स्वास्थ्य प्रणाली की क्षमता को मजबूत करने में योगदान देगा।

देशभर में नीट यूजी 2026 परीक्षा आयोजित पहली बार परीक्षा देने पहुंचे छात्र

नई दिल्ली। देशभर में रविवार को नीट यूजी 2026 परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है, जिसे लेकर छात्रों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। पंजाब से लेकर उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु तक परीक्षा केंद्रों के बाहर बड़ी संख्या में अभ्यर्थी पहुंचे। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच परीक्षा को शांतिपूर्ण और सुचारू तरीके से आयोजित किया जा रहा है।

पंजाब के अमृतसर में बड़ी संख्या में छात्र परीक्षा देने के लिए केंद्रों पर पहुंचे। वहीं मोगा में दो परीक्षा केंद्रों पर करीब 1,100 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए। यहां एक छात्र ने आईएएनएस से कहा, 'मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं। मैंने दो साल तक कड़ी मेहनत की है, लेकिन फिर भी थोड़ा नर्वस हूं।'

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में परीक्षा केंद्रों के बाहर भारी भीड़ देखने को मिली। सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे, ताकि किसी भी तरह की गड़बड़ी न हो। एक अभ्यर्थी ने बताया, 'मैं पहली बार नीट परीक्षा दे रहा हूं। मैंने ज्यादा लंबे समय तक तैयारी नहीं की, लेकिन उम्मीद है पेपर अच्छा जाएगा।'

प्रयागराज में भी परीक्षा एक ही शिफ्ट में दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित की जा रही है। यहां छात्रों में उत्साह के साथ-साथ सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम भी नजर आए। एक अभ्यर्थी ने कहा, 'हम यहां परीक्षा देने आए हैं। व्यवस्था काफी अच्छी है और नकल रोकने के लिए कई सुरक्षाकर्मी तैनात हैं।'

तमिलनाडु के कोयंबटूर में 16 परीक्षा केंद्रों पर कुल 7,181 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हो रहे हैं। एक छात्र ने बताया, 'मैंने स्कूल में हुई परीक्षाओं के आधार पर तैयारी की है, खासकर केमिस्ट्री और बायोलॉजी पर ज्यादा ध्यान दिया। मेरे माता-पिता का पूरा सहयोग मिला, जिससे पढ़ाई अच्छे से हो पाई।'

वहीं सलेम में 21 परीक्षा केंद्रों पर 9,288 अभ्यर्थी परीक्षा दे रहे हैं। यहां भी सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रखी गई है और परीक्षा शांतिपूर्ण तरीके से जारी है। देशभर में नीट यूजी 2026 परीक्षा कड़े सुरक्षा इंतजामों के बीच संपन्न हो रही है। लाखों छात्रों के भविष्य से जुड़ी इस परीक्षा को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क है, वहीं छात्र भी पूरे आत्मविश्वास और उम्मीद के साथ परीक्षा में शामिल हो रहे हैं।

एमपी ट्रांसको ने जुलवानिया सब स्टेशन में ऊर्जीकृत किया 40 एमवीए क्षमता का ट्रांसफार्मर: ऊर्जा मंत्री तोमर

भोपाल। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि मध्य प्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने बड़वानी जिले की ट्रांसमिशन नेटवर्क को सुदृढ़ता प्रदान करते हुए 220 केवी सब स्टेशन जुलवानिया में 40 एमवीए क्षमता का पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित कर ऊर्जीकृत किया है।

इस ट्रांसफार्मर के ऊर्जीकृत होने से बड़वानी जिले की ट्रांसफार्मेसन कैपेसिटी बढ़कर 2642 एमवीए की हो गई है, वहीं जुलवानिया सब स्टेशन की क्षमता बढ़कर 423 एमवीए की हो गई है। मंत्री तोमर ने बताया कि जुलवानिया 220 केवी सब स्टेशन में वर्तमान और भविष्य में बढते लोड को देखते हुए 20 एमवीए क्षमता के पावर ट्रांसफार्मर के स्थान पर दोगनी क्षमता का ट्रांसफार्मर स्थापित कर ऊर्जीकृत किया गया है। इस क्षमता वृद्धि से जुलवानिया से जुड़े हजारों घरेलू, कृषि विद्युत उपभोक्ताओं को सीधा लाभ होगा अब उन्हें और अधिक गुणवत्ता की विद्युत आपूर्ति उपलब्ध रहेगी।

एमपी ट्रांसको के अधीक्षण अभियंता सुरेंद्र सोलंकी ने बताया कि 220 केवी सब स्टेशन जुलवानिया से 33 केवी के छह फीडरों के माध्यम से विद्युत आपूर्ति की जाती है। इनमें राजपुर, सेंधवा, नागलवाड़ी, मनवाड़ा, जुलवानिया एवं सेगांव शामिल हैं।

मध्य प्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी बड़वानी जिले में अपने 9 सब स्टेशनों के माध्यम से विद्युत पारेषण करती है जिनमें 400 केवी जुलवानिया की क्षमता 1490 एमवीए, 220 केवी के दो सब स्टेशन जुलवानिया 423 एमवीए एवं सेंधवा 223 एमवीए एवं 132 केवी के 6 सब स्टेशन सेंधवा 113 एमवीए, शाहपुरा 40 एमवीए, बड़वानी 123 एमवीए, पानसेमल 90 एमवीए, पाटी 50 एमवीए, अंजड 90 एमवीए की ट्रांसफार्मेशन क्षमता शामिल हैं, जिनकी कुल ट्रांसफारमेशन क्षमता 2642 एमवीए की है।

हैदराबाद और साइबराबाद में नशे में गाड़ी चलाने के आरोप में 700 से ज्यादा लोग पकड़े गए

हैदराबाद। हैदराबाद और साइबराबाद में ट्रैफिक पुलिस ने वीकेंड पर चलाए गए विशेष अभियान के दौरान नशे में गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। इस अभियान में कुल 700 से ज्यादा लोगों को पकड़ा गया।

हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने 1 और 2 मई को दो दिन का विशेष अभियान चलाया, जिसमें 445 ड्राइवर नशे की हालत में वाहन चलाते पकड़े गए। इनमें 371 दोपहिया वाहन चालक, 26 तीन पहिया चालक और 48 चारपहिया व अन्य वाहन चालक शामिल हैं।

पुलिस ने इन आरोपियों को उनके ब्लड अल्कोहल कंसंट्रेशन (बीएसी) के आधार पर अलग-अलग श्रेणियों में बांटा। जॉइंट कमिश्नर ऑफ पुलिस (ट्रैफिक) के अनुसार, 99 मामलों में बीएसी स्तर 30-50 एमजी/100 एमएल पाया गया, 173 मामलों में 51-100, 100 मामलों में 101-150, 42 मामलों में 151-200, 11 मामलों में 201-250, 12 मामलों में 251-300 और 8 मामलों में 300 से अधिक दर्ज किया गया। वहीं, साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस ने भी वीकेंड पर विशेष अभियान चलाते हुए 283 लोगों को नशे में वाहन चलाते हुए पकड़ा। इनमें 227 दोपहिया चालक, 9 तीनपहिया चालक, 39 चार पहिया चालक और 8 भारी वाहन चालक शामिल हैं।

साइबराबाद पुलिस के अनुसार, 222 लोगों का बीएसी स्तर 36 से 200 एमजी/100 एमएल के बीच था, 33 लोगों का 201 से 300 एमजी/100 एमएल के बीच और 28 लोगों का 301 से 550 एमजी/100 एमएल के बीच पाया गया।

पुलिस ने बताया कि सभी आरोपियों को कोर्ट में पेश किया जाएगा। एडिशनल कमिश्नर ऑफ पुलिस जी. हनमंथा राव ने कहा कि नशे में वाहन चलाना एक गंभीर अपराध है। अगर कोई व्यक्ति नशे की हालत में वाहन चलाते हुए किसी की मौत का कारण बनता है, तो उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 105 के तहत मामला दर्ज किया जाएगा।

जब सरकार दमनकारी हों, तब अंबेडकर का संविधान ही बनता है ढाल : पवन खेड़ा

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के दिल्ली पहुंचने पर समर्थकों ने जोरदार स्वागत किया। यह स्वागत ऐसे समय हुआ जब उन्हें सुप्रीम कोर्ट से अग्रिम जमानत मिली है। यह जमानत असम पुलिस द्वारा दर्ज उस एफआईआर के मामले में दी गई, जो हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी रिंकी भुइयां सरमा की शिकायत पर दर्ज की गई थी।

शिकायत में खेड़ा पर आरोप लगाया गया था कि उन्होंने रिंकी भुइयां सरमा के पास कई पासपोर्ट होने का दावा किया था। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा, सुप्रीम कोर्ट से मुझे जो राहत मिली है, वह बाबासाहेब अंबेडकर द्वारा लिखे गए संविधान की वजह से है। हमें पूरा भरोसा है कि इन दमनकारी सरकारों के खिलाफ एक निर्णायक जनादेश दिया जाएगा। राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, प्रियंका गांधी और हम सभी लगातार चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल उठा रहे हैं, लेकिन वह कभी भी इसका जवाब देने की जहमत नहीं उठाता।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा, 'संविधान हमेशा संकटमोचक बनकर सामने आता है। जब भी कोई व्यक्ति मुश्किल में होता है या किसी दमनकारी सरकार के खिलाफ लड़ रहा होता है, तो बी.आर. अंबेडकर का संविधान ही उसकी मदद करता है। सुप्रीम कोर्ट से मुझे जो राहत मिली है, वह भी इसी संविधान की वजह से है।'

उन्होंने कहा, 'सुप्रीम कोर्ट ने मुझे जमानत दी। उस जमानत से पूरे देश को एक साफ संदेश जाता है कि जब भी किसी आम नागरिक के अधिकारों का हनन सरकार के द्वारा किया जाता है, तब बाबासाहेब अंबेडकर का संविधान उसकी रक्षा में जरूर आता है। मेरी रक्षा में भी आया।' कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा जब भी किसी सरकार द्वारा किसी आम नागरिक, यहां तक कि विपक्ष के भी अधिकारों का उल्लंघन किया जाएगा, तो बाबा साहेब अंबेडकर का संविधान निश्चित रूप से उनकी रक्षा के लिए आगे आएगा, और वह मेरी रक्षा के लिए भी आगे आएगा।

उत्तर प्रदेश : बलिया में गंगा स्नान के दौरान 4 लोग डूबे, सीएम योगी ने लिया घटना पर संज्ञान

बलिया। उत्तर प्रदेश के बलिया में गंगा नदी में नहाते समय 4 लोग डूब गए, जबकि दो लोगों को नाविकों ने बचा लिया है। पुलिस चारों लापता लोगों को मछुवारों की मदद से खोजने का प्रयास कर रही है। इस घटना पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया है और अधिकारियों को जल्द से जल्द लापता लोगों को ढूंढने के निर्देश दिए हैं।

शुरुआती जानकारी के अनुसार, बलिया जिले के थाना कोतवाली क्षेत्र के श्रीरामपुर घाट पर हादसा हुआ है। रविवार को मुंडन संस्कार के लिए लोग पहुंचे हुए थे। गंगा नदी के नहाते समय 6 युवक और युवती अचानक पानी में डूब गए। इससे घाट पर अफरातफरी मच गई।

आनन-फानन में स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी और गोताखोरों की टीम को भी बुलाया गया। हालांकि, तब तक कुछ नाविकों ने नदी में डूबे एक युवक और एक युवती को बचा लिया। हालांकि, 4 लोगों को कोई पता नहीं चल पाया।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि कुछ युवक और युवतियां गंगा नदी में नहा रहे थे। इसी दौरान एक का पैर फिसल गया और वो डूबने लगे। उसी को बचाने में तीन और भी डूब गए। मछुवारों और गोताखोरों की मदद से उनकी तलाश की जा रही है।

वहीं, मुख्यमंत्री कार्यालय ने जानकारी दी कि बलिया के श्रीरामपुर घाट में 6 लोगों के डूबने की घटना पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया है। सीएम कार्यालय के अनुसार, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंच कर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही, उन्होंने अधिकारियों को लापता लोगों को जल्द से जल्द ढूंढने के निर्देश दिए।

बलिया की यह घटना ऐसे समय हुई है, जब हाल ही में मध्य प्रदेश के जबलपुर में बरगी बांध जलाशय में डूबने से कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई। बरगी डैम में 30 अप्रैल को हादसा हुआ। यहां तेज हवाओं के चलते एक क्रूज जलाशय में डूब गया। साथ ही, उसमें सवार लोग भी पानी में डूब गए थे।

बीटैक की डिग्री, चलाता था ट्यूशन सेंटर फिर अपराध की दुनिया में रखा कदम

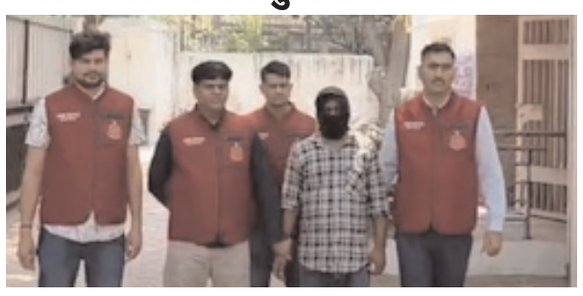

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ से एक कुख्यात अपराधी ललित उर्फ मोदी को गिरफ्तार किया है। यह अपराधी स्वरूप नगर पुलिस स्टेशन के मकोका मामले में वांछित था और साथ ही दिल्ली में हथियारों से की गई 8 लूट के मामलों में 'घोषित अपराधी' भी था।

दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि आरोपी 2019 से अपनी गिरफ्तारी से बच रहा था। वह 19 जघन्य मामलों में शामिल है, जिनमें अलीगढ़ में हुई एक सनसनीखेज हत्या, हथियारों से की गई कई लूट और 2024 में दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल व उत्तर प्रदेश पुलिस के साथ हुई एक मुठभेड़ शामिल है। उसकी आपराधिक गतिविधियों की गंभीरता और संगठित प्रकृति को समझते हुए दिल्ली पुलिस ने एक टीम का गठन किया था।

अमृतसर में अंतरराष्ट्रीय हथियार तस्करी के बड़े मॉड्यूल का भंडाफोड़, चार आरोपी गिरफ्तार

अमृतसर। अमृतसर में पंजाब पुलिस को बड़ी कामयाबी हासिल हुई है। कमिश्नरेट पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय हथियार तस्करी के एक बड़े मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से सात अत्याधुनिक पिस्तौल बरामद की हैं।

बरामद हथियारों में 2 ग्लॉक 9एमएम पिस्तौल (ऑस्ट्रिया निर्मित), .30 बोर की चार पिस्तौल (चीन निर्मित) और .30 बोर की एक अन्य पिस्तौल शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, ये सभी हथियार काफी आधुनिक और खतरनाक हैं, जिनका इस्तेमाल आपराधिक गतिविधियों में किया जा सकता था। पंजाब पुलिस के डीजीपी कार्यालय की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी पाकिस्तान में बैठे तस्करों के संपर्क में थे। ये संपर्क सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिए स्थापित किए गए थे। आरोपी वहां से अवैध हथियारों की खेप मंगवाते थे और फिर उन्हें पंजाब में सक्रिय आपराधिक गिरोहों तक पहुंचाने का काम करते थे। यह नेटवर्क काफी संगठित और सुनियोजित तरीके से काम कर रहा था। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क की गहराई से जांच कर रही है, ताकि इसके आगे और पीछे के लिंक का पता लगाया जा सके और इसमें शामिल अन्य लोगों की पहचान कर उन्हें भी गिरफ्तार किया जा सके।

जम्मू-कश्मीर : उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने नशा-विरोधी अभियान शुरू किया, नार्को-आतंकवाद के प्रति 'जीरो टॉलरेंस'

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को श्रीनगर शहर में एक बड़े नशा-विरोधी मार्च का नेतृत्व किया। इस दौरान उन्होंने दोहराया कि सरकार नशे की तस्करी और नशे से जुड़े आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस' अपनाए हुए है और इसमें कोई ढील नहीं दी जाएगी।

मनोज सिन्हा ने कहा कि यह अभियान तब तक चलता रहेगा, जब तक केंद्र शासित प्रदेश में नशे की तस्करी करने वाला या नशा बेचने वाला एक भी व्यक्ति मौजूद है।

उन्होंने श्रीनगर में नशीले पदार्थों के दुरुपयोग और नार्को-आतंकवाद के खिलाफ एक बड़ा अभियान शुरू किया और जम्मू-कश्मीर से इस बुराई को जड़ से खत्म करने के प्रशासन के संकल्प को फिर से दोहराया। इस अभियान का मकसद नशे के फैलाव को रोकना, नशे के नेटवर्क को तोड़ना और क्षेत्र में बढ़ते नशा-आतंक के खतरे से निपटना है।

अधिकारियों के अनुसार, इस अभियान में पुलिस और अन्य एजेंसियां मिलकर काम करेंगी। साथ ही लोगों को जागरूक किया जाएगा और कड़ी निगरानी रखी जाएगी, ताकि नशा बेचने वालों और उनके नेटवर्क की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जा सके। उपराज्यपाल ने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई में सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने युवाओं, समाज के लोगों और समुदाय के नेताओं से इसमें सक्रिय भागीदारी करने की अपील की।उन्होंने फिर दोहराया कि प्रशासन नशीले पदार्थों की तस्करी और उससे जुड़ी गतिविधियों में शामिल लोगों के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाएगा। यह अभियान जम्मू-कश्मीर प्रशासन की उस बड़ी योजना का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य समाज को नशा मुक्त बनाना और युवाओं का भविष्य सुरक्षित करना है।

पृथ्वी के अस्तित्व के लिए जरूरी है सूर्य, जानें सूरज की रोशनी से कैसे बनती है बिजली? कैसे काम करता है 'सोलर पावर'

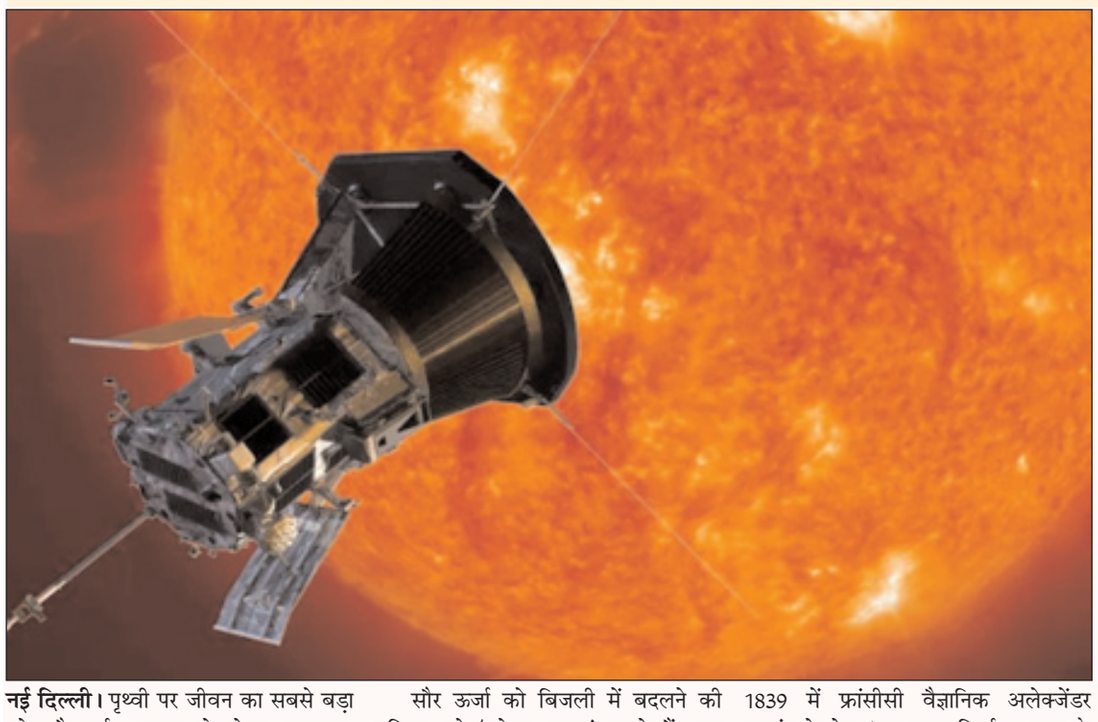

नई दिल्ली। पृथ्वी पर जीवन का सबसे बड़ा स्रोत है सूर्य। अनाज से लेकर जलवायु, मौसम नियंत्रण तक में इसकी भागीदारी है। पूरी मानव जाति एक साल में जितनी ऊर्जा इस्तेमाल करती है, उतनी ऊर्जा सूर्य सिर्फ एक घंटे में पृथ्वी को दे देता है। जलवायु परिवर्तन के इस दौर में जब दुनिया ऊर्जा संकट और प्रदूषण से जूझ रही है, तब सूर्य की रोशनी से बिजली बनाने वाली सौर ऊर्जा सबसे सस्ता, साफ और अनलिमिटेड विकल्प बनकर उभरी है। 3 मई को हर साल अंतरराष्ट्रीय सूर्य दिवस मनाया जा रहा है, जो सौर ऊर्जा के महत्व को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है।

सौर ऊर्जा को बिजली में बदलने की प्रक्रिया को 'सोलर पावर' कहते हैं। यह तकनीक लगभग 200 साल पुरानी है, लेकिन आज यह घरों से लेकर अंतरिक्ष तक पहुंच चुकी है।

सोलर पावर न सिर्फ बिजली पैदा करती है बल्कि पर्यावरण को भी बचाती है क्योंकि इसमें कोई धुआं, प्रदूषण या आवाज नहीं होती। सिर्फ सूरज की रोशनी काफी है।

अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के अनुसार, सोलर पावर का मतलब है सूरज की रोशनी को बिजली में बदलना। यह प्रक्रिया 'फोटोवोल्टिक इफेक्ट' पर आधारित है। सन 1839 में फ्रांसीसी वैज्ञानिक अलेक्जेंडर एडमंड बेकरेल (उस समय सिर्फ 19 साल के थे) ने सबसे पहले इस प्रभाव की खोज की। वे अपने पिता की लैब में प्रयोग कर रहे थे। जब उन्होंने रोशनी पर काम किया तो बिजली का करंट पैदा हुआ।

यही घटना सोलर पावर की नींव बनी।वैज्ञानिक बताते हैं कि सोलर पैनल मुख्य रूप से सिलिकॉन नामक सामग्री से बनाए जाते हैं। सिलिकॉन एक सेमीकंडक्टर है, यानी यह बिजली को आसानी से कंट्रोल कर सकता है। एक सामान्य सोलर सेल में सिलिकॉन की तीन पतली परतें होती हैं। बीच वाली परत प्योर सिलिकॉन की होती है। ऊपरी और निचली परतों में थोड़े अलग तत्व मिलाए जाते हैं जैसे एक तरफ फास्फोरस और दूसरी तरफ बोरॉन।

जब सूरज की रोशनी इन परतों पर पड़ती है तो सिलिकॉन के अंदर मौजूद इलेक्ट्रॉन उत्तेजित हो जाते हैं और घूमने लगते हैं। ये इलेक्ट्रॉन एक परत से दूसरी परत की ओर खिंचते हैं। इससे एक तरफ नेगेटिव चार्ज और दूसरी तरफ पॉजिटिव चार्ज जमा होता है। दोनों तरफ तार लगाकर सर्किट बनाया जाता है।

इलेक्ट्रॉन इस सर्किट से बहते हुए बिजली पैदा करते हैं जो हम इस्तेमाल कर सकते हैं।खास बात है कि इस पूरी प्रक्रिया में कोई धुआं, प्रदूषण या आवाज नहीं होती। सिर्फ सूरज की रोशनी चाहिए होती है और बीजली पैदा हो जाती है। सोलर पैनल इतने उपयोगी हैं कि स्पेस एजेंसी इन्हें अंतरिक्ष यानों में भी इस्तेमाल करते हैं। नासा के अनुसार, जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप भी सोलर पैनल से ही बिजली प्राप्त करता है।

नासा लगातार सोलर टेक्नोलॉजी को बेहतर बनाने का काम कर रहा है। अंतरिक्ष में सोलर पावर की शुरुआत की बात करें तो सोलर सेल का पहला सफल इस्तेमाल 1958 में हुआ था। अमेरिका ने मार्च 1958 में वैंगार्ड-1 नाम का पहला सोलर पावर से चलने वाला सैटेलाइट लॉन्च किया। इससे पहले स्पुतनिक और एक्सप्लोरर-1 जैसे सैटेलाइट सिर्फ बैटरी पर चलते थे और कुछ हफ्तों में बंद हो जाते थे, लेकिन वैंगार्ड-1 ने छह साल तक डाटा भेजा। आज सोलर पावर घरेलू बिजली, स्ट्रीट लाइट, पानी के पंप और बड़े-बड़े सोलर पार्क में इस्तेमाल हो रहा है।

गर्मियों में आम खाना क्यों माना जाता है सेहत का खजाना? जानिए इसे खाने का सही समय

नई दिल्ली। गर्मियों में बच्चों से लेकर बड़ों तक, लगभग हर किसी का पसंदीदा फल आम होता है। यह सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद माना जाता है। अगर आम को सही मात्रा और सही तरीके से खाया जाए तो यह शरीर को कई जरूरी पोषक तत्व देता है। यही वजह है कि आम को फलों का राजा कहा जाता है।

वैज्ञानिक रिसर्च के अनुसार, आम में कई ऐसे पोषक तत्व पाए जाते हैं जो शरीर को अंदर से मजबूत बनाने में मदद करते हैं। इसमें विटामिन-सी, विटामिन-ए, विटामिन-ई, फाइबर, पोटेशियम, मैग्नीशियम और कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट मौजूद होते हैं। ये तत्व शरीर की रोगों से लड़ने की ताकत बढ़ाने के साथ-साथ त्वचा, आंखों, दिल और पाचन तंत्र को भी स्वस्थ रखने में मदद करते हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि गर्मियों में शरीर जल्दी थक जाता है और पानी की कमी होने लगती है। ऐसे में आम शरीर को ऊर्जा देने का काम करता है।

आम में मौजूद विटामिन-सी शरीर की इम्यूनिटी मजबूत करने में मदद करता है। इससे शरीर संक्रमण और मौसमी बीमारियों से लड़ने में बेहतर तरीके से काम करता है। वहीं, इसमें पाया जाने वाला विटामिन-ए आंखों की रोशनी के लिए फायदेमंद होता है। यह त्वचा को भी स्वस्थ रखने में मदद करता है। आम में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट शरीर की कोशिकाओं को नुकसान से बचाने में मदद कर सकते हैं।

आम में फाइबर की मात्रा भी अच्छी होती है। यही कारण है कि इसे पाचन के लिए फायदेमंद माना जाता है। सही मात्रा में आम खाने से कब्ज जैसी समस्याओं में राहत मिल सकती है। इसके अलावा, इसमें मौजूद पोटेशियम दिल की सेहत को बेहतर रखने में मदद करता है और शरीर में पानी का संतुलन बनाए रखने में भी सहायक माना जाता है।विशेषज्ञों का कहना है कि आम खाने का सबसे अच्छा समय दिन का पहला हिस्सा माना जाता है। सुबह या दोपहर में आम खाने से शरीर को ऊर्जा मिलती है और यह लंबे समय तक ताजगी महसूस कराता है। हालांकि रात में बहुत ज्यादा आम खाने से कुछ लोगों को भारीपन या पाचन से जुड़ी परेशानी हो सकती है।डॉक्टर यह भी सलाह देते हैं कि आम का सेवन हमेशा संतुलित मात्रा में करना चाहिए, क्योंकि इसमें प्राकृतिक शुगर होती है, इसलिए जरूरत से ज्यादा खाने पर शरीर में कैलोरी बढ़ सकती है।

डिहाइड्रेशन से बचाव का आसान उपाय 'ओआरएस', शरीर में बनाता है नमक-पानी का संतुलन

नई दिल्ली। गर्मी के मौसम में डिहाइड्रेशन की समस्या आम हो जाती है। खासकर दस्त या उल्टी होने पर शरीर में पानी और नमक की कमी तेजी से बढ़ जाती है, जिससे कमजोरी, चक्कर आना और गंभीर स्थिति पैदा हो सकती है। ऐसे में हेल्थ एक्सपर्ट ओरल रिहाइड्रेशन साल्ट यानी ओआरएस को सबसे आसान, सस्ता और प्रभावी उपाय बताते हैं।

नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) के अनुसार, ओआरएस गर्मियों में खास तौर पर लाभकारी है। यह शरीर में पानी और जरूरी नमक (इलेक्ट्रोलाइट्स) को तेजी से पूरा करता है। यह शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करता है और कमजोरी से बचाता है। डॉक्टरों का कहना है कि दस्त शुरू होते ही पर्याप्त पानी पीने के साथ ओआरएस का सेवन शुरू कर देना चाहिए। इससे शरीर का पानी-नमक संतुलन बना रहता है और मरीज जल्दी ठीक हो जाता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि ओआरएस दस्त के इलाज में सबसे प्रभावी और सुरक्षित तरीका है। दस्त होने पर तुरंत डॉक्टर से सलाह लें और ओआरएस का सेवन शुरू करें। गर्मियों में ज्यादा पसीना आने, ज्यादा धूप में रहने या पेट खराब होने पर भी ओआरएस का इस्तेमाल फायदेमंद रहता है।

अब ये जानना जरूरी है कि शरीर के लिए गर्मियों में खास तौर पर ओआरएस क्यों है जरूरी? दस्त या उल्टी होने पर शरीर से पानी के साथ-साथ सोडियम, पोटैशियम जैसे महत्वपूर्ण तत्व भी निकल जाते हैं। साधारण पानी पीने से केवल प्यास बुझती है, लेकिन खोए गए नमक की भरपाई नहीं होती। ओआरएस ठीक यही काम करता है। यह घर पर भी आसानी से तैयार किया जा सकता है या बाजार में उपलब्ध पैकेट वाले ओआरएस का इस्तेमाल किया जा सकता है।

ओआरएस बनाने के लिए एक लीटर उबले और ठंडे पानी में ओआरएस पाउच मिलाकर अच्छी तरह घोल लें। दस्त या उल्टी के दौरान छोटे-छोटे घूंट लेकर पीते रहें। यह बच्चों, बड़ों और बुजुर्गों सभी के लिए यह सुरक्षित है।

नेशनल हेल्थ मिशन लोगों को जागरूक कर रहा है कि छोटी-छोटी लापरवाही भी डिहाइड्रेशन का रूप ले सकती है। खासकर बच्चों और बुजुर्गों में यह समस्या गंभीर हो सकती है।

केंद्र कोयला गैसीफिकेशन प्रोजेक्ट्स को बढ़ावा देने के लिए नए इंसेंटिव पैकेज देने की कर रहा तैयारी, आत्मनिर्भर बनने में मिलेगी मदद

नई दिल्ली। केंद्र सरकार देश में कोयला गैसीफिकेशन प्रोजेक्ट्स को बढ़ावा देने के लिए नया इंसेंटिव पैकेज देने की तैयारी कर रहा है और इसका परिव्यय 35,000 करोड़ रुपए से अधिक होने का अनुमान है। यह जानकारी सूत्रों के हवाले से दी गई।

इसे कोयला मंत्रालय द्वारा जनवरी 2024 में शुरू किए गए 8,500 करोड़ रुपए के इंसेंटिव प्रोग्राम का की विस्तार माना जा रहा है, जिसने देश में कोयला गैसीफिकेशन की नींव रखी थी।

केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा विचाराधीन प्रस्तावित योजना का उद्देश्य देशभर में सतही कोयला और लिग्नाइट गैसीकरण परियोजनाओं में तेजी लाना है, जिससे एलएनजी, यूरिया, अमोनियम नाइट्रेट और अमोनिया पर आयात निर्भरता कम करके आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा। इस योजना का लक्ष्य 2030 तक 10 करोड़ टन कोयला गैसीकरण क्षमता के महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में प्रगति को तेज करना भी है।

देश में कोल गैसीकरण को ऐसे समय पर बढ़ावा दिया जा रहा है, जब मध्य पूर्व संघर्ष के कारण एलएनजी, उर्वरक और उर्वरक कच्चे माल की आपूर्ति श्रृंखला में बाधा बनी हुई है।

इस वर्ष फरवरी में कोयला मंत्रालय ने घोषणा की थी कि उसने देश के कार्बन उत्सर्जन को कम करने और ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से शुरू की गई 8,500 करोड़ रुपए की कोयला गैसीकरण प्रोत्साहन योजना की श्रेणी ढ्ढ के तहत चयनित आवेदकों को लेटर ऑफ अवार्ड (एलओए) जारी कर दिए हैं।योजना की श्रेणी ढ्ढ के तहत, निजी कंपनियों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) को प्रति परियोजना 1,000 करोड़ रुपए या पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) का 15 प्रतिशत, जो भी कम हो, आवंटित किया गया है।

ओडिशा के अंगुल में जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड की 2 मिमीपीए कोयला गैसीकरण परियोजना को 569.05 करोड़ रुपए का वित्तीय प्रोत्साहन दिया गया है। 3,793 करोड़ रुपए की इस परियोजना में कोयला गैसीकरण के माध्यम से कोयले को डायरेक्ट रिड्यूस्ड आयरन (डीआरआई) में परिवर्तित किया जाएगा।

न्यू एरा क्लीनटेक सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड को महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले के भद्रावती में स्थित अपने कोयला गैसीकरण परियोजना के लिए 1,000 करोड़ रुपए का वित्तीय प्रोत्साहन दिया गया है। 6,976 करोड़ रुपए की कुल परियोजना लागत वाली इस परियोजना का लक्ष्य प्रति वर्ष 0.33 मिलियन मीट्रिक टन अमोनियम नाइट्रेट और 0.1 मिलियन मीट्रिक टन हाइड्रोजन का उत्पादन करना है।

इसी प्रकार, ग्रेटा एनर्जी लिमिटेड को महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले के भद्रावती जिले के एमआईडीसी में स्थित अपने कोयला गैसीकरण परियोजना के लिए 414.01 करोड़ रुपए का वित्तीय प्रोत्साहन दिया गया है।

कोयला गैसीकरण पहल का उद्देश्य कोयला गैसीकरण में तकनीकी प्रगति को गति देना, कार्बन उत्सर्जन को काफी हद तक कम करना, ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करना और अधिक टिकाऊ ऊर्जा परिदृश्य की नींव रखना है।

साइनस की समस्याओं से राहत दिलाएगा योगासन, आयुष मंत्रालय ने बताए आसान उपाय

नई दिल्ली। साइनस की समस्या आजकल आम हो गई है। नाक बंद रहना, सिर भारी होना और लगातार असुविधा कई लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित करती है। ऐसे में भारत सरकार का आयुष मंत्रालय बताता है कि योगासन इन समस्याओं से स्थायी राहत दिला सकता है।

आयुष मंत्रालय का संदेश साफ है- 'योग-युक्त बनें। रोग-मुक्त रहें।' योग दिवस को कुछ दिन शेष है, इस मौके पर आयुष मंत्रालय लगातार जागरूकता फैला रहा है। मंत्रालय का कहना है कि योग न सिर्फ शारीरिक स्वास्थ्य बल्कि मानसिक शांति भी देता है। साइनस जैसी आम समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए योग को अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करें।

योग दिवस को कुछ ही दिन शेष हैं। ऐसे में मंत्रालय साइनस से राहत देने वाले योगासनों के बारे में जानकारी देते हुए सलाह देता है कि साइनस के पुराने दबाव को रोज की परेशानी नहीं बनने देना चाहिए। जब सांस सही ढंग से चलती है तो पूरा जीवन ही अलग और बेहतर महसूस होता है। योग सिर्फ शरीर को लचीला बनाने का नाम नहीं है, बल्कि यह सांस के प्रवाह, ऊर्जा के प्रवाह और जीवन के प्रवाह का विज्ञान है। नियमित योग अभ्यास से शरीर खुद को संतुलित करता है और स्वाभाविक रूप से ठीक होता है। इससे रोजमर्रा की जिंदगी में हल्कापन और स्पष्टता वापस आ जाती है।

मंत्रालय ने साइनस की समस्या से जूझ रहे लोगों के लिए कुछ आसान और प्रभावी योगासनों की सिफारिश की है। इनमें भ्रामरी प्राणायाम, नाड़ी शोधन प्राणायाम, ताड़ासन, गोमुखासन, जलनेति के साथ कपालभाति भी शामिल है।

भ्रामरी प्राणायाम:- इस अभ्यास में आंखें बंद करके भौंहों के बीच ध्यान केंद्रित कर 'ओम' की ध्वनि की तरह आवाज निकाली जाती है। इससे सिर और नाक से जुड़ी नसों को आराम मिलता है।

नाड़ी शोधन प्राणायाम:- एक नथुने से सांस अंदर और दूसरे से बाहर लेने की प्रक्रिया। यह दोनों नाड़ियों को संतुलित करती है और सांस की रुकावट दूर करती है।

ताड़ासन: - खड़े होकर शरीर को तानने वाला आसान आसन, जो मुद्रा सुधारता है और सही तरह से सांस लेने में मदद करता है।

गोमुखासन:- पैरों को विशेष तरीके से मोड़कर बैठने वाला आसन, जो छाती और कंधों को खोलता है।

बाल स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम, आरबीएसके 2.0 दिशानिर्देश जारी

नई दिल्ली। देश में बाल स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने हाल ही में संपन्न सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा वितरण में बेहतर प्रथाओं और नवाचारों पर राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) 2.0 दिशानिर्देश जारी किए हैं।

आरबीएसके 2.0 दिशानिर्देश भारत के प्रमुख बाल स्वास्थ्य जांच कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतीक हैं, जो एक दशक से अधिक के कार्यान्वयन पर आधारित हैं और उभरती बाल स्वास्थ्य प्राथमिकताओं को संबोधित करने के लिए इसके दायरे का विस्तार करते हैं। नवीनतम ढांचा स्थापित फोर डी दृष्टिकोण-जन्मजात दोष, रोग, कमियां और विकासात्मक विलंब—को सुदृढ़ और व्यापक बनाता है। इसके साथ ही गैर-संक्रामक रोगों, मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों और व्यवहार संबंधी चिंताओं सहित नई पीढ़ी की स्वास्थ्य चुनौतियों को भी शामिल करता है।

संशोधित दिशानिर्देश देखभाल की एक व्यापक निवारक, प्रोत्साहक और उपचारात्मक निरंतरता प्रस्तुत करते हैं, जो जन्म से 18 वर्ष तक के बच्चों को कवर करने वाले कार्यक्रम के मौजूदा जीवनचक्र आधारित दृष्टिकोण को सुदृढ़ करते हैं, जिसमें डिजिटलीकरण पर अधिक ध्यान केंद्रित किया गया है। यह बदलाव भारत की विकसित होती बाल स्वास्थ्य आवश्यकताओं और न केवल जीवित रहने बल्कि समग्र विकास और वृद्धि सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

हमारी रोजमर्रा की आदतें बिगाड़ रही हैं पेट की सेहत, समय रहते बदलाव क्यों है जरूरी

नई दिल्ली। अक्सर हम पाचन संबंधी समस्याओं को नजरअंदाज कर देते हैं। यहां तक कि पेट में होने वाले दर्द और कब्ज को जीवन का हिस्सा भी मान लेते हैं। यहां तक कि बवासीर जैसी समस्याओं को भी हम कभी-कभार होने वाली दिक्कत के तौर पर ले लेते हैं। लेकिन अब डॉक्टर साफ तौर पर कह रहे हैं कि आज की जीवनशैली इन दिक्कतों को पहले से ज्यादा बढ़ा रही है। यानी यह सिर्फ 'छोटी परेशानी' नहीं, बल्कि हमारी रोजमर्रा की आदतों का नतीजा भी हो सकती है।

हाल ही में, अमेरिकन गैस्ट्रोएंटरोलॉजिकल एसोसिएशन ने कुछ नई गाइडलाइंस जारी की हैं जिनमें बताया गया है कि हमारी खाने-पीने और बाथरूम से जुड़ी आदतें सीधे तौर पर पाचन तंत्र को प्रभावित करती हैं। डॉक्टरों का कहना है कि अगर पेट रोज सही तरीके से साफ होता रहे, तो हम पाचन संबंधी कई समस्याओं से बच सकते हैं।

हमारे पाचन को ठीक रखने में फाइबर बहुत अहम भूमिका निभाता है। यह मल को नरम बनाता है और उसे आसानी से बाहर निकलने में मदद करता है। लेकिन सच यह है कि ज्यादातर लोग रोज़ जितना फाइबर लेना चाहिए, उतना नहीं ले पाते। आजकल लोगों का झुकाव 'हाई प्रोटीन डाइट' की ओर ज्यादा हो गया है। वजन घटाने या फिट रहने के चक्कर में लोग प्रोटीन, खासकर मांस ज्यादा खाने लगे हैं, जिसमें बिल्कुल भी फाइबर नहीं होता है। समस्या यह नहीं कि प्रोटीन खराब है। समस्या यह है कि इस दौड़ में फाइबर वाली चीजें हमारी थाली से गायब होती जा रही हैं। जब इस तरह की उच्च प्रोटीन वाली चीजें हमारे खान-पान का मुख्य आहार बन जाती हैं तो पाचन धीमा पड़ जाता है, जिससे कब्ज और आगे चलकर बवासीर का खतरा बढ़ सकता है।

आईपीएल 2026: साई-सुंदर की शानदार बल्लेबाजी, पीबीकेएस के खिलाफ जीटी की 4 विकेट से जीत

अहमदाबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 46वें मैच में गुजरात टाइटंस (जीटी) ने रविवार को पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के खिलाफ 4 विकेट से जीत दर्ज की। 10 में से 6 मैच जीतकर जीटी प्वाइंट्स टेबल में पांचवें स्थान पर है, जबकि लगातार दूसरी हार के बावजूद पीबीकेएस शीर्ष पर मौजूद है।

नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी पंजाब किंग्स ने निर्धारित ओवरों में 9 विकेट खोकर 163 रन बनाए। इस टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। पहले ही ओवर में टीम ने प्रियांश आर्य (2) और कूपर कोनोली (0) के विकेट गंवा दिए।

यहां से कप्तान श्रेयस अय्यर (19) ने प्रभसिमरन सिंह (15) के साथ 29 गेंदों में 33 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन इस साझेदारी के टूटते ही पंजाब किंग्स फिर से बिखर गई। आलम ये रहा कि 47 के स्कोर तक आधी टीम पवेलियन लौट गई थी।

यहां से मार्कस स्टोइनिस ने सूर्यांश शेडगे के साथ छठे विकेट के लिए 44 गेंदों में 79 रन जुटाए। सूर्यांश ने 29 गेंदों में 5 छक्कों और 3 चौकों के साथ 57 रन की पारी खेली, जबकि स्टोइनिस ने 31 गेंदों में 40 रन बनाए। इनके अलावा, मार्को यानसेन ने 20 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। विपक्षी खेमे से जेसन होल्डर ने 24 रन देकर 4 विकेट निकाले, जबकि मोहम्मद सिराज और कगिसो रबाडा ने 2-2 विकेट हासिल किए। राशिद खान को 1 सफलता हाथ लगी।

इसके जवाब में गुजरात टाइटंस ने 19.5 ओवरों में मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस टीम को 16 के स्कोर पर कप्तान शुभमन गिल (5) के रूप में बड़ा झटका लगा। इसके बाद साईं सुदर्शन ने जोस बटलर के साथ दूसरे विकेट के लिए 40 गेंदों में 53 रन जुटाते हुए टीम को मजबूती दी। बटलर 22 गेंदों में 3 बाउंड्री के साथ 26 रन बनाकर आउट हुए।

यहां से साईं सुदर्शन ने मोर्चा संभाला। उन्होंने निशांत सिंधु (15) के साथ 25 रन, जबकि वॉशिंगटन सुंदर के साथ 30 रन की साझेदारी करते हुए टीम को जीत के करीब पहुंचाया।

भारतीय बधिर क्रिकेट टीम ने दक्षिण अफ्रीका को टी20 में 3-0 और वनडे में 2-0 से हराया

नई दिल्ली। भारतीय बधिर क्रिकेट टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया है। दक्षिण अफ्रीका दौरे पर भारतीय टीम ने टी20 सीरीज 3-0 और वनडे सीरीज 2-0 से जीती। भारतीय टीम ने खेल के हर विभाग में दक्षिण अफ्रीका को पीछे छोड़ा।

बीसीसीआई के सहयोग से बधिर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल और एशियन बधिर क्रिकेट एसोसिएशन से मान्यता प्राप्त आईडीसीए ने इस सीरीज को आयोजित किया था।

टी20 सीरीज में भारतीय टीम ने पहले मैच में 108 रन का पीछा करते हुए तीन विकेट से जीत हासिल की। इसके बाद दूसरे मैच में 109 रन का पीछा करते हुए आठ विकेट से जीत हासिल की। ?तीसरे मैच में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 3 विकेट पर 157 रन बनाए और दक्षिण अफ्रीका को 85 रन पर समेट मैच 72 रन से जीता।

वनडे सीरीज के पहले मैच में भारतीय टीम ने 118 रन का पीछा करते हुए सात विकेट से जीत हासिल की। दूसरे मैच में, भारतीय टीम ने 203 रन का लक्ष्य 9 विकेट खोकर हासिल किया।

वीरेंद्र सिंह इस सीरीज के सबसे अच्छे परफॉर्मर रहे। उन्हें दोनों फॉर्मेट में प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया, और वे टी20 में श्रेष्ठ बल्लेबाज और गेंदबाज रहे, साथ ही वनडे में श्रेष्ठ गेंदबाज का भी पुरस्कार जीता। साई आकाश को वनडे सीरीज का श्रेष्ठ बल्लेबाज चुना गया।

'लक्ष्य की कमी महसूस हुई, फ्रांस का पलड़ा पूरी तरह भारी रहा': विमल कुमार

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन टीम के पूर्व मुख्य कोच विमल कुमार ने कहा कि थॉमस कप सेमीफाइनल में भारत की 3-0 की हार में भारतीय स्टार शटलर लक्ष्य सेन की कमी महसूस हुई। कुमार ने भारत को हराकर फाइनल में जगह बनाने वाली फ्रांस टीम के शानदार प्रदर्शन की भी तारीफ की।

विमल कुमार ने एक्स पर लिखा, 'फ्रांस ने आज भारत को पूरी तरह से हरा दिया। लक्ष्य की कमी जरूर अहम मौकों पर महसूस हुई। फिर भी, यह नतीजा दिखाता है कि फ्रांस एक बैडमिंटन देश के तौर पर कितना आगे बढ़ा है। वे तेजी से आगे बढ़ रहे हैं और सबसे ऊंचे लेवल पर अधिकार के साथ मुकाबला कर रहे हैं।'

उन्होंने कहा, 'आगे देखें तो, वे फाइनल में पक्का भरोसा लेकर जाएंगे, खासकर अगर यह चीन के खिलाफ हो। जिस फॉर्म में वे हैं, उनके पास इसे एक करीबी मुकाबला बनाने का पूरा मौका है। क्रिस्टो पोपोव लगातार एक शानदार परफॉर्मर रहे हैं। पिछले सीजन में साल के आखिर में फाइनल जीतना और इतना शानदार परफॉर्मेंस देना—जैसे इंडोनेशिया के खिलाफ उनका शानदार प्रदर्शन, जहां उन्होंने जोनाथन क्रिस्टी को आसानी से हराया—यह दिखाता है कि वह कोर्ट पर कितना कॉन्फिडेंस और क्वालिटी ला रहे हैं। पूर्व कोच ने कहा कि 2022 के चैंपियन भारत में पूरी क्षमता है। वे फिर से इकट्ठा होकर और मजबूत होकर वापस आएंगे।

भारतीय टीम को थॉमस कप सेमीफाइनल में फ्रांस के खिलाफ 3-0 से हार का सामना करना पड़ा था। मैच के दौरान लक्ष्य सेन को चीनी ताइपे के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मुकाबले के दौरान कोहनी में चोट लगने के बाद सेमीफाइनल मुकाबले से बाहर बैठना पड़ा।

जापान के खिलाफ क्वार्टर फाइनल की तरह ही, फ्रांस ने भारत के खिलाफ भी शानदार प्रदर्शन किया। फ्रांस के टॉप तीन सिंगल्स खिलाड़ियों ने एक बार फिर अच्छा प्रदर्शन किया, जिससे भारत अपने टॉप डबल्स कॉम्बिनेशन की ताकत का फायदा नहीं उठा सका।

क्रिस्टो पोपोव ने एक बार फिर रास्ता दिखाया, इस बार इन-फॉर्म आयुष शेट्टी के खिलाफ, जिनका जबरदस्त अटैक भारतीय कैंपेन का आधार रहा है। फिर एलेक्स लैनियर का मुकाबला अनुभवी किदांबी श्रीकांत से हुआ - युवा स्टार का मुकाबला अनुभवी कैंपेनर से था। टोमा जूनियर पोपोव और एचएस प्रणय के बीच तीसरे सिंगल्स में भी लगभग यही हुआ। फ्रांस का फाइनल में मुकाबला चीन के साथ है।

आईपीएल 2026: टॉस जीत पहले बल्लेबाजी करेगी एसआरएच, केकेआर की प्लेइंग इलेवन में मनीष पांडे को जगह

हैदराबाद । आईपीएल 2026 का 45वां मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच खेला जा रहा है। एसआरएच के कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया है।

टॉस जीतने के बाद कमिंस ने कहा, 'हम पहले बल्लेबाजी करेंगे। पिच अच्छी लग रही है और बहुत गर्म है। हम बल्लेबाजी करेंगे और टोटल बनाएंगे। मैं पिच को पढ़ने में अच्छा नहीं हूं। यह अच्छी खेलती है और हाई स्कोरिंग होगी। युवा खिलाड़ी शानदार रहे हैं, पुराने खिलाड़ियों ने खुद को संभाला है, मुझे लगता है।

कि हम एक बार छोड़कर हमेशा 220 के पार गए हैं। हम जानते हैं कि हम हर गेम नहीं जीतेंगे, लेकिन यह अंदाज हमारे लिए अच्छा काम कर रहा है। नीतीश बीमारी की वजह से नहीं खेल पाएंगे। स्मरण डेब्यू कर रहे हैं। हर्षल पटेल हर्ष दुबे की जगह वापस आए हैं।'

केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने कहा, 'हम भी पहले बल्लेबाजी करना चाहते थे। ब्रेक से हमें सच में मदद मिली है, हमने उन चीजों के बारे में सोचा है जो हमने अच्छी कीं और उन एरिया के बारे में भी सोचा है जहां हम सुधार कर सकते हैं। यह सब उन छोटे-छोटे पलों को जीतने के बारे में है। हमने दो बदलाव किए हैं। फिन एलन टिम सीफर्ट की जगह लेंगे। मनीष पांडे रमनदीप सिंह की जगह खेल रहे हैं।'

एसआरएच 9 मैचों में 6 जीत के साथ अंकतालिका में तीसरे स्थान पर है। टीम ने अपने पिछले 5 मुकाबले जीते हैं। केकेआर 8 मैचों में 2 जीत के साथ आठवें नंबर पर है। केकेआर ने अपने पिछले 2 मैच जीते हैं।

एसआरएच प्लेइंग इलेवन: अभिषेक शर्मा, ट्रेविस हेड, ईशान किशन, हेनरिक क्लासेन, सलिल अरोड़ा (विकेटकीपर), अनिकेत वर्मा, स्मरण रविचंद्रन, पैट कमिंस (कप्तान), शिवांग कुमार, हर्षल पटेल, ईशान मलिंगा।

थॉमस कप 2026: भारत को सेमीफाइनल में फ्रांस ने हराया

नई दिल्ली। थॉमस कप 2026 के सेमीफाइनल में भारत और फ्रांस के बीच शनिवार को खेला गया हाई-वोल्टेज ड्रामे की तरह था। डेनमार्क के फोरम हॉर्सेंस एरिना में खेले गए मैच का माहौल भारतीय और फ्रांसीसी प्रशंसकों के जोश ने रोमांचक बना दिया था।

अंतिम स्कोर 0-3 रहा और भारत टूर्नामेंट से बाहर हो गया, लेकिन यह आंकड़ा मैच की वास्तविक प्रतिस्पर्धा को पूरी तरह नहीं दर्शाता। मुकाबले के दौरान कई ऐसे क्षण आए जब भारतीय खिलाड़ियों ने फ्रांस को दबाव में डाला और वापसी की उम्मीद जगाई। फिर भी, निर्णायक मौकों पर फ्रांसीसी खिलाड़ियों ने संयम और सटीकता दिखाते हुए मैच अपने पक्ष में कर लिया। इस जीत के साथ फ्रांस ने पहली बार थॉमस कप के फाइनल में जगह बनाई।

फ्रांस की सफलता के मुख्य सूत्रधार रहे टोमा जूनियर पोपोव और क्रिस्टो पोपोव भाइयों ने न केवल शानदार खेल दिखाया, बल्कि रणनीतिक रूप से भी भारतीय टीम को पीछे छोड़ दिया। उन्होंने एकल और डबल्स दोनों में भाग लेते हुए टीम को संतुलन दिया, और मैच क्रम इस तरह तय किया गया कि उन्हें पर्याप्त आराम मिल सके।

भारत के लिए सबसे बड़ा झटका था लक्ष्य सेन का चोट के कारण बाहर होना। उनकी अनुपस्थिति ने टीम संयोजन को प्रभावित किया। पहले सिंगल्स में आयुष शेट्टी को उतारा गया, लेकिन वे दबाव को संभाल नहीं पाए और क्रिस्टो पोपोव के खिलाफ सीधे गेम में हार गए।

दूसरे सिंगल्स में किदांबी श्रीकांत ने अनुभव का बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने एलेक्स लैनियर को कड़ी टक्कर दी और कई मौकों पर बढ़त भी बनाई। हालांकि, अहम क्षणों में सटीकता की कमी के कारण वे मैच गंवा बैठे।

तीसरे सिंगल्स में एच. एस. प्रणय ने जबरदस्त संघर्ष किया। उन्होंने शुरुआती बढ़त हासिल की, लेकिन टोमा जूनियर पोपोव ने अपनी गति और नियंत्रण से मैच पलट दिया। प्रणय की कुछ अनफोर्स्ड एरर निर्णायक साबित हुईं।भारत के लिए निराशाजनक पहलू यह रहा कि डबल्स मैच खेलने का अवसर ही नहीं मिला, जो उनकी संभावित ताकत हो सकती था। फ्रांस ने अपने अवसरों का पूरा लाभ उठाकर इतिहास रच दिया। जीत के साथ फ्रांस ने फाइनल में जगह बनाई, जबकि हार के बाद भारतीय टीम को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ेगा।

राष्ट्रीय व्हीलचेयर क्रिकेट चैंपियनशिप 2026 ग्रेटर नोएडा में शुरू हुई

ग्रेटर नोएडा। व्हीलचेयर क्रिकेट इंडिया एसोसिएशन द्वारा आयोजित की गई 5वीं राष्ट्रीय व्हीलचेयर क्रिकेट चैंपियनशिप 2026 की शुरुआत आधिकारिक रूप से शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में हो गई है।

टूर्नामेंट 3 मई से 10 मई तक चलेगा। इसमें देश भर की टॉप टीमें एक रोमांचक सुपर 5 ग्रैंड फिनाले फॉर्मेट में मुकाबला करेंगी। टूर्नामेंट भारत में व्हीलचेयर क्रिकेट के सबसे ऊंचे स्तर को प्रदर्शित करेगा।

मशहूर अभिनेता जैकी श्रॉफ ने इस चैंपियनशिप का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा, 'मेरा सभी के लिए यही संदेश है कि जिंदगी में बिंदास बनो। ये खिलाड़ी बहुत अच्छा खेल रहे हैं। मैंने इन खिलाड़ियों का जुनून देखकर बहुत खुश हूं।'

जैकी श्रॉफ ने पैरा-स्पोर्ट्स को और समर्थन देने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि मैं हर साल यहां आकर इन खिलाड़ियों का सपोर्ट करना चाहता हूं। मैं चाहता हूं कि स्पॉन्सर्स भी इन्हें सपोर्ट करें। बड़ी कंपनियों को आकर उन्हें स्पॉन्सर करना चाहिए।

डीसीसीआई के सचिव रवि कांत चौहान ने स्पोर्ट्स में संस्थागत सपोर्ट और समावेशिता की अहमियत पर जोर देते हुए कहा, 5वीं राष्ट्रीय व्हीलचेयर क्रिकेट चैंपियनशिप इन एथलीट्स के जबरदस्त पक्के इरादे और जोश का सबूत है। इस तरह के प्लेटफॉर्म यह पक्का करने में बहुत जरूरी हैं।

'लेट्स वॉक फॉर नी': घुटने की समस्या के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए पटना में हुआ रैली का आयोजन

पटना। घुटने से जुड़ी बीमारियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए पटना में 'लेट्स वॉक फॉर नी' वॉक का आयोजन किया गया। इस इवेंट को पारस हॉस्पिटल पटना ने आयोजित किया था और इसमें बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। डॉ. अहमद अब्दुल हई और डॉ, अनिल ने इस कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी।

डॉ, अनिल ने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'इसका मुख्य उद्देश्य बिहार और पटना की जनता में घुटने और फिटनेस को स्वस्थ रखने के लिए जागरूकता फैलाना है। घुटना शरीर का सबसे अहम अंग है। अगर आपका घुटना ठीक नहीं रहेगा तो आप ठीक तरीके से नहीं चल पाएंगे। अगर चलना बंद हो गया, तो समझिए जीवन बंद हो गया।'

उन्होंने कहा, 'मैं यही कहना चाहूंगा कि अगर किसी को घुटने की समस्या है तो उसके प्रति सचेत हों, उसका ख्याल रखें और कोई परेशानी हो तो जल्दी उसका इलाज कराएं। उसे लेकर बैठे मत रहें। हमने इसी संदेश को फैलाने के लिए इस रैली का आयोजन किया है।'

डॉ. अहमद अब्दुल हई ने कहा, 'स्वास्थ्य भगवान का दिया बहुत बड़ा उपहार है। स्वास्थ्य को लेकर अगर जागरूक नहीं रहेंगे, तो बाद में आपको इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। बेहतर स्वास्थ्य के लिए शारीरिक रूप से सक्रिय रहना जरूरी है। साथ ही खान-पान का विशेष ख्याल रखना भी जरूरी है। चलते रहिए, आगे बढ़ते रहिए। जो लोग इस काम कर पाते हैं। वह ठीक रहते हैं।'

उन्होंने कहा कि घुटने की जोड़ शरीर की सबसे अहम जोड़ है। अगर आप ठीक से चल पा रहे हैं, तो आप बिल्कुल ठीक हैं। घुटने को बचाने के कई तरीके हैं। ऑपरेशन आखिरी तरीका है।

मौजूदा जीवनशैली में लोगों में घुटने की समस्या लगातार बढ़ रही है। घुटने की समस्या आमतौर पर अर्थराइटिस (गठिया), लिगामेंट इंजरी, या बढ़ती उम्र के साथ कार्टिलेज घिसने के कारण होती है। यह समस्या विशेषकर महिलाओं में देखी जाती है। इससे राहत के लिए वजन नियंत्रित रखना और कसरत करना जरूरी है। लंबे समय तक घुटने मोड़कर बैठने से बचना चाहिए। गंभीर समस्या में डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।

ला लीगा: बार्सिलोना खिताब के करीब, विलारियल ने चैंपियंस लीग में जगह पक्की की

मैड्रिड। एफसी बार्सिलोना ओसासुना के खिलाफ 2-1 की रोमांचक जीत के साथ ला लीगा खिताब के और करीब पहुंच गया है।

बार्सिलोना रियल मैड्रिड से 14 पॉइंट आगे है। रियल मैड्रिड रविवार को आरसीडी एस्पेनयोल के खिलाफ खेलेगी। अगर मैड्रिड यह मैच नहीं जीत पाया, तो बार्सिलोना का चैंपियन बनना पक्का हो जाएगा। अगर मैड्रिड जीत जाता है, तो बार्सिलोना के पास ट्रॉफी जीतने का अगला मौका अगले वीकेंड में एल क्लासिको में होगा।

बार्सिलोना ने 81वें मिनट में गोल किया जब रॉबर्ट लेवांडोव्स्की ने मार्कस रैशफोर्ड के क्रॉस को गोल में बदला, और फेरान टोरेस ने पांच मिनट बाद फर्मिन लोपेज की थ्रू बॉल को गोल में भेजा।

शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, राउल गार्सिया ने 88वें मिनट में हेडर से एक गोल किया, लेकिन बार्सिलोना ने अपनी पकड़ बनाए रखी और अगर रियल मैड्रिड रविवार को एस्पेनयोल से नहीं जीतता है, तो बार्सिलोना चैंपियन बन जाएगा।विलारियल ने चैंपियंस लीग में जगह पक्की की और लेवांटे पर 5-1 से घरेलू जीत के साथ तीसरा स्थान पक्का करने के और करीब पहुंच गया, जिससे मेहमान टीम की बचने की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा।

जॉर्जेस मिकौतादज़े ने एक कमजोर बैक पास का फायदा उठाकर स्कोरिंग शुरू की, और हालांकि कार्लोस एस्पी ने 51वें मिनट में बराबरी कर ली, लेकिन अल्बर्टो मोलेइरो ने एक घंटे के बाद ही विलारियल की बढ़त वापस ला दी। मिकौतादज़े ने अपना दूसरा गोल किया, इससे पहले ताजोन बुकानन और निकोलस पेपे के आखिरी गोल ने जीत पूरी कर दी।

एटलेटिको मैड्रिड के कोच डिएगो शिमोन ने अगले हफ्ते आर्सेनल के खिलाफ चैंपियंस लीग ट्रिप से पहले अपने लगभग सभी रेगुलर स्टार्टर्स को आराम दिया, लेकिन उनकी टीम ने फिर भी युवा इकर ल्यूक और मिगुएल क्यूबो के गोलों की मदद से वालेंसिया में 2-0 से जीत हासिल की। वालेंसिया अभी भी रेलीगेशन की लड़ाई में फंसा हुआ है और फैंस ने उसे बू किया।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415